@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 9 जुलाई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 245 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दशकों पुराना विवाद सुलझा: नर्मदा परियोजना पर चार राज्यों में समझौता, गृह मंत्री शाह की उपस्थिति में बनी सहमति

एजेंसी

अयोध्या। नर्मदा नदी से जुड़े विस्थापन और भूमि मुआवजे के दशकों पुराने विवाद का समाधान हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच एक समझौते पर सहमति बनी है।

क्या बोले गृह मंत्री शाह?

शाह ने कहा, नर्मदा परियोजना के कारण बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के विस्थापन और भूमि मुआवजे को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। अब चारों राज्यों ने आपसी सहमति से इस मामले का समाधान करने पर सहमति जताई है। इस परियोजना से विशेषकर

मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान को लाभ हुआ। बांध पूरा होने से इन राज्यों में हर जगह पानी और बिजली पहुंची। राजस्थान को हुआ लाभ दिखने में छोटा लग सकता है, लेकिन जिस भूमि तक नर्मदा का पानी पहुंचा है, वहां भूमि का मूल्य और किसान की किस्मत दोनों बदल गई है। गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल सुरक्षा को मजबूत करने और जल क्षेत्र में सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने के लिए कई ऐतिहासिक पहल की गई हैं। कई राज्यों में डबल इंजन सरकार बनने का लाभ हुआ है, जिससे एक-दूसरे को समझने की क्षमता बढ़ी है। राजनीतिक मुद्दे कम हुए हैं और देश के अनेक विवाद अब तेजी से सुलझाए जा रहे हैं।

जल विवादों के समाधान में प्रगति- गृह मंत्री ने कहा, हाल के समय में राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे कई जल विवादों के समाधान में भी प्रगति हुई है। पिछले महीने 29 जून को राजस्थान और हरियाणा के बीच भी सहमति बनी थी। दोनों राज्यों ने लगभग 30 साल पुराने विवाद को खत्म करते हुए यमुना जल परियोजना के निर्माण व क्रियान्वयन के लिए समझौता किया था। इसके अलावा 16 जून को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान ने यमुना नदी के पुनर्जीवन के लिए किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सहमति जताई थी। इन समझौतों से राज्यों के बीच सहयोग और संसाधनों के बेहतर उपयोग का रास्ता मजबूत होगा।

अगले पांच दिनों तक महाराष्ट्र में तूफानी बारिश की चेतावनी

एजेंसी

मुंबई। मुंबई मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए महाराष्ट्र के मौसम का अनुमान जारी किया है। इसमें अगले पांच दिनों तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक के साथ तूफानी बारिश की चेतावनी दी गई है। कुछ हिस्सों में हीट वेव की चेतावनी दी गई है। मोसम विभाग ने पालघर, नासिक घाट और पुणे घाट इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। इसी तरह मुंबई शहर, मुंबई के उपनगरों, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी, रायगढ़, कोल्हापुर घाट, अहिल्यानगर, धुले जलगांव, वाशिम और वर्धा, नागपुर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया था। जबकि ठाणे, रायगढ़, नासिक, नंदुरबार, बुलढाणा, अकोला, सतारा घाट और अमरावती के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। मौसम विभाग ने लिए पालघर, नासिक घाट, रायगढ़, रत्नागिरी, कोल्हापुर घाट, बुलढाणा, अकोला, अमरावती और वर्धा में येलो अलर्ट और पुणे घाट, सतारा घाट इलाकों के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को रत्नागिरी, सतारा घाट, पुणे घाट, खंडाला घाट, चंद्रपुर और ग़डचिरोली के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार के लिए वर्धा, चंद्रपुर, गडचिरोली और यवतमाल जिले के लिए येलो अलर्ट रहेगा. शनिवार को अमरावती, वर्धा, नागपुर और चंद्रपुर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सब्र किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह एक्स हैंडल पर एक सुभाषितम् साझा कर धैर्य के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सब्र किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत है। यह देश को सबसे मुश्किल चुनौतियों के बीच भी एकजुट रहने और लगातार तरक्की, खुशहाली और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

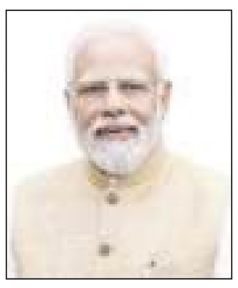

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि चलते हुए पहाड़ भी एक युग के आखिर में हवा से हिल सकते हैं। फिर भी, पक्के इरादे वाले का स्थिर मन मुश्किल हालात में भी कभी नहीं डगमगाता। यह सुभाषितम् इस प्रकार है, चलन्ति गिरयः कामं युगान्तपवनाहताः। कृच्छ्रेऽपि न चलत्येव धीराणां निश्चलं मनः॥

इसका अर्थ है- प्रलयकाल की भयंकर आंधी के प्रभाव से भले ही विशाल पर्वत भी अपनी जगह से हिलकर डगमगा जाएं, लेकिन गंभीर कष्ट या संकट आने पर भी धीर (वीर और समझदार) पुरुषों का मन अपने संकल्प से कभी विचलित नहीं होता। यह श्लोक सीख देता है कि विकट परिस्थितियों में भी व्यक्ति को अपना मानसिक संतुलन और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर सीएम योगी और रेखा गुप्ता समेत कई बड़े नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर देशभर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल समेत कई नेताओं ने उनके सादगीपूर्ण जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'जननायक, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। सड़क से लेकर सदन तक वे उपेक्षितों, पीड़ितों और वंचितों की आवाज बने रहे। उनकी सादगी, वैचारिक दृढ़ता और समाज के अंतिम व्यक्ति के प्रति संवेदनशीलता देश के लोकतंत्र को आज भी राह दिखाती है।' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को श्रद्धांजलि देते हुए पोस्ट किया, 'सादगी, साहस और सिद्धांतनिष्ठ राजनीति के लिए उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्रहित के प्रति उनका समर्पण भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।' राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भजनलाल शर्मा ने लिखा, 'उनका सादगीपूर्ण जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।' मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लिखा, 'पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।' केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पोस्ट किया, 'लोकप्रिय जननेता और ओजस्वी वक्ता व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। लोकतांत्रिक मूल्यों, शोषितों एवं वंचितों के समग्र उत्थान के लिए आपके प्रखर विचार व कृतित्व सदैव स्मरणीय रहेंगे।' केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने लिखा, 'महान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जनसेवा के लिए उनका समर्पण और संघर्ष भारतीय राजनीति में सदैव स्मरणीय रहेगा।'

भारत और रवांडा ने बढ़ाया रक्षा सहयोग, सैन्य प्रशिक्षण और संयुक्त अभ्यास पर बनी सहमति

नई दिल्ली। भारत और रवांडा ने रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई। दोनों देशों के बीच सैन्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, मेडिकल सहयोग और रक्षा उद्योग जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया गया है। इससे भारत-रवांडा के बीच रक्षा संबंध और मजबूत होंगे। रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक?स' पर लिखा, 'भारत-रवांडा जॉइंट डिफेंस कोऑपरेशन कमेटी (जेडीसीसी) की दूसरी बैठक 6-7 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भारत की ओर से संयुक्त

सचिव (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद और रवांडा की ओर से ब्रिगेडियर जनरल लुइस कनोबायरे ने की। दोनों पक्षों ने सैन्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, मेडिकल सहयोग और रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।' सोमवार को रवांडा के प्रतिनिधिमंडल ने भारत और रवांडा के बीच दूसरी जॉइंट डिफेंस कोऑपरेशन कमेटी की बैठक से पहले नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद सैनिकों को सम्मान देने के लिए पुष्पांजलि अर्पित की।

बिहार और केरल के राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

नितिन गडकरी ने दिए तेजी लाने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बिहार और केरल में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। नई दिल्ली में आयोजित बैठक में उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का आकलन किया और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, बैठक के दौरान गडकरी ने संबंधित परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यान्वयन एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ लंबित मुद्दों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के निर्धारित लक्ष्य समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं ताकि जनता को जल्द से जल्द उनका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि इन रणनीतिक राजमार्ग गलियारों के समय पर पूरा होने से क्षेत्रीय

संपर्क व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा। इससे यात्रा समय और लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी तथा देश के सड़क अवसंरचना नेटवर्क को अधिक आधुनिक, कुशल और भविष्य के अनुरूप बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय सड़क अवसंरचना के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजनाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

छत्तीसगढ़ के रायपुर के थ्रीडी फैक्टरी में भीषण सिलेंडर ब्लास्ट, तीन मजदूरों की मौत

विस्फोट के कारण मृतकों के शरीर के अंग फैक्टरी परिसर में अलग-अलग स्थानों पर बिखर गए।

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेंद्री स्थित थ्रीडी फैक्टरी में एक भीषण सिलेंडर ब्लास्ट हुआ है। इस हादसे में अभी तक तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है।

कुछ मजदूरों के इस घटना में घायल होने की सूचना है। घटना की सूचना मिलते ही उरला पुलिस फायर ब्रिगेड की टीम और फैक्टरी प्रबंधन की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। नॉर्थ जोन के डीसीपी मयंक गुर्जर ने बताया कि 3डी फैक्टरी में शाम को सिलेंडर ब्लास्ट हुआ है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इस घटना में तीन लोगों की मौत हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ब्लास्ट के बाद फैक्टरी का मंजर बेहद भयावह था। विस्फोट के कारण मृतकों के शरीर के अंग फैक्टरी परिसर में अलग-अलग स्थानों पर बिखर गए। मृतकों में कमल सिंह ने अस्पताल ले जाते

वक्त दम तोड़ दिया। जबकि लाल सिंह और अरुण पांडे की मौके पर ही मौत हो गई। कमल सिंह और लाल सिंह मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले के रहने वाले थे। 19 वर्षीय अरुण पांडे जांजगीर चांपा जिले का रहने वाला था। इस फैक्टरी में पिग आयरन बनाने का काम होता है। जिसमें गाड़ियों के पुर्जे तैयार किए जाते हैं।

पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर फैक्टरी के आसपास के इलाके को खाली करा दिया है। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुट गई है।

शराब घोटाला मामले में ईडी ने पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव से की नौ घंटे की पूछताछ

एजेंसी

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब घोटाला मामले में पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव से पूछताछ के बाद उन्हें घर जाने की अनुमति दे दी। वह रात 8 बजे रांची के हिनू स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय से अपने घर के लिए रवाना हुए। ईडी की ओर से जारी किये गये समन के आलोक में वह निर्धारित समय पर सुबह 11 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे थे। आधिकारिक सूत्रों में बताया कि आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद ईडी ने उनसे शराब घोटाले के सिलसिले में पूछताछ की। वह अपने साथ ईडी के जरिये मांगे गये आवश्यक दस्तावेज भी साथ लाये थे। उनके द्वारा सौंपे गये दस्तावेज की जांच के बाद ईडी आगे कोई फैसला करेगी। ईडी ने उरांव से लगभग नौ घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान उनसे योगेन्द्र तिवारी

के बारे में भी पूछताछ की गई। ईडी कार्यालय के बाहर रामेश्वर उरांव ने पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैं 25 साल पुलिस में रहा हूं। कोई भी गवाह बाहर बयान नहीं देता है, हमें जो भी कहना है, हम ईडी के समक्ष कहेंगे।

ईडी ने इससे पहले रोहित उरांव को 29 जून और रामेश्वर उरांव को 30 जून को पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, दोनों निर्धारित तारीख पर पेश नहीं हुए थे। उन्होंने ईडी से तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा था। दोनों के अनुरोध पर विचार करने के बाद ईडी ने तीन सप्ताह की बजाय एक सप्ताह का समय दिया। इसके बाद रोहित उरांव को 6 जुलाई और रामेश्वर उरांव को 7 जुलाई को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का दूसरा समन जारी किया गया। छह जुलाई को पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के पुत्र रोहित ईडी के सामने उपस्थित हुए थे।

दोनों के अनुरोध पर विचार करने के बाद ईडी ने तीन सप्ताह की बजाय एक सप्ताह का समय दिया। इसके बाद रोहित उरांव को छह जुलाई और रामेश्वर उरांव को 7 जुलाई को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का दूसरा समन जारी किया गया। छह जुलाई को रोहित ईडी के सामने उपस्थित हुए थे। उल्लेखनीय है कि ईडी योगेंद्र तिवारी से जुड़े कथित शराब घोटाले की जांच के सिलसिले में यह पूछताछ कर रही है। इसी मामले में पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव को दोबारा समन भेजकर रांची स्थित ईडी कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। वर्ष 2023 में कथित शराब घोटाले और उससे जुड़े धन शोधन मामले की जांच के दौरान ईडी ने झारखंड के विभिन्न जिलों में 32 से अधिक ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इस कार्रवाई के दौरान रामेश्वर उरांव के आवास की भी तलाशी ली गई थी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- 'जांच पूरी होने तक बयानबाजी न करें'

एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर जांच चल रही है। कई आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। 6 जुलाई को हुई ट्रस्ट की बैठक के बाद दो लोगों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए हैं। इस मामले पर भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह का कहना है कि अब मामले की जांच चल रही है, इसलिए इस पर

बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा है कि जिन लोगों का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है, वे भी बयानबाजी कर रहे हैं। मामले को राज्य सरकार, केंद्र सरकार और ट्रस्ट ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है। जांच रिपोर्ट आने दीजिए, अगर उसमें कोई खामी नजर आती है तो हम जरूर बोलेंगे। उन्होंने अयोध्या के साधु-संतों से भी अपील की है कि वे अब इस मामले पर अधिक बयानबाजी न करें। हमें जांच की प्रतीक्षा करनी चाहिए। अगर कोई कमी रहे तो उस पर जरूर बात करनी चाहिए। बृजभूषण शरण सिंह ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा, 'ये लोग कमजोर नहीं हैं। मैं अधिक नहीं बोलूंगा।' इससे पहले बृजभूषण शरण सिंह ने इस मामले पर बयान देते हुए कहा था कि यदि वह पूरी सच्चाई बोलेंगे तो संकट में आ जाएंगे। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई थीं।

डूंगरपुर में रातभर मूसलाधार बारिश से बाढ़ जैसे हालात

नागौर में गरज के साथ बरसे बदरा

एजेंसी

जयपुर/नागौर/डूंगरपुर। राजस्थान में मानसून की सक्रियता के चलते अलग-अलग जिलों में मेघ मेहरबान हैं। राज्य के नागौर और डूंगरपुर जिलों से भारी बारिश और मौसम में आए बदलाव की बड़ी खबरें सामने आ रही हैं। जहां नागौर में तेज गर्जना के साथ बौछारें पड़ी हैं, वहीं डूंगरपुर में रातभर हुई आफत की बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है।

डूंगरपुर: रातभर मूसलाधार आफत, कई इलाके जलमग्न, बाढ़ जैसी स्थिति -दक्षिणी राजस्थान के डूंगरपुर जिले में बारिश ने भारी तबाही मचाई है। शहर और इसके आसपास के कई इलाकों में मूसलाधार बारिश का दौर पूरी रात बिना रुके जारी रहा। जलभराव और बाढ़ के हालात: लगातार हुई इस भारी बारिश के कारण शहर के निचले इलाकों, मुख्य रास्तों और सोसायटियों में पानी भर गया है। कई क्षेत्रों में स्थिति इतनी विकट हो गई है कि वहां बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं।

जनजीवन प्रभावित: सड़कों पर कई फीट पानी जमा होने और रिहायशी इलाकों में जलभराव के चलते लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जलभराव वाले क्षेत्रों से पानी निकासी के प्रयास किए जा रहे हैं।

नागौर : गरज के साथ तेज बारिश, उमस से मिली राहत

नागौर शहर और उसके आसपास के इलाकों में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। दोपहर बाद आसमान में घने काले बादल छा गए और कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश का दौर शुरू हुआ। इस बारिश से पिछले कुछ दिनों से पड़ रही तेज उमस और गर्मी से स्थानीय बाशिंदों को काफी राहत मिली है। किसानों के चेहरे भी इस मानसूनी बारिश को देखकर खिल उठे हैं।

बदरीनाथ चढ़ावा प्रकरण : निजी सहायक निलंबित, शासन ने भी बनाई उच्चस्तरीय जांच समिति

एजेंसी

देहरादून/चमोली। बदरीनाथ धाम में चढ़ावे एवं दान में अनियमितताओं के मामले में श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने अध्यक्ष कार्यालय में तैनात वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर राज्य सरकार ने पूरे प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। बीकेटीसी की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रमोद नौटियाल को तीन जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। चार सदस्यीय आंतरिक जांच समिति की प्रारंभिक रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया गंभीर अनियमितताओं के संकेत मिलने और जांच प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए उन्हें निलंबित कर ज्योतिर्मठ स्थित बीकेटीसी कार्यालय से संबद्ध किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भत्ता मिलेगा और बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। इस बीच शासन ने मुख्यमंत्री के निर्देश पर मामले की गहन जांच के लिए गढ़वाल मंडल आयुक्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित की है। समिति में एनएचएम के प्रबंध निदेशक संदीप तिवारी और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के निदेशक (वित्त) जगत सिंह चौहान सदस्य बनाए गए हैं।पर्यटन सचिव धीराज सिंह गर्ब्याल की ओर से जारी आदेश के अनुसार समिति बदरीनाथ धाम में दान-चढ़ावे से संबंधित कथित अनियमितताओं की विस्तृत जांच कर

15 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट और संस्तुतियां शासन को सौंपेगी। समिति आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों का सहयोग भी ले सकेगी तथा दान-चढ़ावा प्रबंधन प्रणाली को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के संबंध में सुझाव भी देगी। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि शिकायत सामने आते ही संबंधित कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगा गया और जांच समिति गठित की गई। उन्होंने कहा कि समिति श्रद्धालुओं की आस्था और भगवान के चढ़ावे की पवित्रता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भ्रष्टाचार या अनियमितता के मामलों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाती है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध कठोर विभागीय और विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बारुईपुर में बच्ची से दुष्कर्म और हत्या का आरोपी प्रभाव मुठभेड़ में ढेर

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के बारुईपुर दुष्कर्म और हत्या मामले के आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। बंगाल पुलिस ने सोमवार आरोपी को गिरफ्तार किया था। बारुईपुर एसपी के मुताबिक आरोपी प्रभास मंडल की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। क्राइम सीन को फिर से बनाने में, उसने पुलिस से हथियार छीनने और उन पर गोली चलाने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जो प्रभास को लगी अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि बारुईपुर में लड़की के दुष्कर्म और हत्या के बाद सरकार और पुलिस कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। 11 साल की नाबालिग की हत्या मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने घटना की हैवानियत की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता के शरीर पर गंभीर चोट, यौन उत्पीड़न और शारीरिक यातनाओं के स्पष्ट संकेत मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक पीड़िता के सिर पर किसी भारी चीज से वार किया गया। इसके बाद उसे बोरी में भरकर तालाब में फेंक दिया। रिपोर्ट में उल्लेख है कि तालाब में फेंके जाने के समय वह जीवित थी। सिर पर गहरे घाव, शरीर पर खरोंच और काटने के निशान मिले हैं। गुप्तांगों पर भी गंभीर चोटों के निशान मिले। पानी शरीर के भीतर जाने से फेफड़ों और पेट में सूजन आ गई और डूबने से उसकी मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक घटना बारुईपुर थाना क्षेत्र के धपधपी-2 पंचायत के सूर्यपुर हाट की है। पीड़िता शनिवार शाम घर से खाने का सामान लेने निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। रविवार सुबह घर के पास एक तालाब से उसका शव मिला। उसी रात सीसीटीवी फुटेज में चार लोग नाबालिग को अपने साथ ले जाते दिखे। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया। पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है।

स्कूल बस इंतजार कर रहे थे बच्चों को कार सीख रही महिला ने मारी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के ग्रेटर नोएडा के पंचशील ग्रीन्स-2 सोसायटी के बाहर बुधवार सुबह कार चलाना सीख रही एक महिला की गाड़ी अनियंत्रित होकर स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों पर चढ़ गई जिससे पांच बच्चे को मामूली चोटें आईं हैं। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। घटना उस वक्त हुई जब सोसायटी में रहने वाले कुछ बच्चे स्कूल बस का इंतजार कर रहे थे तभी एक महिला कार लेकर वहां से गुजरी। पुलिस के मुताबिक महिला अभी कार चलाना सीख ही रही थी और उसे गाड़ी चलाने का ज्यादा अनुभव भी नहीं था। इसी दौरान उसका कार से नियंत्रण छूट गया और गाड़ी सीधे बच्चों से टकरा गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और कार्रवाई शुरू की। फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि महिला के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई की जाएगी या नहीं, लेकिन पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है ताकि पूरी घटना का सही कारण सामने आ सके।

जमीन विवाद में युवक की चाकू से गोदकर हत्या, आरोपियों को तलाश रही पुलिस

आरा (एजेंसी)। भोजपुर जिले के बड़की खड़ाव गांव में बुधवार सुबह जमीन विवाद में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान बड़की खड़ाव गांव निवासी बीरेन्द्र कुमार सिंह (34) के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। बताया जा रहा है कि घर के बगल की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बुधवार सुबह इसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जानकारी के मुताबिक आरोप है कि दूसरे पक्ष के व्यक्ति ने विक्रांत कुमार सिंह पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया। हमलावर ने उनके सिर और दाहिनी ओर सीने के पास चाकू मारा, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही सहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद से गांव में दहशत का माहौल है।

गर्भवती आईपीएस अधिकारियों के प्रशिक्षण पर रोक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अहम कानूनी लड़ाई में, एक गर्भवती महिला आईपीएस अधिकारी ने प्रशिक्षण के दौरान गर्भवती होने पर रोक लगाने वाले करीब तीन दशक पुराने सरकारी नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इसतरह के फैसले पुराने नियमों के बजाय आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर होने चाहिए। मध्य प्रदेश कैडर की 2023 बैच की आईपीएस अधिकारी उर्वशी सेंगर ने याचिका दायर की है। सेंगर ने नवंबर 2023 में अपना फेज-1 प्रशिक्षण शुरू किया था। अप्रैल 2025 में फेज-2 के दौरान जब वे गर्भवती हुईं, तब उन्हें प्रशिक्षण बीच में ही छोड़ने और प्रसव के एक साल बाद अगली बैच के साथ दुबारा प्रशिक्षण लेने के लिए कहा गया। सितंबर 2025 में बच्चे के जन्म के बाद उन्होंने मेडिकल फिटनेस के आधार पर फेज-2 प्रशिक्षण में शामिल होने की अनुमति मांगी, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी ने 1993 के गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन (ओएम) का हवाला देकर उनकी मांग ठुकरा दी। यह ज्ञापन कहता है कि गर्भवती आईपीएस प्रोबेशनर को तुरंत प्रशिक्षण से रोक दिया जाएगा और वे प्रसव के एक साल बाद ही फिर प्रशिक्षण शुरू कर सकेंगी। आईपीएस महिला अधिकारी सेंगर ने पहले केंद्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल (सीएटी) का रुख किया, जिसने उन्हें अंतरिम आदेश में आवश्यक मेडिकल औपचारिकताएं पूरी करने पर प्रशिक्षण जारी रखने की अनुमति दे दी थी। हालांकि, पुलिस अकादमी ने आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसने 22 जून को सीएटी के आदेश पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि यह नियम महिला अधिकारी और उसके बच्चे दोनों के हितों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। दायर याचिका में कहा गया है कि 1993 का यह नियम बिना किसी भेदभाव के सभी गर्भवती अधिकारियों पर समान रूप से लागू होता है, जबकि फेज-2 प्रशिक्षण मुख्य रूप से कक्षा-आधारित और अकादमिक होता है, जो शारीरिक रूप से अत्यधिक कठिन नहीं होता। याचिका में उजागर किया गया है कि 2004 में कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने आईएएस महिला अधिकारियों के लिए इसी तरह के नियम में संशोधन किया था, जिससे उन्हें मेडिकल फिटनेस के आधार पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति मिली थी।

कांग्रेस ने भाजपा-संघ पर लगाया मिलीभगत का आरोप, ट्रस्ट भंग करने की मांग

अयोध्या (एजेंसी)। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुख्य विपक्षी दल ने दावा किया कि ये संगठन असली दोषियों को बचाने के लिए पूरे प्रकरण पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि वर्तमान राम मंदिर ट्रस्ट को तुरंत भंग कर दिया जाए और नए ट्रस्ट में संघ परिवार या विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रतिनिधियों के बजाय हिंदू संतों और धार्मिक प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए, ताकि मंदिर की पारदर्शिता और आस्था की शुचिता बनी रहे।

यह राजनीतिक घमासान उस समय और तेज हो गया जब राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने एक हस्तलिखित संदेश में खुद पर लगे गबन के आरोपों को निराधार बताया और कहा कि वे विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही जवाब देंगे। गौरतलब है कि इससे ठीक एक दिन पहले ट्रस्ट ने चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए थे। दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मांग की कि इस मामले की स्वतंत्र जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हो और मंदिर के चढ़ावे का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ने की मांग करते हुए कहा कि चूंकि मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री ने किया था, इसलिए इस मामले पर उनकी जिम्मेदारी बनती है। गहलोत ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल (2018-23) का जिक्र करते हुए एक और गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए राजस्थान के भरतपुर के बंसी पहाड़पुर से जो पत्थर लाया जा रहा था, वहाँ बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा था। उन्होंने चंपत राय से खुद कहा था कि पवित्र कार्य में अवैध पत्थरों का उपयोग न हो। बाद में राज्य सरकार की सिफारिश पर केंद्र के सहयोग से उस क्षेत्र को वन भूमि की श्रेणी से हटाया गया ताकि काम न रुके। गहलोत ने कहा कि इस पूरे प्रकरण से भाजपा और संघ परिवार का वास्तविक चाल, चरित्र और चेहरा जनता के सामने आ गया है और इन संगठनों ने मंदिर प्रशासन पर अनधिकृत कब्जा कर रखा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर भी गहलोत ने तीखा पलटवार किया, जिसमें योगी ने कहा था कि कांग्रेस को इस पर बोलने का अधिकार नहीं है। गहलोत ने कहा कि अगर ऐसा है, तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद नए ट्रस्ट का नेतृत्व क्यों नहीं करते और जनता का विश्वास बहाल क्यों नहीं करते? यह बयानबाजी दर्शाती है कि राम मंदिर से जुड़ा यह विवाद अब एक गंभीर राजनीतिक रूप ले चुका है।

मुंबई एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा, एक ही रनवे पर आमने-सामने आए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार रात एक बड़ा विमान हादसा टल गया। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के दो विमान एक ही रनवे पर आमने-सामने आ गए, जिससे यात्रियों के बीच कुछ समय के लिए घबराहट और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की सतर्कता और समय रहते उठाए गए कदमों से संभावित बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे की है। उस समय बागडोगरा से मुंबई पहुंचा एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद अभी पूरी तरह रनवे से बाहर नहीं निकला था। इसी दौरान मुंबई से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ब्ध816 को उसी रनवे से उड़ान भरनी थी। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान ने टेकऑफ की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, लेकिन इसी बीच एयर ट्रैफिक कंट्रोल से तुरंत उड़ान रोकने का निर्देश मिला। निर्देश मिलते ही पायलट ने टेकऑफ रन को तत्काल रद्द कर दिया और विमान को सुरक्षित रूप से वापस पार्किंग बे में ले जाया गया। इस त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई। एयरलाइन के अनुसार, टेकऑफ रन रद्द किए जाने के बाद विमान की स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत आवश्यक तकनीकी जांच की जाएगी। इसके बाद ही विमान को दोबारा उड़ान के लिए मंजूरी दी जाएगी। साथ ही यात्रियों को उनके गंतव्य तक जल्द पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की जा रही है। एयर इंडिया ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि एटीसी के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया गया और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। हालांकि, एयरलाइन ने घटना के तकनीकी कारणों या दोनों विमानों में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है।

अमरनाथ यात्रा: रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालु उमड़े, 6 जत्थे में 8 हजार से अधिक रवाना

जम्मू (एजेंसी)। पवित्र अमरनाथ यात्रा लगातार नए कीर्तिमान बना रही है। मंगलवार को यात्रा के छठे जत्थे में अब तक की सबसे बड़ी संख्या में 8,815 श्रद्धालु कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीर के लिए रवाना हुए। इन श्रद्धालुओं को बालटाल और पहलगाम के आधार शिविरों तक पहुंचाने के लिए कुल 363 वाहनों का एक विशाल काफिला तैनात हुआ। जिला प्रशासन अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के पहले चार दिनों में ही 86 हजार से अधिक श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं, जिससे इस वर्ष यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है।

6 जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं में 5,831 पुरुष, 2,193 महिलाएं, 30 बच्चे, 598 साधु, 131 साध्वियां, एक बाल साधु तथा 31 विदेशी पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे, जो यात्रा की व्यापक पहुंच को दिखाता है। बालटाल मार्ग के लिए 3,989 श्रद्धालु सुबह 3.35 बजे 181 वाहनों में रवाना हुए, जबकि पारंपरिक पहलगाम मार्ग के लिए 4,826 श्रद्धालु सुबह 4.08 बजे 182 वाहनों के काफिले के साथ निकले। इस काफिले में 172 बसें, 58 मीडियम मोटर व्हीकल, 130 लाइट मोटर व्हीकल और तीन दोपहिया वाहन शामिल थे।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पूरे मार्ग पर सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाएं, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक सेवाओं की मुस्तैद व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

गौरतलब है कि 57 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथ जी यात्रा का शुभारंभ 3 जुलाई को हुआ था और इसका समापन 28 अगस्त को होगा। दक्षिण कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से लगभग 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हर वर्ष पहुंचते हैं। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या इस यात्रा की लोकप्रियता और धार्मिक आस्था की गहराई का स्पष्ट प्रमाण है। श्रद्धालुओं में बढ़ता जोश व उत्साह इतना है कि रिकॉर्ड संख्या में लोग बिना पंजीकरण के भी पहुंच रहे हैं और मौके पर ही तत्काल पंजीकरण करा रहे हैं।

भारी बारिश में मुंबई का हाल बेहाल, सड़कों पर भरा पानी, रेल यातायात भी ठप

-जलभराव के चलते रिहायशी इलाके में आया 6 फीट मगरमच्छ, रेस्क्यू कर पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन बुरा असर पड़ा है। पानी भरने से जहां एक तरफ रेल यातायात ठप है, वहीं दूसरी तरफ जलभराव के कारण जंगली जानवर भी रिहायशी इलाकों में घुस आए हैं। ऐसा ही घटना पवई के चांद शाह वली दरगाह के पास देखने को मिली। जहां खड़ी गाड़ियों के नीचे एक 6 फीट लंबा मगरमच्छ देखा गया। भारी बारिश के कारण मगरमच्छ रास्ता भटक कर झील से बाहर आ गया था।

सूचना मिलते ही वन विभाग और वन्यजीव संस्थाओं की टीम ने मिलकर सुरक्षित रूप से मगरमच्छ का रेस्क्यू किया। डॉक्टर द्वारा जांच किए जाने के बाद इसे वापस इसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जाएगा। इस घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। पर्यावरणविदों का कहना है कि झीलों के आस-पास बढ़ते निर्माण कार्यों की वजह से मगरमच्छों के रहने की जगह कम हो रही है, जिससे वे इंसानी बस्तियों की तरफ आ रहे हैं।

बता दें मुंबई में भारी बारिश का सबसे ज्यादा असर वेस्टर्न रेलवे पर पड़ा है। नवसारी-मारोली सेक्शन में पटरियों पर पानी भर जाने के कारण रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बुधवार को चलने वाली कई प्रमुख ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, जिनमें

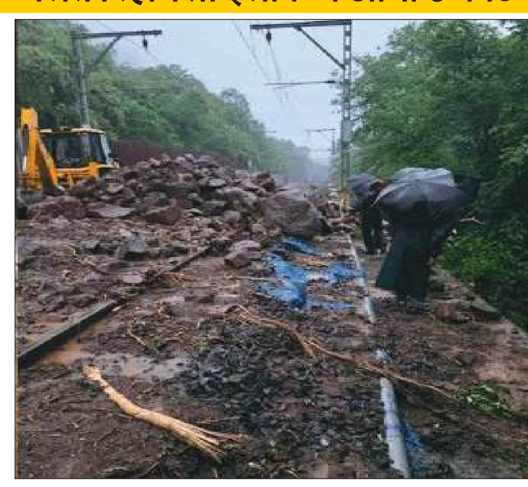

अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस, अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस, अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस कर्णावती एक्सप्रेस, अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल एसी डबल डेकर एक्सप्रेस शामिल हैं। इसके अलावा कई ट्रेनों के रूट भी बदले गए हैं। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे घर से निकलने से पहले हेल्पलाइन नंबर 139 या ऐप के जरिए अपनी ट्रेन का स्टेटस जरूर चेक कर लें। मौसम विभाग ने बुधवार को मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विभाग की माने तो निचले इलाकों में बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और ट्रैफिक जाम की स्थिति बन सकती है। वहीं दूसरी ओर मौसम विभाग के मुताबिक 9 जुलाई से बारिश की रफ्तार थोड़ी कम होगी और 12 जुलाई से हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है।

बता दें एक तरफ जहां मुंबई और पश्चिमी महाराष्ट्र में भारी बारिश हो रही है, वहीं राज्य के कुछ हिस्सों जैसे धुले, नंदुरबार, सोलापूर और मराठवाड़ा में अब तक औसत से कम बारिश हुई है। मुख्यमंत्री कार्यालय और कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम को देखकर ही खेती की तैयारी करें और जहां कम बारिश हुई है, वहां जमीन में अच्छी नमी होने से पहले बुवाई की जल्दबाजी न करें।

महिलाओं को दिल्ली सरकार देगी तोहफा ! हर महीने मिलेंगे 2500 रुपए

-महिला समृद्धि योजना का शुभारंभ 28 अगस्त को कर सकते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को वित्तीय सहायता देने के लिए बहुप्रतीक्षित महिला समृद्धि योजना का औपचारिक शुभारंभ 28 अगस्त को किया जा सकता है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में भेजे जाएंगे। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी योजना की शुरुआत कर सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होना बाकी है।

दिल्ली सरकार ने इस योजना के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल तैयार है और पात्रता के मानदंड भी तय कर दिए गए हैं। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए 5110 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अनुमान है कि दिल्ली की 20 से 22 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। सीएम रेखा गुप्ता पहले कह चुकी हैं कि सरकार योजना को पूरी तैयारी के साथ लागू करना चाहती है, ताकि सभी पात्र महिलाओं तक इसका लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचे और भविष्य में भी योजना सुचारु रूप से चलती रहे।

महिला समृद्धि योजना का लाभ केवल दिल्ली की आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मिलेगा। इसके लिए तय प्रमुख पात्रताएं इस प्रकार हैं। आवेदक महिला की आयु 21 से 60 साल के बीच हो। परिवार की वार्षिक आय 2.50 लाख से 3 लाख तक हो। दिल्ली की स्थायी निवासी होना जरुरत है। राशन कार्ड धारक महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार ने कुछ श्रेणियों की महिलाओं को योजना से बाहर रखा है। इनमें सरकारी नौकरी करने वाली महिलाएं, आयकर भरने वाली महिलाएं, सरकारी पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाएं और चार पहिया वाहन की मालिक महिलाएं शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक योजना के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन के समय महिलाओं को जो जानकारी देनी होगी उसमें आधार नंबर, नाम और जन्म तिथि, लिंग पिता या माता का नाम, वैवाहिक स्थिति, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी, दिल्ली में निवास की अवधि आधार से लिंक बैंक खाता। महिला समृद्धि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को नियमित वित्तीय सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

मुस्लिम आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची विजय सरकार, हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लाम धर्म अपनाने वालों को आरक्षित वर्ग के तहत प्राप्त आरक्षण के लाभ को खत्म करने के मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु की सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। मद्रास हाईकोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा था कि इस्लाम धर्म अपना लेने वाला व्यक्ति पिछड़े वर्ग के तहत मिलने वाले आरक्षण के लाभ का हकदार नहीं है। मद्रास हाईकोर्ट ने इसको लेकर तमिलनाडु सरकार के 2024 के आदेश को ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था। गो-हत्या पर रोक हटाने की मांग के बाद तमिलनाडु सरकार ने मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भी सुप्रीम कोर्ट का रुख करने का फैसला किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में तमिलनाडु सरकार ने पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अधिसूचित समुदाय या अनुसूचित जाति से इस्लाम धर्म अपनाने वाले लोगों को पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम) मानने का आदेश जारी किया था। यही नहीं, तत्कालीन स्टालिन सरकार ने कम्युनिटी सर्टिफिकेट भी जारी करना शुरू कर दिया था, जिन मुस्लिम जातियों को यह आरक्षण दिया जा रहा था उनमें- अंसार, दक्कनी मुस्लिम, दुबेकुला, लब्बाइस, रोवथर, मराकायार, मपिल्ला, शेख और सैयद शामिल हैं।

मद्रास हाईकोर्ट में जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस पीबी बालाजी की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि सरकारी आदेश उन न्यायिक निर्णयों के पूरी तरह से खिलाफ हैं, जो हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने दिए हैं। इन न्यायिक फैसलों के मुताबिक धर्म बदलकर इस्लाम अपनाने वाले व्यक्ति को सिर्फ मुसलमान ही माना जा सकता है। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। तमिलनाडु की टीवीके सरकार ने इस मामले में 6 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दायर किया है।

तीन देशों के दौरे में पीएम मोदी ब्रह्मोस, रेयर अर्थ मैटेरियल और समुद्री सीमा पर कर रहे चर्चा

-इंडोनेशिया को ब्रह्मोस और अस्त्र देगा भारत, चीन की बढ़ती दादागिरी पर लगेगा ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे में जिन समझौतों और साझेदारियों पर चर्चा हो रही है, उनका असर सीधे तौर पर चीन की रणनीतिक क्षमता पर पड़ सकता है। पीएम मोदी की ये यात्राएं दक्षिण चीन सागर में शक्ति के संतुलन पर असल डालने वाली हैं। भारत ने इंडोनेशिया को ब्रह्मोस और अस्त्र देकर चीन की दादागिरी पर एक ब्रेक सा लगा दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ सालों में चीन ने इंडो पैसिफिक और दक्षिण चीन सागर के कई देशों पर धौंस जमाने की कोशिश की। एक ऐसी रणनीति पर काम किया, जिससे वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर सीधा दबाव बढ़ा और तो और चीन ने दक्षिण चीन सागर के साथ भारत की घेराबंदी के लिए इंडिया के पड़ोसी देशों को साधने की कोशिश की। अब भारत के सहयोग से इंडोनेशिया ने तय किया है कि वह अपनी सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा मजबूत करेगा और इसीलिए उसने ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का फैसला किया है। इससे अब इंडोनेशिया की समुद्री निगरानी क्षमता बढ़ेगी।

ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से दुश्मन के जहाजों, समुद्री ठिकानों और जमीन पर मौजूद सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है। इंडोनेशिया की बढ़ती ताकत को देख चीन का परेशान होना लाजिमी है। ब्रह्मोस डील के अलावा भारत और इंडोनेशिया के बीच सबांग पोर्ट को लेकर बढ़ता सहयोग सबसे ज्यादा चर्चा में है। सबांग बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के मुहाने पर स्थित है, जहां से दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। चीन का करीब 80 फीसदी ऊर्जा आयात इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में भारत की बढ़ती मौजूदगी चीन का टेंशन और बढ़ा सकती है। इंडोनेशिया के बाद पीएम मोदी 8 जुलाई को मेलबर्न पहुंच रहे हैं, जहां उनका ऑस्ट्रेलिया दौरा 8-10 जुलाई तक चलेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पिछले कुछ सालों में रणनीतिक साझेदार के रूप में तेजी से करीब आए हैं। दोनों देश क्वाड समूह का हिस्सा हैं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त एवं खुले समुद्री मार्गों की वकालत करते हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा में महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन और रक्षा सहयोग पर चर्चा केंद्र में है। चीन लंबे समय से दुर्लभ खनिजों और इसके वैश्विक सप्लाई चेन पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस बार रेयर अर्थ और क्रिटिकल मिनरल्स सहयोग पीएम मोदी की यात्रा का सबसे अहम एजेंडा माना जा रहा है। दोनों देश ऐसे समझौतों पर काम कर रहे हैं, जिनसे भारत की चीन पर निर्भरता कम हो और इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उद्योग के लिए जरूरी खनिजों की सुरक्षित सप्लाई सुनिश्चित हो सके।

ऑस्ट्रेलिया के बाद पीएम मोदी न्यूजीलैंड जाएंगे। न्यूजीलैंड भले ही सैन्य दृष्टि से बड़ा खिलाड़ी न हो, लेकिन अपने लोकेशन की वजह से हिंद-प्रशांत की राजनीति में उसका महत्व बढ़ रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार, कृषि, शिक्षा और डिजिटल सहयोग पर जोर दिया जा रहा है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भी चर्चा तेज हुई है, लेकिन इसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। चीन लंबे समय से न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, लेकिन

वेलिंगटन अब अपने आर्थिक विकल्पों को विविध बनाने की कोशिश कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा है कि अपनी न्यूजीलैंड यात्रा में वे आर्थिक, व्यापारिक और कमर्शियल संबंधों को और कैसे बेहतर बनाया जाए इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

पेड़ की डाल से लटकता मिला तीन दिन से लापता बालक का शव

श्रावस्ती। यूपी के श्रावस्ती में शनिवार को तीन दिन से लापता बालक का शव फंदे से लटकता मिला। खबर मिली तो परिजनों में चीख पुकार मच गई। रोते बिलखते परिजन घटना स्थल पहुंचे। सूचना पर आई पुलिस ने मौके पर जांच करके जानकारी जुटाई। सूचना पर एसपी राहुल भाटी, एएसपी चंद्रकेश सिंह, सीओ अपराध आलोक सिंह भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। मूल रूप से सोनवा थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत विशुनापुर के मजरा ठगरहना निवासी लवकुश मिश्रा (12) बुधवार की दोपहर बिना घर पर कुछ बताए कहीं चला गया था। शाम तक घर वापस न आने पर मां शांति देवी ने गांव व रिश्तेदारों के यहां उन्हें ढूंढा। कुछ पता न चलने पर उन्होंने थाने में तहरीर देकर बेटे को ढूंढने की गुहार लगाई। पुलिस गुमशुदगी दर्ज करके लवकुश की तलाश कर रही थी। इसी बीच शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने गांव के बाहर नाले के किनारे भिलोर के पेड़ की डाल से लवकुश का शव गमछे के फंदे से लटकता देखा। शव देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना पर सोनवा थाना प्रभारी बिशुनदेव पांडेय व गिलौला थाना प्रभारी आशीष कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी जांच की। लवकुश की मां शांति देवी ने आरोप लगाया कि उनका बेटा बहुत छोटा था और इतनी कम उम्र में वो आत्महत्या नहीं कर सकता है। किसी ने बेटे की हत्या करके शव फंदे से लटका दिया है। ताकि, सभी को हत्या आत्महत्या लगे। शांति देवी के पति जगराम मिश्रा की वर्ष 2015 में मार्ग दुर्घटना मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद शांति अकेले ही छह बीघा कृषि भूमि पर खेती करके अपने छह बेटों की देखरेख करती थी। घर की आर्थिक जिम्मेदारी काफी हद तक बड़े बेटे रामजी मिश्रा (26) के कंधों पर है, जो अपनी पत्नी के साथ दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं। वहीं, श्रवण कुमार (18), राम अवतार (17), पंकज मिश्रा (13), लवकुश (12) और सत्यदेव (10) घर पर रहकर मां का हाथ बंटाते थे। ऐसे में अब लवकुश की मौत के बाद शांति फिर से टूट गई हैं। एएसपी चंद्रकेश सिंह शांति देवी की तहरीर पर बृहस्पतिवार को गुमशुदगी दर्ज की गई थी। टीम के साथ मौके पर जांच की गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर सांड़ से टकराकर बाइक से टकराई कार

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर–पलिया हाईवे पर गंगसरा गांव के पास शुक्रवार रात एक कार सड़क पर अचानक आए सांड़ से टकराने के बाद बाइक से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार बसखेड़ा बुजुर्ग गांव के रहने वाले श्यामवीर (32 वर्ष) की मौत हो गई। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। सांड़ भी मर गया। पुलिस के अनुसार, रात करीब 11 बजे एक कार सड़क पर सांड़ से टकरा गई। टक्कर के बाद अनियंत्रित होकर एक बाइक से जा भिड़ी। हादसे में बाइक सवार श्यामवीर की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार उसका साथी खुटार के चमराबोझी निवासी गोल्डी गंभीर रूप से घायल हो गया। कार में सवार खुटार के रुजहाकलां निवासी मुरारी लाल, धर्मेंद्र वर्मा, रमेश और बिहार के रहने वाले सुधीर भी घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी आरके रावत मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार सवार घायलों को सीएचसी भिजवाया। बाइक सवार गोल्डी को परिजन निजी अस्पताल ले गए।

NAME CHANGE
I,hitherto known as Mahpal alias Mahipal Rana S/O Ishwar Singh, R/O W Z-601, RAJ NAGAR PART-1, PALAM COLONY, Palam Village, South West Delhi, Delhi, 110045, have changed my name and shall hereafter be known as MAHIPAL RANA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHREEMATI LATA W/O RAJESH MARKAM R/O F1/F3 S-1 SCHEME NO-78 INDORE VIJAY NAGAR MADHYA PRADESH 452010 have changed my name shall hereafter be known as LATA MARKAM.

NAME CHANGE
I hitherto known as DOLLY DIWAKER W/O PRADIP DIWAKAR R/O F-95 F/F F-BLOCK POCKET-3 TYPE-A DDA FLATS BINDAPUR UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 have changed my name shall hereafter be known as DOLEE DIVAKAR. [08/07, 20:43] +91 92104 59827: I hitherto known as SHREEMATI LATA W/O RAJESH MARKAM R/O F1/F3 S-1 SCHEME NO-78 INDORE VIJAY NAGAR MADHYA PRADESH 452010 have changed my name shall hereafter be known as LATA MARKAM.

NAME CHANGE
I SUNNY S/O DHARMENDER SINGH R/O HOUSE NO-481 KH NO-192 GROUND FLOOR BLOCK-B NEAR GUJJARCHOWK MUKUNDPUR NORTH WEST DELHI 110042 have changed the name of my minor son KARTIK aged 11 years and he shall hereafter be known as PAWAN.

NAME CHANGE
I PRADIP DIWAKAR S/O DINESH KUMAR R/O F-95 F/F F-BLOCK POCKET-3 TYPE-A DDA FLATS BINDAPUR UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 have changed the name of my minor daughter DHANVI aged 8 years and she shall hereafter be known as DHAMIYA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHUVAM S/O MUNNA SHRIVASTAVA R/O H NO B-75 GALI NO-3 JANKI PURI UTTAM NAGAR NEW DELHI 110059 have changed my name shall hereafter be known as SHUBHAM. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
It is for general information that I, HIMANSHU PRAJAPATI S/o SOMESH KUMAR , Residing at House No. – 48, Gali No.- 01, K-Block, Mahipalpur, PO: Gurgaon Road, Dist: South West Delhi, Delhi -110037, declare that name of my Father has been wrongly written as SOMESH in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my Father is SOMESH KUMAR , which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलों श्री मुकेश पुत्र स्व0 बिशम्भर दास व श्रीमती अनीता पत्नी श्री मुकेश पता मकान नं0 आर जेड एच ए-144, तृतीय तल, गली नं0 12, पालम कॉलोनी, राज नगर पार्ट-2, नई दिल्ली-110077 ने अपने पुत्र शिव आयु करीब 20 वर्ष को उसके अभद्र व्यवहार, मानसिक यातनाएं देने व किसी भी प्रकार से मेरे मुवक्किलों से सम्बन्ध न रखने के कारण से अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा उस पुत्र से अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है। आज के बाद उक्त पुत्र के द्वारा किये गये किसी भी नैतिक / अनैतिक/अपराधिक कार्य एवं किसी भी प्रकार के लेन देन के लिए मेरे मुवक्किलों की कोई भी जिम्मेदारी नहीं होगी और यह उनका स्वयं का जोखिम होगा।
रवि प्रकाश मिश्र, अधिवक्ता
चैम्बर नं0 402.
जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट
नई दिल्ली 110075
मो0 नं0 9599752832

NAME CHANGE
I, Shahnaz Begum daughter of Mohammad Farooq resident of 1590, 5th Floor Gali Madarsa Meer Jumla, Lal Kuan, Delhi-6 have changed my name from Shehnaz Begum to Shahnaz Begum for all future purposes.that my father correct name is Mohammad Farooq.

NAME CHANGE
I, GAJRAJ MEENA S/O PATIRAM MEENA, R/O Q-35/199, NEAR GANDHI PARK, ORDINANCE FACTORY, MURADNAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201206, have changed the name of my minor son KAUSHAL MINA, aged 7 years and he shall hereafter be known as SATYAM. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I ACHINTYA PRATIKSHIT GUPTA S/O-PRATIKSHIT GUPTA R/O-1920 SECTOR-6 BAHADURGARH DISTT JHAJJAR HARYANA-124507 HAVE CHANGED MY NAME TO ACHINTYA GUPTA.

NAME CHANGE
I PRATIKSHIT HARI OM PRAKASH GUPTA S/O-HARIOM PRAKASH GUPTA R/O-R/O-1920 SECTOR-6 BAHADURGARH DISTT JHAJJAR HARYANA-124507 HAVE CHANGED MY NAME TO PRATIKSHIT GUPTA.

NAME CHANGE
I RINA PRATIKSHIT GUPTA ALIAS RINA BARANWAL W/O-PRATIKSHIT GUPTA R/O-1920 SECTOR-6 BAHADURGARH DISTT JHAJJAR HARYANA-124507 HAVE CHANGED MY NAME TO-RINA KUMARI BARANWAL

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Prem Lal Singh S/o Mr. Kishun Dev Singh is the owner and in possession of a Freehold Residential built-up Property bearing No. C-301/A, area measuring 25 Sq. Yds. i.e. 20.90 Sq. Mtrs., Out of Khasra No 823 & 824, situated at Village Ghonda Gujran Khadar, in the abadi of Gali No. 5, C-Block, Usman Pur Illaqa Shahdara, Delhi - 110053. Our client acquired the said property by virtue of a Regd. GPA with ATS & Will dated 04.09.2017, duly registered as Document No. 1437, in Book No. 4, Volume No. 11131, on pages 1-5, with the Sub-Registrar Office of SR IV Seelampur, Delhi/New Delhi. In the chain of documents, (1) Death Certificate of Mrs. Gulab Rani Yadav alias Gulab Devi W/o Late Mr. Babu Lal (2 Probate Order of Regd. Will dated 07.04.2014, are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mrs. Suman W/o Mr. Sunil the said property is presently financed / mortgaged with DMI, Housing Finance Pvt. Ltd., Branch: Prashant Vihar, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MR. BHANWAR PAL S/O MR. CHHITAR SINGH R/O D-46, OM VIHAR, PHASE-5, GALI NO. 08, UTTAM NAGAR, DELHI-110059 IS OWNER AND IN POSSESSION OF "Property bearing No. 55-A, area measuring 54.3 sq. yds., out of Khasra No. 68/5, situated in the revenue estate of village Hastsal, abadi known as Colony as Hastsal Vihar, Uttam Nagar, New Delhi (SAID PROPERTY)" AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE GPA (Notarized), ATS (Notarized) and Will dated 26.08.2010 executed by Mr. Kanhi Ram and Mrs. Shanti Devi. NOW MRS. GULABO DEVI W/O MR. RAMPHOOL, R/O DAALYAN, SANGHI (83), ROHTAK, HARYANA IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. BHANWAR PAL, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Sumit Gupta S/o Mr. Ramavtar Gupta is the owner and in possession of a Freehold Commercial Entire Ground Floor, without Roof/Rights, Part of property bearing No. XV/3245 (New), area measuring 100 Sq. Yards situated at Bagichi Habib Bux, Paharganj, New Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 29.06.2026, Vide Doc No. 2026/24/I/6319, Book No. 1, Vol No. 23854, Page No. 1-34, at SR- Central Asaf Ali (III, New Delhi)., in the chain documents below mentioned document not available i.e., (1) SMC of Late Mr. Kishori Lal, (2) SMC of Late Mrs. Richpali D/o Mr. Kishori Lal, (3) SMC of Late Mr. Chander Prakash, (4) SMC of Late Mr. Anand Kumar, (5) SMC of Late Mr. Vicky S/o Mr. Rajender Kumar Babu, (6) SMC of Late Mrs. Bala W/o Mr. Rajender Kumar Babu Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Narela New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, Prashant S/o Jagdish Prasad R/o C-121/27, Gali No-3, Mohalla Sahid Bhagat Singh, New Usmanpur, Shastri Park, Delhi - 110053, hereby undertake that I, Prashant want to change my name to Simran and Gender as FEMALE

NAME CHANGE
I,SNEH LATA W/o AKASH R/o Ward No.12, Near Shiv Colony, Hathin, Haryana-121103, have changed my name to PRIYANKA permanently

NAME CHANGE
I,hitherto known as NBABALI alias NAWAB ALI S/o AJIMU DIEN R/o B-18, Main, DBS School, ShalimarGarden, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as NAWAB ALI.

NAME CHANGE
I,hitherto Known as TARIQ SIDDIQUI S/O MOHAMMAD IDRIS R/O House No-C-402, Nirala Eden Park, Ahinsa Khand-2, Near Delhi Public school, Indrapuram, Shipra Sun City, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD TARIQ.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, APARAJITA RAI, D/o DR. AJAY KUMAR SINHA, permanent resident of Flat No-91 GF, Ashiana Greens, Ahinsa Khand 2nd, Indirapuram, Ghaziabad, PIN: 201014, Uttar Pradesh, India, declare that my father has expired on July 1, 2008. Further, my mother, Sujata Rai remarried with DHINENDER LOHMOR, S/o Omprakash Lohmor, resident of House No-E-50 Sector 20, Noida, Gautam Budh Nagar, PIN: 201301, Uttar Pradesh, India, vide marriage certificate dated March 5, 2014 issued by Registrar, Hindu Marriages, Sub-District G.B Nagar, Uttar Pradesh, India. Henceforth, I have changed my name from APARAJITA RAI to APARAJITA LOHMOR and also the name of my father to be known as DHINENDER LOHMOR in future for all purposes. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection
APARAJITA RAI

छोटे व्यापारियों की समस्याओं को लेकर केन्द्रीय मंत्री बी. एल. वर्मा से मिला FAIVM प्रतिनिधि मंडल

नई दिल्ली। देश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) और छोटे व्यापारियों के समक्ष व्यापार में आए दिन आ रही समस्याओं के समाधान के दृष्टिगत फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल(FAIVM) का एक प्रतिनिधि मंडल 6 जून को उपभोक्ता मामले, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री बी.एल.वर्मा से मिला । प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव एवं भारत सरकार के नेशनल ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के सदस्य ष्ट आर के गौर व फेडरेशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता व कोषाध्यक्ष CA राजेश्वर पैन्यूली के अलावा फेडरेशन के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सश गुरचरण सिंह राजू और प्रदेश महामंत्री राजीव शर्मा विशेष रूप से शामिल रहे । इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल द्वारा छोटे व्यापारियों के समक्ष आए दिन आ रही समस्याओं के समाधान हेतू मंत्री जी को एक ज्ञापन भी दिया गया । फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव आर के गौर ने इस अवसर पर कहा कि MSME भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं इसे मजबूत करने का हर संभव प्रयास होना चाहिए । क्योंकि इससे जुड़े छोटे बड़े व्यापारी रोजगार सृजन, विनिर्माण , निर्यात व देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। फेडरेशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेश्वर पैन्यूली ने मंत्री जी से मांग करी कि देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) और छोटे व्यापारियों के समक्ष आए दिन आने वाली समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए । जिससे कि वो बेखौफ होकर अपना व्यापार कर सकें इस मौके पर फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष गुरचरण सिंह राजू ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और उपभोक्ता आयोगों के कामकाज के तहत व्यापारियों के समक्ष नित रोज आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर कराया जाए। प्रदेश महामंत्री राजीव शर्मा ने इस मौके पर मंत्री जी को बताया कि आज भी उपभोक्ता मुकदमों से जुड़ी प्रक्रियात्मक और परिचालन संबंधी समस्याओं के कारण कई छोटे व्यापारियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। FAIVM मांग करता है कि सरकार कंज्यूमर और व्यापारियों दोनों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में शिक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें और संतुलित सुधारों की सिफारिश करने के लिए MSME, व्यापार निकायों, कंज्यूमर संगठनों और कानूनी विशेषज्ञों के प्रतिनिधियों वाली एक सलाहकार समिति बनाने पर विचार करें।

NAME CHANGE
I, Mona Joshi Singh W/O Gopesh Singh R/O B-9/6313, Vasant Kunj, South West Delhi-110070 Have Changed the Name to Mona Joshi for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as ANJU MEHRA W/O RAKESH MEHRA R/O D-995 New Friends Colony New Friends Colony S.O South Delhi-110025 have changed my name and shall hereafter be known as ANGELA MEHRA

NAME CHANGE
I,SANJEEV KUMAR GANDOTRA S/O JOGINDER NATH GANDOTRA R/O J-15 RAJOURI GARDEN DELHI-110027,HAVE CHANGED MY NAME TO SANJEEV GANDOTRA

NAME CHANGE
I,RAMNATH YADAV S/O SURAJ DEEN R/O PLOT NO -133/A BLOCK-E RAMA VIHAR MOHAMMAD PUR MAJRI DELHI-110081,HAVE CHANGED MY NAME TO RAM NATH

NAME CHANGE
I, JC-707390H, RANK-SUB/PHARM NAME-AJAY SINGH residing at VPO-BIRDHANA, BIR DHANA (108), JHAJJAR, HARYANA-124102, have changed my wife's name from MANISHA to MANISHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-707390H, RANK-SUB/PHARM NAME-AJAY SINGH legal father of PRIYANSI residing at- VPO-BIRDHANA, BIR DHANA (108), JHAJJAR, HARYANA-124102, have changed my minor daughter's name from PRIYANSI to PRIYANSHI for all future purposes vide affidavit dated 08/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAMESH CHANDRA S/o MADAN LAL, residing at RZ-87 Gali No-4B Panchshil Colony Mahavir Enclave Part-3 Uttam Nagar New Delhi 110059, declare that name of mine and father has been wrongly written as MADAN LAL alias BHADAEE alias BHADAEE LAL. The actual name of my father is MADAN LAL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I RAUT PRATIKSHA MANGESH is Legally wife of Army No. 2810199N, Rank Sep, Name - RAUT MANGESH GANGADHAR, At karajgaon, Post, Karajgaon Teh, Chandur Bazar, Dist, Amaravati, PIN 444809, State, Maharashtra, have changed my name from RAUT PRATIKSHA MANGESH to PRATIKSHA MANGESH RAUT, vide Affidavit Dated 08/07/2026 Before Notary Public Delhi

Name Correction
I MOHD AHMED S/O NAWABUDDIN Resident of House No D-560 STREET NO 1 CHAUHAN BANGER SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport mention My Father incorrect name is NABABUDDIN My Father Correct name NAWABUDDIN

NAME CHANGE
I, KM MAMTA W/o JAI PRAKASH, R/O 01-506, M V N ATHENS, SECTOR-05, SOHNA, GURGAON, HARYANA-122103, HAVE CHANGED MY NAME TO MAMTA PAINULI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
It is for general information that I MOHD ZAID SAIFI S/O NAJMUDDIN SAIFI R/O L-218, L-Block, Sunder Nagri, Mandoli, Nand Nagri, North East Delhi, Delhi-110093 declare that name of my father has been wrongly written as MOHD NIZAMUDDIN SAIFI in my 10th class educational documents. The actual name of my father is NAJMUDDIN SAIFI which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, hitherto known as VISHAL S/O THANGARAJ R/O T-313/17, 3RD FLOOR, BALJEET NAGAR, BALMIKI MANDIR, WEST PATEL NAGAR, DELHI-110008 have changed my name and shall hereafter be known as VISHAL THANGARAJ. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

Date of Birth Change
I SHARADA SHRAVAN CHAUDHARI legally mother of Army no - 2806251N Rank - NK, Name - CHOUDHARI KIRAN SHRAVAN, Presently Residing At - DORHALE Post- KORHALE, Teh - RAHATA, Dist - AHILYANAGAR, Pin - 423 107, State- MAHARASHTRA have changed my name from, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 09/09/1959 instead of my correct date of birth as 01/10/1960 vide affidavit dated 07/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MADHUBALA W/o Akshay Kumar Bhuttan R/o WZ-39, 3rd Floor, Plot No.48, Shyam Nagar Extn., Nr. Bansal Sweet, Vishnu Garden, Tilak Nagar, Delhi-110018, have changed my name from MADHUBALA to MADHU ARORA permanently

NAME CHANGE
I, AKASH S/o Radhe Shyam R/o Ward No.13, Near Bus Stand Road Shiv Colony, Hathin, Palwal, Haryana-121103, have changed my name to AKASH GUPTA permanently.

NAME CHANGE
I,PARSHANT KUMAR S/o Radhey Shyam Aggarwal R/o Ward No.12, Near Shiv Colony, Hathin, Haryana-121103, have changed my name to PARSHANT GUPTA permanently

NAME CHANGE
I,REET D/O AMAR SINGH R/O 16/341 E TANK ROAD BAPA NAGAR KAROL BAGH DELHI 110005, CHANGED MY NAME TO REET CHAUHAN.

NAME CHANGE
I,Shankar S/o Lakhi Chand R/o C-71, Sanjay Colony, Bhatti Mines, Delhi-110074 have changed my name to Sankar Lal for all future purposes.

NAME CHANGE
I Yogesh Kumar S/o Dharampal Singh R/o A 33 sanjay colony okhla phase 2 okhla industrial estate south Delhi 110020 Have changed My Name Yogesh For All Future Purpose

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री नफीस अहमद (आधार कार्ड संख्या- 2854 1981 3233) पुत्र स्वर्गीय श्री शौकत अली. तथा उनकी पत्नी श्रीमती नशरीन निवासी बी-140. जे.जे. कॉलोनी, फेज-3. द्वारका सेक्टर-3 दक्षिण-पश्चिम दिल्ली-110075 ने अपने दोनों पुत्रों- 1. मोहम्मद सोहेल अहमद 2. मोहम्मद शोएब अहमद को उनके गलत आचरण, दुर्व्यवहार, लड़ाई-झगड़े करने, पारिवारिक अनुशासन का पालन न करने तथा पूर्णत: नियंत्रण से बाहर हो जाने के कारण अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों से तत्काल प्रभाव से बेदखल कर दिया है तथा उनसे अपने सभी पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध समाप्त (विच्छेद) कर लिए हैं. उसके लिए मेरे मुवक्किल श्री नफीस अहमद उनकी पत्नी श्रीमती नशरीन उनके परिवार का कोई अन्य सदस्य अथवा कोई रिश्तेदार किसी भी प्रकार से उत्तरदायी जिम्मेदार अथवा जवाबदेह नहीं होगा।
आशीष श्रीवास्तव (अधिवक्ता)
Hall No-4 Seat No-9,
DWARKA COURT, LAWYERS CHAMBER DWARKA, NEW DELHI
M.No-9598282828,
7838270595

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती भव्य जैन और श्री ऋषभ जैन ने शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक से संपत्ति संख्या 11-ए के ऊपरी भूतल, पीछे की ओर स्थित पूर्वी हिस्से (छत का अधिकार रहित) को खरीदने के लिए गृह ऋण हेतु आवेदन किया है।100 वर्ग मीटर का क्षेत्रफल ग्राम खुरेजी खास के क्षेत्र में राधे पुरी की आबादी, इलाका शाहदरा दिल्ली -110051, श्रीमती शुद्धि खन्ना पत्नी अमन खन्ना से स्थित है। संपत्ति की सीमा इस प्रकार है-
पूर्व- सड़क 16 फीट चौड़ी कुमार.
पश्चिम- संपत्ति का हिस्सा
उत्तर- दूसरों की संपत्ति
दक्षिण- दूसरों की संपत्ति
दिनांक 22.08.2024 को रिक्की कपूर, पुत्र स्वर्गीय कृष्णलाल कपूर द्वारा श्रीमती निशी, पत्नी मनोज कुमार शर्मा के पक्ष में उक्त संपत्ति के संबंध में निष्पादित मूल विक्रय विलेख, जिसका दस्तावेज संख्या 2024/4/I/8383, पुस्तक 1, खंड संख्या 11559, पृष्ठ 105 से 126, दिनांक 23.08.2024 है और जो उप-पंजीयक VIII, गीता कॉलोनी, दिल्ली के कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है, खो गया है/गलत जगह पर रख दिया गया है। गहन खोजबीन के बावजूद, मूल विक्रय विलेख का पता नहीं चल सका। पुलिस में शिकायत/जीडी संख्या 427853 दिनांक 07.07.2026 भी दर्ज कराई गई है। कोई भी व्यक्ति जिसे उक्त मूल विक्रय विलेख प्राप्त हो या जिसका उस पर कोई दावा, अधिकार, हक, हित, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक या कोई अन्य आपत्ति हो, वह इस संबंध में कार्रवाई कर सकता है। उक्त संपत्ति के संबंध में, संबंधित पक्षों से अनुरोध है कि वे सहायक दस्तावेजों सहित लिखित रूप में इसकी सूचना दें। कृपया अधोहस्ताक्षरी को या शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक नोएडा शाखा को, दिनांक से 7 दिनों के भीतर भुगतान करें। इस सूचना के प्रकाशन के संबंध में। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो यह मान लिया जाएगा कि संपत्ति का स्वामित्व स्पष्ट और बिक्री योग्य है, और बैंक ऋण प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगा।
प्रशांत कुमार एडवोकेट
पीएसआर लॉ फर्म।
कार्यालय - आरटीबी-162, रॉयल टावर, इंदिरापुरम, गाजियाबाद -201014
मोबाइल नंबर - 9999691983.
ई-मेल- psrlaww®wy@gmail.com

NAME CHANGE
I, SHAMIM MOHAMMAD SIDDIQUI S/O Gulam Haider Siddiqui R/o N-24 EXTN., N- Extension Block, Between D.K Road and Gurudwara Road, Mohan Garden,Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to SHAMEEM AHMAD SIDDIQUI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Mukesh S/O Ram Barose R/O E- 405 ,Shastri Market Nanak Pura South Moti Bagh South West Delhi Delhi 110021, have changed my name and shall hereafter be known as Dinu.

NAME CHANGE
I, SUSHEELA VISHVAKARMA wife of No.-15417021M, Rank-HAV, Name-RAVI SHANKAR VISHVAKARMA residing at VPO-TIKATH KALA, TEHSIL-CHURHAT, DIST-SIDHI, MADHYA PRADESH-486771, have changed my name from SUSHEELA VISHVAKARMA to SUSHILA VISHWAKARMA for all future purposes vide Affidavit dated 08/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NAVNEET BHATIA daughter of Army No. 13909733, Rank- EX-HAV, Name-Late SATYA PAUL SINGH BHATIA resident of H NO-23/80B, GROUND FLOOR, NEAR BSES OFFICE, TILAK NAGAR, DELHI-110018, have changed my name from NAVNEET BHATIA to NAVNEET KAUR BHATIA vide affidavit dated 08/07/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I,SANDEEP VISHWAKARMA S/O RAMLOOT VISHWAKARMA, R/O House No-22, Gali No-22, Sadarpur Colony , Sec-45, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed the name of my minor son KARSH aged 14 years and he shall hereafter be known as KARAN VISHWAKARMA.

NAME CHANGE
I SAJID S/O ATEEQ AHMAD R/O H NO-237-A GALI NO-3 MOONGA NAGAR KARAWAL NAGAR DELHI-110094 have changed my name to SAJID AHMAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I NAZIA FAROOQ W/O SAJID AHMAD R/O H NO-237-A GALI NO-3 MOONGA NAGAR KARAWAL NAGAR DELHI-110094 have changed my name to NAZIA ANSARI for all future purpose.

Date of Birth Change
I MAHANANDA Is Legally Mother Of Army No. 2810199n, Rank Sep, Name - RAUT MANGESH GANGADHAR, Presently Residing, At karajgaon, Post, Karajgaon Teh, Chandur Bazar, Dist, Amaravati, PIN 444809, State, Maharashtra, In My Son's Service Record My Date Of Birth Wrongly Mentioned As 03/05/1952 Instead Of My Correct Date Of Birth As 01/01/1957 Vide Affidavit Dated 08/07/2026 Before Notary Public Delhi

LOST AND FOUND
It is to notified for the information that my Original Qualifying Examination Mark Sheet and CERTIFICATE of SECONDARY EXAMINATION (10TH CLASS) in the year 1978 Roll No:-26174 and SENIOR SECONDARY EXAMINATION (12TH CLASS) in the year 1980 Roll No:- 14501 issued by Board of High School and Intermediate Education uttar Pradesh (u.p. board) has been actually lost. Name of the candidate INAYAT HUSSAIN S/O DILAWAR KHAN Address:- RZ-2073, GALI NO-23, TUGHLAKABAD EXTENTION, KALKAJI, SOUTH DELHI, DELHI-110019. Mob:- 9910974036.

NAME CHANGE
I, Neha Arun Kumar D/O Arun Kumar R/O Flat No 2005, Tower 1, Purvanchal Royal City, Greater Noida , Chi V, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh -201310 Have Changed My Name to Neha Kumar for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Neera Arun Kumar W/O Arun Kumar R/O Flat No 2005, Tower 1, Purvanchal Royal City, Greater Noida , Chi V, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh -201310 Have Changed My Name to Neera Prakash Choudhry for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Mahipal Singh alias Mahipal Singh Rawat S/O Shyam Singh Rawat, R/O 74, BHAVISHYA NIDHI ENCLAVE, Malviya Nagar S.O, South Delhi, Delhi, 110017, have changed my name and shall hereafter be known as MAHIPAL SINGH RAWAT.

NAME CHANGE
I, MORALE SHOURYA SANTOSH son of No.-17021874A, Rank-CFN AUTO TECH (B VEH), Name-MORALE SANTOSH BALBHIM unit- LRW, 12 RAPID SIG REGT (AREN) residing at VILL-DAHIPHAL (WAD), PO-DAHIPHAL (WAD), TEHSIL-KAIJ, DIST-BEED, MAHARASHTRA-431123, have changed my name from MORALE SHOURYA SANTOSH to SHOURYA SANTOSH MORALE for all future purposes vide Affidavit dated 03/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I ABDUL LAYIK S/0 Abdul Rashid R/0 F -80 3rd Floor Gali No 10 West Jawahar Park Laxmi Nagar Shakar Pur Delhi 110092 Changed my name to ABDUL LAIK

NAME CHANGE
I, "GURIYA" is legally Spouse of Army No.-14840562X Havildar (MT) Ramesh Prasad Sahu resident of Vill-Rangouli, Tehsil-Sirmour, District-Rewa, State-Madhya Pradesh, PIN-486445, have changed my name from "GURIYA" to "GURIYA SAHU" for all future purposes vide Affidavit No. IN-DL48982184959874Y dated 08/07/2026 before Notary Public, Delhi.

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, तिरुवल्लूर के समक्ष निष्पादन
आवेदन सं. 22/2026 में उपभोक्ता वाद सं. 142/2025
श्री अरविंदर पाल, पुत्र श्री अमरिक चंद,
फ्लैट नं. 102, ब्लॉक-ई, मंगलम मून लाइट अपार्टमेंट, हॉस्पिटल रोड, स्टेड फोर्ड हॉस्पिटल के सामने, तिरुमुल्लेवोयल, चेन्नई - 600062...... **डिक्रीधारक आवेदक**
बनाम
1. प्रबंधक, अमेज़न सेलर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से, नं. 26/1, 8वीं मंजिल, ब्रिगेड गेटवे, डॉ. राजकुमार रोड, मल्लेश्वरम (पश्चिम), बेंगलुरु - 560055.
2.प्रबंधक, एमएमटी ग्लोबल, अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से, नं. 272, पटपड़गंज इंडस्ट्रियल एरिया, आनंद विहार के निकट, नई दिल्ली-110092............................**निर्णय ऋणीगण/प्रतिवादी**
द्वितीय निर्णय ऋणी के नाम सूचना
चूँकि उपर्युक्त निष्पादन आवेदन डिक्रीधारक द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 71 एवं 72 के अंतर्गत माननीय जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, तिरुवल्लूर द्वारा उपभोक्ता वाद सं. 142/2025 में दिनांक 27.04.2026 को पारित आदेश के निष्पादन हेतु प्रस्तुत किया गया है। और चूँकि द्वितीय निर्णय ऋणी, अर्थात् एमएमटी ग्लोबल, को उपर्युक्त पते पर भेजी गई समन सूचनाएँ तामील नहीं हो सकीं तथा माननीय आयोग ने समाचार पत्र में प्रकाशन के माध्यम से प्रतिस्थापित तामील (Substituted Service) करने का आदेश पारित किया है।
अतः द्वितीय निर्णय ऋणी, अर्थात् एमएमटी ग्लोबल, अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से, को निर्देशित किया जाता है कि वह दिनांक 29.07.2026 को प्रातः 10:30 बजे (या माननीय आयोग द्वारा निर्धारित किसी अन्य तिथि को) जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, तिरुवल्लूर के समक्ष स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो। अन्यथा उक्त निष्पादन आवेदन पर विधि के अनुसार द्वितीय निर्णय ऋणी के विरुद्ध एकपक्षीय (Ex Parte) रूप से सुनवाई एवं निर्णय किया जाएगा। माननीय जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, तिरुवल्लूर के आदेशानुसार।
डिक्रीधारक के अधिवक्ता
R.HARIRAMKRISHANAN, MCA, LLB (Advocate)
Plot No.4, Narasimapuram Kakkalur Vill. & Post
Tiruvallur Tk. & Dist-602003
Cell: 9361911459

NAME CHANGE
I, hitherto known as J P GAUTAM S/O RAMSWAROOP R/O 364, Dado, Aligarh, Uttar Pradesh-202133, have changed my name and shall hereafter be known as JAYPRAKASH

NAME CHANGE
I, ANIL KUMAR S/O SHYORAJ R/O House No. 43, Madhogarh Gurauli, PO: Garauli, District Bulandshahr, Uttar Pradesh-202394, have changed the name of my minor son ABHI GUJJAR aged 15 years and he shall hereafter be known as ABHINABH

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री मिथलेश कुमार एवं श्रीमती सरिता देवी, श्रीमती शालिनी शर्मा से संपत्ति संख्या प्लॉट नं. 456/3/4, नया नं. 70/2/6, नियर वाटर टैंक, जेकबपुर, गुरुग्राम, हरियाणा-122001 खरीदने का प्रस्ताव रखते हैं, उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री शशि भूषण थे, जिन्होंने उक्त संपत्ति का स्वामित्व Assessment Register के माध्यम से प्राप्त किया था। तत्पश्चात सिविल वाद संख्या 588 दिनांक 22.10.1994 के माध्यम से उक्त संपत्ति (मकान संख्या 456/4 में विभाजित हिस्सों) के संबंध में श्री प्रभु दयाल शर्मा, श्री कृष्ण गोपाल शर्मा, श्री सत्य प्रकाश शर्मा, श्रीमती जया देवी शर्मा एवं श्री शक्ति राज शर्मा के पक्ष में अधिकार स्थापित हुए, इसके उपरांत, दिनांक 12.04.2004 की वसीयत द्वारा श्री प्रभु दयाल शर्मा ने मकान संख्या 26, गली नं. 4, वेस्ट राजीव नगर, गुरुग्राम तथा प्लॉट नं. 456/3/4 (नगरपालिका समिति नं. 70/2/6), जेकबपुरा, गुरुग्राम श्री राकेश शर्मा के पक्ष में वसीयत की। उक्त वसीयत दस्तावेज संख्या 20, पुस्तक संख्या 3, दिनांक 12.04.2004, उप-पंजीयक, गुरुग्राम के कार्यालय में पंजीकृत है, इसके पश्चात, हस्तांतरण विलेख दिनांक 07.08.2024 के माध्यम से श्री राकेश शर्मा ने उक्त संपत्ति, अर्थात् प्लॉट नं. 456/3/4, नया नं. 70/2/6, क्षेत्रफल 78 वर्ग गज, श्रीमती शालिनी शर्मा के पक्ष में हस्तांतरित की। उक्त हस्तांतरण विलेख दस्तावेज संख्या 5658, पुस्तक संख्या 1, दिनांक 07.08.2024, उप-पंजीयक/छ्रह्न, गुरुग्राम के कार्यालय में पंजीकृत है, उपरोक्त दस्तावेजों के आधार पर श्रीमती शालिनी शर्मा ने उक्त संपत्ति पर वैध एवं विधिसम्मत स्वामित्व प्राप्त किया है तथा वर्तमान में वह उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण एवं वास्तविक कब्जे में हैं। मेरे परीक्षण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों एवं उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के बंधक, प्रभार, ग्रहणाधिकार, कुर्की, अधिग्रहण, न्यायालयीन वाद-विवाद, तृतीय पक्ष के दावे अथवा अन्य किसी प्रकार के भार से मुक्त प्रतीत होती है, मेरे मुवक्किल उक्त संपत्ति को श्रीमती शालिनी शर्मा से क्रय करने का प्रस्ताव रखते हैं तथा इस प्रस्तावित क्रय हेतु वित्तीय सहायता RBL Bank Limited, बिल्डिंग नं. 1, प्रथम तल, मोदी मिल कम्पाउंड, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जानी प्रस्तावित है, अत: यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा पक्ष का उक्त संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, बंधक, प्रभार, उत्तराधिकार, न्यायालयीन विवाद या अन्य कोई आपत्ति हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर समस्त मूल दस्तावेजों एवं प्रमाणों सहित अधोहस्ताक्षरी अथवा RBL Bank Limited के समक्ष अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत करे / सभी प्रासंगिक दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के भीतर कोई दावा या आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार या दावा नहीं है, और मेरे मुवक्किल बिना किसी अतिरिक्त सूचना के उक्त संपत्ति का क्रय-विक्रय लेन-देन पूर्ण करने के लिए स्वतंत्र होंगे। तत्पश्चात प्राप्त किसी भी दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राकेश उर्फ जितेन्द्र पुत्र** राधे श्याम, **निवासी** कोटली बगीची, हनुमान गली, तहसील–कलस्टटी, थाना–सदर, जिला–आगरा (उ.प्र.), ने **FIR No. 221/23, U/S 354/380/411/506/34 IPC, पुलिस स्टेशन विकासपुरी, पश्चिम जिला, नई दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश उर्फ जितेन्द्र** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश उर्फ जितेन्द्र** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 221/23, U/S 354/380/411/506/34 IPC, पुलिस स्टेशन विकासपुरी, पश्चिम जिला, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **राकेश उर्फ जितेन्द्र** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.08.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।
आदेशानुसार
श्री विनोद कुमार
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05, दक्षिण–पश्चिम जिला, कोर्ट नं0 09, द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली
DP/9313/WD/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

जींद से 17 जुलाई देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे पीएम मोदी : डा. मिड्ढा

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि आगामी 17 जुलाई का दिन हरियाणा के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जींद आ रहे हैं, जहां वे भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन और हाइड्रोजन गैस प्लांट का उद्घाटन करेंगे। वहीं भिवानी एवं नारनौल मेडिकल कालेज का लोकार्पण किया जाएगा। इससे दक्षिण हरियाणा में स्वासथ्य सेवाएं मजबूत होंगी। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इसी दिन अंबाला-काला अंब ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे (लगभग 40 किमी) का शिलान्यास और कई राष्ट्रीय राजमार्गों का उद्घाटन होगा। कुरूक्षेत्र में सिख संग्रहालय का शिलान्यास किया जाएगा। इन परियोजनाओं से औद्योगिक विकास, बेहतर यातायात, रोजगार के नए अवसर और क्षेत्रीय समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि आठ जुलाई बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी जींद आ रहे हैं और जींद जंक्शन तथा रैली स्थल का दौरा करेंगे। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि प्रधानमंत्री के समक्ष सर्कल की डीपीआर व एक नेशनल लेवल के स्टेडियम की मांग करेंगे। रैली को पूरी तरह इको फ्रेंडली बनाने पर जोर देते हुए कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि पर्यावरण प्रदूषण को कम किया जाए।

प्रधानमंत्री के जनसभा स्थल का डीसी व एसपी ने किया निरीक्षण

जींद। आगामी 17 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित जनसभा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। डीसी डा. वैशाली शर्मा व पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने प्रस्तावित जनसभा स्थल तथा आसपास के क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम सत्यवान सिंह मान, डीएमसी अनिल दून, सीटीएम मोनिका रानी, जीएम रोडवेज राहुल जैन समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान डीसी डा. वैशाली शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी गंभीरता एवं समन्वय के साथ कार्य कर रहा है। सभी विभाग आपसी तालमेल बनाकर अपनी जिम्मेदारियों का समयबद्ध तरीके से निर्वहन करना सुनिश्चित करें ताकि कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया जा सके। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ लगते ड्रेनेज सिस्टम की सफाई एवं मरम्मतए स्ट्रीट लाइटों को सुचारू रूप से चालू कराने तथा स्पीड ब्रेकरों की आवश्यक मरम्मत एवं पेंटिंग का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सड़क किनारे उगी झाड़ियों की सफाई, जलभराव वाले स्थानों का तत्काल समाधान, मार्गों की साफ.-सफाई तथा सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान देने को कहा।

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं होंगी मजबूत

चंडीगढ़। हरियाणा के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं स्थानीय शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल की अध्यक्षता में आयोजित विभागीय हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 26 नए वाहनों की खरीद को मंजूरी प्रदान की गई। इन वाहनों को विभिन्न जिलों में तैनात किया जाएगा, जिससे आगजनी एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिकों को अधिक त्वरित एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके। बैठक में बताया गया कि खरीदे जाने वाले वाहनों में यूटिलिटी व्हीकल, रिकवरी वैन तथा कमांड एंड कंट्रोल व्हीकल शामिल हैं। इनकी खरीद पर 2 करोड़ 91 लाख 71 हजार रुपये की लागत आएगी तथा इन्हें दो माह के भीतर विभाग को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दी 340 करोड़ के विकास कार्यों एवं खरीद को मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति तथा हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी की बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित खरीद एवं विकास कार्यों के कुल 340 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। विभिन्न बोलीदाताओं के साथ विस्तृत बातचीत के बाद दरों का पुनर्निर्धारण कर लगभग 15.11 करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित हुई। बैठक में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा तथा लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा उपस्थित रहे। बैठक में हाई पॉवर्ड वर्क्स परचेज कमेटी के समक्ष कुल 10 एजेंडा रखे गए, जिनका कुल मूल्य 259.20 करोड़ रुपये था। इनमें से एक मामला स्थगित किए जाने के बाद शेष 9 एजेंडा प्रस्तावों का कुल मूल्य 225.76 करोड़ रुपये रहा। विभिन्न बोलीदाताओं के साथ सफल बातचीत के बाद इन प्रस्तावों का मूल्य 217.68 करोड़ रुपये तय किया गया, जिससे 8.08 करोड़ रुपये की बचत हुई। इसी प्रकार, उच्चाधिकार प्राप्त क्रय समिति की बैठक में कुल 5 एजेंडा रखे गए, जिनका कुल मूल्य 158 करोड़ रुपये था। इनमें से एक एजेंडा वापस लिए जाने के बाद शेष 4 प्रस्तावों का कुल मूल्य 130.19 करोड़ रुपये रहा। इन प्रस्तावों का संशोधित मूल्य 123.16 करोड़ रुपये तय हुआ, जिससे 7.03 करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित की गई।

हरियाणा में खेल संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल पदक जीतना नहीं है, बल्कि ऐसी सशक्त खेल संस्कृति का निर्माण करना है जहां प्रतिभा को अवसर मिले, परिश्रम को सम्मान मिले और प्रत्येक युवा को अपने सपनों को साकार करने का विश्वास प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि सरकार केवल पुरस्कार प्रदान नहीं कर रही, बल्कि विकसित भारत के लिए खेल शक्ति की मजबूत नींव तैयार कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, पंचकूला के ऑडिटोरियम सेक्टर-1 में राज्य के उत्कृष्ट खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित नकद पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम भी उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने राज्य के अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर की प्रमुख खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले व प्रतिभागिता करने वाले 198

खिलाड़ियों को 20.59 करोड़ रुपये की नकद ईनाम राशि देकर सम्मानित किया। इसमें विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं के 117 खिलाड़ियों को 13.75 करोड़ रुपये, पैरा एशियन खेल 2022 के 3 खिलाड़ियों को 2.32 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय स्तर के 78 खिलाड़ियों को 4.52 करोड़ रुपये की ईनाम राशि शामिल है। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग 12 वर्षों में प्रदेश के 16 हजार 984 खिलाड़ियों को 709 करोड़ रुपये की नकद पुरस्कार राशि दी गई है। आज की राशि जोड़कर यह लगभग 730 करोड़ रुपये बन जाती है। मुख्यमंत्री ने सम्मानित हुए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पदक जीतने का क्षण भले ही कुछ मिनटों का होता है, लेकिन उस क्षण तक पहुँचने की यात्रा वर्षों की तपस्या से होकर गुजरती है। उन्होंने कहा कि हमारे देश की मिट्टी ने ऐसे खिलाड़ी पैदा किए हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया को सिखाया कि हालात चाहे कितने भी कठिन हों, अगर इरादे बुलंद हों तो इतिहास बदला जा सकता है। उन्होंने मिल्खा सिंह जिन्हें फ्लाईंग सिख के नाम से भी जाना जाता है, मुरलीकांत पेटकर और मैरी कॉम का उदाहरण देते हुए कहा कि इन तीनों की जीवन-यात्रा हमें एक ही बात सिखाती है कि चुनौतियाँ हर किसी के जीवन में आती हैं।

447 करोड़ की लागत से तैयार ड्रीम प्रोजेक्ट एलिवेटिड रेलवे ट्रैक व स्टेशन 17 जुलाई को होगा जनता को समर्पित : सुभाष सुधा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि अब ड्रीम प्रोजेक्ट एलिवेटिड रेलवे ट्रैक व एलिवेटिड रेलवे स्टेशन पूरा होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जनता को समर्पित करने जा रहे हैं, जो शहर के विकास को तेज गति से बढ़ाने का काम किया जाएगा। करीब लगभग 447 करोड़ रुपए की लागत से तैयार रेलवे एलिवेटिड ट्रैक पर 9 जुलाई को ट्रायल किया जाएगा।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा अपने सेक्टर-7 आवास कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस रेलवे ट्रैक की लंबाई पिहोवा रोड से कुरुक्षेत्र ब्लॉक सेक्शन तक 5.9 किलोमीटर है, वायडक्ट की लंबाई 4.8 किलोमीटर है, इस ट्रैक में 213 पिल्लर बनाए गए हैं, थानेसर शहर में रुकने के लिए एक स्टेशन का निर्माण किया गया है, इस स्टेशन पर प्लेटफार्म की लेंथ 15.8 मीटर है। इस प्रोजेक्ट के लिए हरियाणा सरकार की तरफ से 206 करोड़ रुपए और मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे की तरफ से अन्य निर्माण कार्यों

सहित कुल 446.84 करोड़ रुपए की सेंक्शन रेलवे विभाग की तरफ से दी गई है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी की बजाए ड्रीम प्रोजेक्ट एलिवेटिड ट्रैक की मंजूरी देते हुए निर्माण कार्य की शुरुआत करवाई थी। इस प्रोजेक्ट को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने अथक प्रयासों से एलिवेटिड ट्रैक व स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा करवाया है।

प्रधानमंत्री ऑनलाइन प्रणाली से करेंगे ट्रैक का उद्घाटन व सिख संग्रहालय का शिलान्यास

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को जींद से ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से उनके ड्रीम प्रोजेक्ट रेलवे एलिवेटिड ट्रैक प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही उमरी में 5 एकड़ में लगभग 124 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले सिख संग्रहालय की आधारशिला भी रखेंगे। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में थानेसर के नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। सभी को सुबह 8 बजे पहुंचने का समय दिया गया है। ताकि प्रधानमंत्री ऑनलाइन प्रणाली से जुडक़र इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन कर सकें। इस कार्यक्रम में हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री श्याम सिंह राणा मौजूद रहेंगे।

शहरवासियों के साथ मिलकर थानेसर रेलवे स्टेशन पर मनाया जाएगा जश्न

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा के ड्रीम प्रोजेक्ट एलिवेटिड ट्रैक व स्टेशन के उद्घाटन के उपरांत शहरवासियों के साथ जश्न मनाया जाएगा। सबकी इच्छा है कि आकाश में रंग बिरंगी आतिशबाजी भी की जाए। इस कार्यक्रम में सभी नगर पार्षद और गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि थानेसर रेलवे स्टेशन को भव्य तरीके से तैयार किया है। यात्रियों की सभी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए एलिवेटिड रेलवे स्टेशन तैयार किया गया है।

गांवों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाना राज्य सरकार की प्रतिबद्धता : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार की ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महेंद्रगढ़ जिले के लिए कुल 13 स्वास्थ्य संस्थानों को मंजूरी दी है। इसके तहत जिले में 12 नए उप-स्वास्थ्य केंद्र (Sub-Health Centers) खोले जाएंगे, जबकि एक मौजूदा उप-स्वास्थ्य केंद्र को अपग्रेड कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) बनाया जाएगा। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, 'राज्य सरकार प्रदेश के हर नागरिक, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके घर के नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।' रामबास का स्वास्थ्य केंद्र होगा अपग्रेड स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि ग्रामीण आबादी को बेहतर इलाज और ओपीडी की सुविधाएं देने के लिए महेंद्रगढ़ जिले के गांव रामबास में स्थित उप-स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में अपग्रेड करने की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई है। इस अपग्रेडेशन से स्थानीय निवासियों को अब सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने महेंद्रगढ़ जिला के ही गांव छापड़ा सलीमपुर, कनीना, छीलरो, मुंडिया खेड़ा, भड़फ, मोरुण्ड , नायन, राय मलिकपुर, मुसनोता, चंदपुरा , नांगल नुनिया तथा गांव सेका में नया उपस्वास्थ्य केंद्र खोलने की मंजूरी दी है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि उक्त नए स्वास्थ्य केंद्रों के खुलने से महेंद्रगढ़ जिले के सुदूर गांवों में रहने वाले लोगों को प्राथमिक उपचार, टीकाकरण, मातृ-शिशु देखभाल और अन्य बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना होगा।

बाबू-बेटा ने हरियाणा में परिवारवाद, वंशवाद और क्षेत्रवाद को बढ़ावा दिया: डॉ. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने सोमवार को रोहतक की नई अनाज मंडी में आयोजित भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह में कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि हरियाणा किसानों, जवानों और खिलाड़ियों की धरती है, लेकिन कांग्रेस ने अपने शासनकाल में इन तीनों वर्गों के साथ हमेशा अन्याय और विश्वासघात किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वर्ष 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का पूरी तरह सफाया करना है तथा रोहतक जिले की चारों विधानसभा सीटों और लोकसभा सीट पर भाजपा का कमल खिलाना है। प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता का स्वागत कार्यक्रम मकड़ौली टोल प्लाजा से शुरू हुआ। वीटा चौक, जींद चौक, हिसार चौक और वाल्मीकि चौक सहित अनेक स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और जोरदार नारों के साथ उनका भव्य स्वागत किया। नई अनाज मंडी पहुंचने पर जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, पूर्व राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा सहित वरिष्ठ नेताओं ने पुष्पगुच्छ

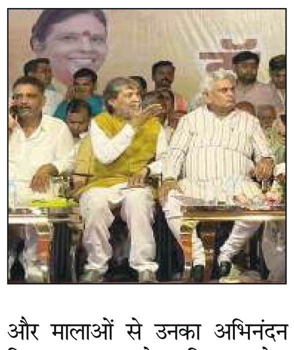

और मालाओं से उनका अभिनंदन किया। स्वागत से अभिभूत प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह सम्मान किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि भाजपा के प्रत्येक समर्पित कार्यकर्ता की मेहनत और संगठन की शक्ति का सम्मान है। कांग्रेस ने किसानों की जमीनें हड़पीं, किसान कभी नहीं भूलेंगे सभा को संबोधित करते हुए डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस शासन में किसानों की जमीनें अधिग्रहित कर विशेष लोगों को लाभ पहुंचाने का काम किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों के साथ छल और अन्याय करने वाली कांग्रेस को प्रदेश का किसान कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती और हरियाणा की जनता कांग्रेस की वास्तविकता को भलीभांति समझ चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस के ष्बाबू-बेटाष् मॉडल ने हरियाणा में परिवारवाद, वंशवाद और क्षेत्रवाद को बढ़ावा दिया। कांग्रेस शासन में भ्रष्टाचार चरम पर था और प्रदेश की पहचान विकास से अधिक घोटालों से जुड़ गई थी। इसके विपरीत भाजपा ने संगठन और सरकार दोनों में कार्यकर्ता आधारित राजनीति को मजबूत किया है। डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना को आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की पूरी स्वतंत्रता मिली। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के माध्यम से भारत ने दुश्मनों को उनके घर में घुसकर जवाब दिया, लेकिन कांग्रेस और राहुल गांधी ने सेना की वीरता पर सवाल उठाते हुए सबूत मांगे।

टावर ऑफ जस्टिस के लोकार्पण को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के अत्याधुनिक टावर ऑफ जस्टिस के आगामी 12 जुलाई को होने वाले भव्य लोकार्पण समारोह की तैयारियों को लेकर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सुरा तथा डीसी उत्तम सिंह ने आज आयोजन स्थल पर न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान समारोह से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात, पार्किंग, बैठक व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सहायता तथा अन्य आवश्यक प्रबंधों का भी जायजा लिया। बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सुरा ने कहा कि 12 जुलाई का यह समारोह गुरुग्राम की न्यायिक व्यवस्था के लिए ऐतिहासिक अवसर होगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि न्यायालय परिसर के भीतर सभी व्यवस्थाएं पूरी गरिमा, अनुशासन एवं प्रोटोकॉल के अनुरूप सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारियों, विशिष्ट अतिथियों, अधिवक्ताओं एवं आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में

रखते हुए प्रत्येक व्यवस्था का सूक्ष्म स्तर पर परीक्षण किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा में शेष तैयारियां पूर्ण करने तथा किसी भी प्रकार की कमी न रहने देने के निर्देश दिए। डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से समारोह के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि यातायात प्रबंधन, पार्किंग, सुरक्षा, अग्निशमन, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं को पूरी गंभीरता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विशिष्ट अतिथियों एवं आगंतुकों की उपस्थिति को देखते हुए प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से निर्वहन करे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश 12 जुलाई को तावडू व पुन्हाना में बनने वाले न्यायिक परिसरों का करेंगे शिलान्यास

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त अखिल पिलानी की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 12 जुलाई को भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत के उपमंडल तावडू में दौरे तथा उपमंडल तावडू व पुन्हाना में बनने वाले नए न्यायिक परिसरों के शिलान्यास समारोह की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ड्यूटियां एवं जिम्मेदारियां निर्धारित करते हुए निर्देश दिए कि सभी विभाग 11 जुलाई तक अपनी समस्त तैयारियां एवं आवश्यक प्रबंध हर हाल में पूर्ण कर लें, ताकि कार्यक्रम गरिमापूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि तावडू एवं पुन्हाना में आधुनिक न्यायिक परिसरों का निर्माण जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इन परिसरों के निर्माण से न्यायिक अवसंरचना और अधिक सुदृढ़ होगी तथा क्षेत्र के नागरिकों को न्यायिक सेवाएं अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं सुगम रूप से उपलब्ध हो सकेंगी। आधुनिक सुविधाओं से युक्त न्यायिक परिसर न्यायिक कार्यों के बेहतर संचालन में सहायक सिद्ध

होंगे तथा आमजन को न्याय प्राप्त करने की प्रक्रिया और अधिक सुविधाजनक बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक एवं पुख्ता प्रबंध किए जाएं। पुलिस विभाग कार्यक्रम स्थल एवं उसके आसपास बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे। प्रवेश एवं निकास द्वारों पर सुरक्षा जांच, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था तथा विभिन्न स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि समारोह स्थल पर आमंत्रित अतिथियों, न्यायपालिका के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के लिए समुचित बैठक व्यवस्था की जाए। साथ ही पेयजल, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सा सहायता, स्वच्छता, अग्निशमन तथा अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

विशेष सघन पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करें सभी राजनीतिक दल : डीसी अनुपमा अंजली

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपमा अंजली ने लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) को लेकर सभी राजनीतिक दलों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) इस कार्य में सहयोग करें तथा 14 जुलाई तक गणना फॉर्म जमा करवाना सुनिश्चित करें। इस संबंध में नागरिकों की सहायता के लिए जिला स्तर पर टोल फ्री नंबर 01282-1950 भी चालू है। बैठक में उपायुक्त ने जिला महेंद्रगढ़ में चल रहे पुनरीक्षण कार्य की प्रगति रिपोर्ट साझा करते हुए बताया कि जिले में कुल 749607 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 392861 पुरुष और 356745 महिला मतदाता शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्र अनुसार अटेली में 206876, महेंद्रगढ़ में 213998, नारनौल में

159978 और नांगल चौधरी में 168755 मतदाता हैं। जिले में वर्तमान में कुल 772 पोलिंग स्टेशन हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले के सभी 772 बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म वितरण का कार्य कर चुके हैं। अब तक जिले में कुल 746763 इन्यूमेशन फॉर्म (ईएफ) बांटे जा चुके हैं, जो कि कुल लक्ष्य का 99.62 प्रतिशत है। इनमें से 549008 फॉर्म डिजिटाइज्ड किए जा चुके हैं और बीएलओ द्वारा 548054 फॉर्म सत्यापित भी हो चुके हैं। उपायुक्त ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध और त्रुटि रहित बनाने के लिए बीएलओ का पूरा सहयोग करें। नागरिक अपने फॉर्म भरकर जल्द से जल्द अपने क्षेत्र के बीएलओ को वापस सौंपें ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहे।

मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना प्रत्येक पात्र नागरिक की जिम्मेदारी: डीसी

एजेंसी

झज्जर। जिला भर में एसआईआर अभियान के अंतर्गत उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में स्वीप गतिविधियों का निरंतर आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में नागरिक अस्पताल, झज्जर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के प्रति जागरूक किया गया। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम दर्ज होना लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान को सफल बनाने के लिए सभी नागरिक सक्रिय सहयोग करें तथा बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराए गए गणना प्रपत्रों को सही प्रकार से भरकर तत्काल जमा करवाएं, ताकि उनका डिजिटाइजेशन किया जा सके। निर्वाचन उपतहसीलदार कुलदीप ने बताया कि प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मतदाता सूची में दर्ज विवरण का सत्यापन अवश्य करे

तथा आवश्यकता होने पर नाम जोडने, संशोधन अथवा अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूरी कराए। साथ ही युवाओं एवं आमजन को भी इस अभियान के प्रति जागरूक किया जाए। सिविल सर्जन डॉ. मंजू कादयान ने बताया कि नागरिक अस्पताल झज्जर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उपचार के लिए आए नागरिकों को एसआईआर अभियान के उद्देश्य, महत्व तथा मतदाता सूची में नाम जोडने, संशोधन कराने एवं अन्य निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु पूर्ण कर चुके सभी पात्र नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज करवाएं तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इस अभियान के प्रति जागरूक करें।

जब सरकार ही मिलावटी तेल बेचेगी तो मिलावटखोरों पर कार्रवाई कौन करेगा : दीपेन्द्र हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने केंद्र सरकार की ई-20 इथेनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी का विरोध करते हुए कहा कि जब सरकार ही मिलावटी तेल बेचेगी तो मिलावटखोरों पर कार्रवाई कौन करेगा। बीजेपी सरकार देश भर में महंगा और मिलावटी तेल बेचकर आम जनता की जेब काट रही है और कॉरपोरेट, इथेनॉल लॉबी को फायदा पहुंचा रही है। उन्होंने तुरंत इस पॉलिसी को रद्द करने की मांग करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल सस्ता होने के बावजूद लोग पहले ही महंगे पेट्रोलियम उत्पादों से परेशान थे और अब मिलावटी पेट्रोल से उनके वाहन कबाड़ में बदल रहे हैं। उन्होंने मांग करी कि ई 20 नीति के सभी तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभावों पर स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। माइलेज, इंजन प्रदर्शन और रखरखाव लागत पर वास्तविक आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं। जिन वाहनों पर ई 20 का प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, उनके मालिकों के लिए स्पष्ट सुरक्षा और मुआवजा नीति बनाई जाए। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार ने पहले नोटबंदी, जीएसटी और महंगाई के जरिए जनता को परेशान किया और अब ई 20 के माध्यम से लोगों की गाड़ियों तक को प्रयोगशाला बना दिया है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार आखिर किसके हितों की रक्षा कर रही है? उन्होंने आगे कहा कि सामान्य पेट्रोल के मुकाबले एथेनॉल ब्लेंडेड ई 20 पेट्रोल में हाइड्रोक्सिल ग्रुप होता है, जो हवा या आसपास की नमी (हाइग्रोस्कोपिक नेचर) को बहुत तेजी से सोखता है। यही कारण है कि पेट्रोल टैंकों और पाइपलाइनों में जंग लगने का खतरा भी बढ़ रहा है, जिससे गाड़ियों के इंजन खराब होने की शिकायतें लगातार आ रही हैं। भारत में 20फीसदी एथेनॉल और 80फीसदी पेट्रोल के इस मिश्रण की बिक्री होने से 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं।

अब एफपीआई फीस का भुगतान अमेरिकी डॉलर नहीं भारतीय रुपए में होगा

-यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों पर लागू होगा

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नियमों में बदलाव करते हुए शुल्क भुगतान की व्यवस्था को अमेरिकी डॉलर की जगह भारतीय रुपए में कर दिया है। यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों दोनों पर लागू होगा। नए नियम छह महीने बाद प्रभावी होंगे, ताकि विदेशी निवेशकों को नई व्यवस्था अपनाने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। अधिसूचना के मुताबिक एफपीआई नियमों में 1,000 अमेरिकी डॉलर की जगह अब 90,000 रुपए शुल्क तय किया गया है। सेबी ने कैटेगरी-1 एफपीआई और एफवीसीआई के रजिस्ट्रेशन शुल्क को 2,500 डॉलर से बदलकर 2.3 लाख रुपए कर दिया है। इसी तरह देरी से भुगतान और कंटिन्यूएंस फीस में भी संशोधन किया है। भारत में एफपीआई के लेनदेन संभालने वाले डिजिग्नेटेड डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स को रजिस्ट्रेशन मिलने के पांच कार्य दिवस के अंदर यह शुल्क सेबी को जमा कराना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक कम्प्लायंस और ऑपरेशंस को आसान बनाने के लिए एफपीआई रजिस्ट्रेशन के कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म में अब जन्म तिथि या कंपनी के गठन की तिथि भी शामिल की जाएगी। इसका मकसद मार्च में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा जारी नई अधिसूचना के बाद पेन आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाना है। सेबी को वित्त वर्ष 2025-26 में एफपीआई और एफवीसीआई से रजिस्ट्रेशन, कंटिन्यूएंस और अन्य शुल्क के रूप में 1.298 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। इस राशि में जीएसटी भी शामिल है। सेबी ने कहा कि डॉलर में शुल्क लेने के कारण मैनुअल अकाउंटिंग, इनवॉइसिंग और रियल-टाइम अकाउंटिंग में दिक्कतें आती थीं। इससे वित्तीय रिपोर्टिंग में भी देरी होती थी। नई व्यवस्था से इन समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी। सेबी ने कस्टोडियन द्वारा दिए जाने वाले शुल्क की व्यवस्था भी बदल दी है। अब उन्हें सालाना 10 लाख रुपए की जगह हर महीने 85,000 रुपए शुल्क देना होगा। सेबी ने म्युचुअल फंड नियमों में इंट्रा-डे उधारी से जुड़े बदलावों को भी अधिसूचित किया है। नए नियमों के तहत म्युचुअल फंड अब पे-इन और पे-आउट सेटलमेंट के समय के अंतर, एसेट क्लास के भीतर लेनदेन, फॉरेक्स सेटलमेंट और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए इंट्रा-डे उधार ले सकेंगे। यह सुविधा पहले से उपलब्ध उस व्यवस्था के अतिरिक्त होगी, जिसके तहत म्युचुअल फंड योजनाएं यूनिटधारकों को भुगतान के लिए अपनी नेट एसेट्स के 20फीसदी तक कर्ज ले सकती हैं। सेबी ने साफ कहा है कि एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिन खत्म होने से पहले यह उधार चुकाना होगा। अगर ऐसा नहीं होता, तो उसे म्युचुअल फंड नियमों के मुताबिक ओवरनाइट उधारी माना जाएगा।

मोबाइल रिचार्ज में भारी बढ़ोतरी तय, जेब पर पड़ेगा सीधा असर

रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक मंहगे हो सकते

मुंबई।

भारतीय मोबाइल उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगने वाला है। जल्द ही आपके मासिक या वार्षिक रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक महंगे हो सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर सीधा बोझ पड़ेगा। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया अपने औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में सुधार लाने और 5जी नेटवर्क पर किए बड़े निवेश की भरपाई की तैयारी में हैं। पिछले टैरिफ बढ़ोतरी के झटके से उपभोक्ता अभी उबर भी नहीं सके थे कि यह दूसरी बड़ी वृद्धि सामने आने वाली है।टेलीकॉम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन से चार महीनों के भीतर यह बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बाजार में अब केवल 3+1 खिलाड़ी होने के कारण, कंपनियों के लिए कीमतें बढ़ाना आसान हो गया है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाली तिमाही में सभी निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों के एआरपीयू में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण ग्राहकों का 2जी से 4जी और 5जी नेटवर्क पर अपग्रेड होना, पोस्टपेड ग्राहकों की बढ़ती संख्या और डेटा उपयोग में लगातार वृद्धि है।रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने सब्सक्राइबर मार्केट शेयर में लगातार इजाफा कर रही हैं, जबकि दोनों ही कंपनियाँ देश के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों में 5जी सेवाएं शुरू कर चुकी हैं और अपने नेटवर्क में अधिक 5जी डिवाइस जोड़ने पर काम कर रही हैं। वोडाफोन आइडिया भी लगभग 100 शहरों में अपनी 5जी सेवा का विस्तार कर रहा है। डेटा के बढ़ते इस्तेमाल को देखकर टेलीकॉम कंपनियों को लगता है कि कीमतों में बढ़ोतरी का सही समय है।

होर्मुज में फिर तनाव से कच्चे तेल में लगी आग, दुनियाभर के शेयर बाजारों में हड़कंप

–क्रूड ऑयल अचानक 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी लेकर 76 डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली।

अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता बैठकों को लेकर आ रहे अपडेट्स के बीच दुनिया की 20 फीसदी तेल जरूरत को पूरा करने के लिए जरूरी होर्मुज स्ट्रेट फिर से तनाव की वजह बनता जा रहा है। वजह है अमेरिका का ईरान पर हमला। इन सबके बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में अचानक कच्चे तेल की कीमतों में उथल-पुथल मच गई है और दुनियाभर के शेयर बाजारों में भी हड़कंप मचा है, जो भारतीय शेयर बाजार के लिए निगेटिव संकेत दे रहे हैं। भारतीय स्टॉक मार्केट के लिए प्रमुख संकेतक माना जाने वाला गिफ्ट निफ्टी भी रेड जोन में ट्रेड कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गहराने लगा है। हॉर्मुज में तीन कॉमर्शियल जहाजों पर ईरान से मिसाइल अटैक के बाद अमेरिकी सेना ने पलटवार किया और ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार चल रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ये जबरदस्त हमले उन लोगों को भारी कीमत चुकाने पर मजबूर करेंगे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुद्री रूट में आम नागरिकों वाले कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाकर अटैक किया है। एक बयान में कहा गया कि ये ताजा स्ट्राइक ईरान द्वारा उन तीन कमर्शियल जहाजों पर किए गए हमलों के जवाब में हैं, जो होर्मुज से गुज़र रहे थे और ये सीजफायर का सीधा उल्लंघन था। ईरानी हमलों पर अमेरिकी स्ट्राइक के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक फिर से उछाल आ गया।

चालू माह में मिल रही अल्ट्रोज और टियागो पर विशेष छूट

नई दिल्ली ।

जुलाई महीने में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक अल्ट्रोज और टियागो पर आकर्षक छूट की घोषणा की है। अल्ट्रोज के रेसर वैरिएंट पर सबसे अधिक 55,000 रुपये तक का डिस्काउंट उपलब्ध है। इसके पेट्रोल और डीज़ल वैरिएंट्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 20,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस मिल रहा है।

वहीं, अल्ट्रोज सीएनजी मॉडल पर इन छूटों के साथ 20,000 रुपये का इंटरवेंशन ऑफर भी दिया जा रहा है। अल्ट्रोज की एक्स-शोरूम कीमतें 6.3 लाख रुपये से 10.65 लाख रुपये के बीच हैं, और यह कई इंजन विकल्पों व उन्नत सुरक्षा फीचर्स जैसे 6 एयरबैग और ईएससी के साथ आती है।

दूसरी ओर, टाटा मोटर्स प्री-फेसलिफ्ट टियागो के बचे हुए स्टॉक पर 35,000 रुपये तक की छूट दे रही है। एक्सई वैरिएंट को छोड़कर, टियागो के पेट्रोल और सीएनजी दोनों मॉडल्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 15,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस और 5,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर मिल रहा है।

बैंकों के लोन में तेजी और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद, जमा की रफ्तार धीमी

-कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर बढ़ सकता है 5 फीसदी

नई दिल्ली।

बैंकों का लोन तेजी से बढ़ रहा है और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन दूसरी तरफ जमा की रफ्तार अभी भी लोन के मुकाबले धीमी है। इसके अलावा ब्याज से होने वाली कमाई पर भी दबाव बना रह सकता है। खासकर प्राइवेट बैंकों में मार्जिन थोड़ा घटने की आशंका है। सरकारी बैंकों में भी कुछ दबाव रहेगा, हालांकि उनकी स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रह सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में उसके कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर करीब 5फीसदी बढ़ सकता है। हालांकि पिछली तिमाही के मुकाबले इसमें 8फीसदी की गिरावट आने का अनुमान है।रिपोर्ट के मुताबिक प्राइवेट बैंकों का मुनाफा सालाना आधार पर करीब 11फीसदी बढ़ सकता है। वहीं सरकारी बैंकों का मुनाफा करीब 2फीसदी घटने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि इसमें एक बड़ा कारण बैंक ऑफ बड़ौदा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूएई से जुड़े एक कानूनी मामले के निपटारे के लिए बैंक को करीब 5,700 करोड़ रुपए का एकमुश्त प्रावधान करना पड़ सकता है। अगर बैंक ऑफ बड़ौदा को अलग कर दें, तो बाकी सरकारी बैंकों का मुनाफा भी करीब 12फीसदी बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में बैंकों की लोन ग्रोथ मजबूत बनी रही। 15 जून तक आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में लोन 17.7फीसदी की दर से बढ़े, जबकि डिपॉजिट सिर्फ 12फीसदी बढ़े यानी बैंक तेजी से कर्ज दे रहे हैं, लेकिन उसी रफ्तार से उनके पास जमा नहीं बढ़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,677, निफ्टी 516 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिका के ईरान पर किये हमलों के बाद दुनिया भर के बाजारों में मची उथल-पुथल से बिकवाली हावी होने और कच्चे तेल की कीमतें फिर बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 1,677.12 टूटकर 76,503.60 पर खिसक गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 516.65 अंक की गिरावट के साथ ही 23,882.05 पर फिसल गया। इसके अलावा व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और स्मॉलकैप इंडेक्स में में भी काफी गिरावट दर्ज की गई। वहीं क्षेत्रवार देखें तो सभी प्रमुख सूचकांक गिरावट पर हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी बैंक का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पीएसयू बैंकों के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई, इसके अलावा निफ्टी बैंक , निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी) और निफ्टी मीडिया में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा,निफ्टी और निफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर में भी गिरावट रही।

निफ्टी के सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में जियो फाइनेंशियल, इंटरग्लोब एविएशन, श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी और एचयूएल शामिल रहे, जबकि ओएनजीसी और बजाज ऑटो, हिंडाल्को और कोल इंडिया के शेयर उछले।

इस बिकवाली में बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 8 लाख करोड़ से ज्यादा की गिरावट आई। गत दिवस बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों का बाजार मूल्यांकन 480.20 लाख करोड़ रुपए था, जो अब घटकर 471.44 करोड़ रुपए हो गया है। इस प्रकार एक ही दिन में निवेशकों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। गौरतलब है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम समाप्त हो गया है जिसके बाद से ही निवेशकों ने बाजार से दूरी बना ली है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 625 अंक फिसलकर 77,555.52 के निचले स्तर तक खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 गिरकर 24,207.20 के स्तर तक रहा।

तीन महीनों में खत्म होगी 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन

–जिन शेयरों के लॉक–इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली।

नुवामा इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषण के मुताबिक जुलाई से सितंबर के बीच कुल 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन हटाए जाने हैं, जिन शेयरों के लॉक-इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर है। हालांकि ये सभी शेयर, बाजार में नहीं आएंगे क्योंकि प्रवर्तक और प्रवर्तक समूहों के पास भी इनका एक बड़ा हिस्सा है। कुछ शेयरों के लिए एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है और कुछ अन्य के लिए तीन या छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है, जिन शेयरों का एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है, उनमें सीएमआर ग्रीन टेक्नॉलजीज, टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस, वॉटरवेज लीजर टूरिज्म, हेक्सागन न्यूट्रिशन, एडवाइट ज्वेल्स और सीएसएम टेक्नॉलजीज शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी शेयरों का तीन महीने का लॉक-इन सितंबर तक खत्म हो जाएगा। इनके अलावा, ओम पावर ट्रांसमिशन और ऑनईएमआई टेक्नॉलजी सॉल्यूशंस ऐसी कंपनियां हैं, जिनका तीन महीने का लॉक-इन पीरियड सितंबर के आखिर से पहले खत्म हो जाएगा। भारत कोकिंग कोल, शैडोफैक्स टेक्नॉलजीज और आय फाइनैंस उन फर्मों में शामिल हैं, जिनका छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है।

जानकारों का कहना है कि आईपीओ लॉक-इन की समयसीमा खत्म होने से द्वितीयक बाजार में शेयरों की संख्या में तेजी नहीं आती है क्योंकि संस्थागत निवेशकों और प्राइवेट इक्विटी फंड आम तौर पर खुले बाजार में सीधे शेयर बेचने के बजाय बातचीत के जरिये नियोजन या ब्लॉक ट्रेड के जरिये अपना निवेश निकालने की योजना बनाते हैं। स्वतंत्र इक्विटी विश्लेषक ने कहा कि अक्सर लेनदेन खास तरीके से तय या नियोजित किए जाते हैं। ब्रोकर, मर्चेंट बैंकर और खुद कंपनी भी इच्छुक खरीदारों को खोजने में मदद करते हैं ताकि ज्यादा उथल-पुथल के बिना शेयर बिक जाएं।

सोने और चांदी के भावों में आई नरमी

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को नरमी आई है। कीमती धातुओं में ये गिरावट डॉलर में मजबूती और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की जून बैठक के मिनट्स जारी होने से पहले निवेशकों की सतर्कता से आई है। इससे सोने-चांदी की कीमतें गिरी हैं। दुनिया भर के साथ ही घरेलू बाजारों में भी कीमतें नीचे आयी हैं। आज कॉमेक्स पर सोना 4,100 डॉलर प्रति औंस से नीचे आया। वहीं चांदी भी 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक खिसकी। घरेलू मार्केट मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज भी फिसला है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव 1,44,950 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,29,300 रुपये के करीब रहे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत में भी कमी आई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 192 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,45,200 रुपये के भाव पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,45,392 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 842 रुपये की गिरावट के साथ 2,30,015 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,30,857 रुपये था। चांदी का वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर तक पहुंचा।

सरकार ने ईवी वाहन में लगे सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का ऑडिट के दिए निर्देश

–यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया

नई दिल्ली।

सरकार ने वाहन विनिर्माताओं और वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनियों को कनेक्टेड कारों और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में लगे वाहन प्रबंधन सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का व्यापक ऑडिट करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि यह निर्देश यात्री और वाणिज्यिक दोनों वाहन श्रेणियों पर लागू होगा।

यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर ऐपल और गूगल को तीन ऐप हटाने का निर्देश दिए जाने के बाद उठाया गया है। भारी उद्योग मंत्रालय ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम और वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के संगठन एक्मा को लिखे पत्र में कंपनियों से अपने बैटरी संचार इंटरफेस का ऑडिट करने और असुरक्षित डिफॉल्ट सेटिंग, कमजोर प्रमाणीकरण या असुरक्षित ओवर-द-एयर विकल्पों को खत्म करने का आग्रह किया है।

बिज़नेस स्टैंडर्ड ने भी इस पत्र को देखा है। उसके मुताबिक भारी उद्योग मंत्रालय ने यह भी कहा कि वाहन विनिर्माताओं को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कारखाना स्तर पर बेहतर और दमदार साइबर सुरक्षा डिजाइन प्रोटोकॉल स्थापित करने चाहिए। पत्र में हैकिंग की घटनाओं को सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता बताया है जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरुरत है। सूत्र ने बताया कि सरकार की मुख्य चिंता कनेक्टेड कारों के लिए है।

कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज, 950 करोड़ जुटाने की तैयारी

नई दिल्ली।

फिटनेस और वेलनेस कंपनी कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी के पास कागजात जमा कर दिए हैं। इस आईपीओ से कंपनी 950 करोड़ रुपए तक की नई पूंजी जुटा सकती है। कंपनी भारत में हेल्थ और वेलनेस सेवाओं की बढ़ती मांग का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। इस ऑफर में नए शेयर जारी करना और मौजूदा निवेशकों की बिक्री पेशकश शामिल है। मामले के जानकार लोगों का मानना है कि आईपीओ का कुल आकार करीब 4,000 करोड़ रुपए तक हो सकता है। टेमासेक, फिटनेस फर्स्ट लक्जमबर्ग, चिराटे वेंचर्स, टाटा डिजिटल, एक्सेल इंडिया, कलारी कैपिटल और श्रोडर्स कैपिटल जैसे मौजूदा निवेशक ओएफएस में करीब 17.86 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहे हैं। हर इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपए है। इस आईपीओ में सह-संस्थापक मुकेश बंसल, एंजेल निवेशक ब्रूनो रैशल और अभिनेता ऋतिक रोशन भी अपने शेयर बेच रहे हैं। शेयर बेचने वालों में एशियन पेंट्स की प्रमोटर कंपनी डोली ट्रेडिंग ऐंड इन्वेस्टमेंट्स, हॉस्पिटैलिटी कंपनी सन एन सैंड होटल्स, एंडिया पार्टनर्स के संस्थापक सतीश अंद्रा, मिंत्रा के पूर्व सीईओ अनंत नारायणन का फैमिली ट्रस्ट और अभिनेता ऋतिक रोशन की निवेश कंपनी एक्सट्रीम ब्रांड्स भी शामिल हैं। कल्ट डॉट फिट में मैकरिची इन्वेस्टमेंट्स सबसे बड़ी शेयरधारक है, जिसके पास 20.3 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और अपने कल्ट एलीट और कल्ट नियो फिटनेस सेंटरों को बढ़ाने के लिए करेगी। वह नए कल्टस्पोर्ट रिटेल आउटलेटों में भी निवेश करेगी, लीज से जुड़े पेमेंट करेगी, मार्केटिंग और ब्रांड प्रमोशन पर खर्च बढ़ाएगी और सामान्य कॉरपोरेट कार्यों में इसका इस्तेमाल करेगी। 31 मार्च 2026 तक कल्ट फिट भारत का सबसे बड़ा फिटनेस और ऐक्टिव-लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म था। इसके 77 शहरों में 708 फिटनेस सेंटर थे। 2025-26 में कंपनी के करीब 9,87,000 फिटनेस सदस्य थे जो पैसे देकर सेवाएं लेते हैं।

फैब्रिक्स कंपनी कुसुमगर का 650 करोड़ रुपए का खुला आईपीओ

-आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मांग मजबूत

नई दिल्ली।

इंजीनियर्ड फैब्रिक्स बनाने वाली कंपनी कुसुमगर का बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफर बुधवार 8 जुलाई से निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी इस सार्वजनिक निर्गम के जरिए 650 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। हालांकि, यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, इसलिए इस आईपीओ से मिलने वाली रकम कंपनी के पास नहीं जाएगी, बल्कि प्रमोटर शेयरधारकों को मिलेगी। आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मजबूत मांग है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल है कि क्या इस आईपीओ में निवेश करना सही रहेगा या नहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक कुसुमगर का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल पर आधारित है। इसके तहत प्रमोटर करीब 1.55 करोड़ इक्विटी शेयर बेच रहे हैं। कंपनी इस इश्यू के जरिए कोई नए शेयर जारी नहीं कर रही है। आईपीओ का प्राइस बैंड 398 रुपए से 419 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एक लॉट में 35 शेयर शामिल हैं यानी खुदरा निवेशकों को कम से कम 14,665 का निवेश करना होगा। वहीं अधिकतम 13 लॉट के लिए करीब 1,90,645 का निवेश करना पड़ेगा।

आईपीओ खुलने से पहले कुसुमगर के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में मजबूत प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। बाजार सूत्रों के मुताबिक शेयर करीब 590 के भाव पर ट्रेड कर रहे हैं। यह आईपीओ के ऊपरी प्राइस बैंड 419 रुपए के मुकाबले 171 रुपए प्रति शेयर या करीब 40.81 फीसदी का ग्रे मार्केट प्रीमियम दर्शाता है। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि ग्रे मार्केट प्रीमियम केवल बाजार की धारणा को दर्शाता है। इसे लिस्टिंग या भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।कुसुमगर आईपीओ में निवेश करने की आखिरी तारीख 10 जुलाई है। शेयरों का आवंटन 13 जुलाई को हो सकता है। सफल निवेशकों के डिमैट खाते में शेयर 14 जुलाई तक पहुंच सकते हैं। वहीं, कंपनी के शेयरों की 15 जुलाई को शेयर बाजार में लिस्टिंग होने की उम्मीद है। चूंकि यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल है, इसलिए आईपीओ से जुटाई गई राशि कंपनी के कारोबार में इस्तेमाल नहीं होगी। कंपनी ने अपने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में स्पष्ट किया है कि इश्यू से मिलने वाली पूरी रकम संबंधित प्रमोटर शेयरधारकों को जाएगी।

अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल

-ईरान ने हमलों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली।

होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने मंगलवार को ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए और साथ ही ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल बेचने की दी गई अस्थायी छूट वापस ले ली है।

इन घटनाओं ने पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए युद्धविराम पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई युद्धविराम के उल्लंघन और समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों के जवाब में की गई। वहीं ईरान ने इन कदमों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी गई है कि हमलों में ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय निगरानी प्रणाली, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर कहा कि ईरान की आक्रामक कार्रवाई न केवल अनुचित और खतरनाक थी, बल्कि यह युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन भी थी। ईरानी मीडिया के मुताबिक दक्षिणी शहर सीरिक, क़ेश्म द्वीप और बंदर अब्बास में कई विस्फोट हुए। एक व्यावसायिक बंदरगाह पर प्रोजेक्टाइल गिरने से कुछ लोग घायल हुए, जबकि मछली पकड़ने वाली कई नौकाओं में आग लग गई। हालांकि, किसी नागरिक की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका ने ईरान को तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्यात की जो अस्थायी अनुमति दी थी उसे भी रद्द कर दिया है।

श्रीगंगानगर की घटना से उठते सवाल- बचपन की असुरक्षा और समाज की विफलता

कुमार कृष्णन

हर बार जब ऐसी कोई घटना सामने आती है, तो हमारा सार्वजनिक विमर्श लगभग एक जैसा होता है। राजनीतिक बयान आते हैं, सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है, कठोर दंड की मांग उठती है और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अपराध सामान्य नहीं होते। वे समाज की गहराइयों में मौजूद उन विकृतियों का परिणाम होते हैं, जिन्हें हम लंबे समय तक अनदेखा करते रहते हैं। इसलिए श्रीगंगानगर की घटना को केवल पुलिस कार्रवाई या अदालत की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह हमारे सामाजिक चरित्र, नैतिक शिक्षा, प्रशासनिक सतर्कता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की सामूहिक परीक्षा है।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक तेरह वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक यौन उत्पीड़न का मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं है। यह उस सामाजिक संकट का संकेत है, जिसकी आहट वर्षों से सुनाई दे रही है, लेकिन जिसे हम हर नई घटना के बाद कुछ दिनों के आक्रोश में भुला देते हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार एक नाबालिग छात्रा को कई दिनों तक बंधक बनाकर उसके साथ गंभीर अपराध किए जाने के आरोप हैं। पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है। न्यायालय का अंतिम निर्णय अभी आना बाकी है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना जल्दबाजी होगी। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर उस प्रश्न को हमारे सामने खड़ा कर दिया है, जिससे बचना अब संभव नहीं–क्या भारत अपने बच्चों, विशेषकर अपनी बेटियों, को सुरक्षित बचपन दे पा रहा है?

हर बार जब ऐसी कोई घटना सामने आती है, तो हमारा सार्वजनिक विमर्श लगभग एक जैसा होता है। राजनीतिक बयान आते हैं, सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है, कठोर दंड की मांग उठती है और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अपराध सामान्य नहीं होते। वे समाज की गहराइयों में मौजूद उन विकृतियों का परिणाम होते हैं, जिन्हें हम लंबे समय तक अनदेखा करते रहते हैं। इसलिए श्रीगंगानगर की घटना को केवल पुलिस कार्रवाई या अदालत की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह हमारे सामाजिक चरित्र, नैतिक शिक्षा, प्रशासनिक सतर्कता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की सामूहिक परीक्षा है।

भारत में बाल यौन हिंसा का संकट नया नहीं है। पिछले डेढ़ दशक में ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग बढ़ी है। इसका एक कारण यह भी है कि बच्चों के यौन शोषण को लेकर समाज में पहले की तुलना में अधिक जागरूकता आई है और पॉक्सो कानून के लागू होने के बाद शिकायत दर्ज कराने का रास्ता अपेक्षाकृत स्पष्ट हुआ है। लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध आज भी भयावह स्तर पर मौजूद हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े लगातार बताते हैं कि हर वर्ष हजारों बच्चे यौन हिंसा का शिकार होते हैं। इनमें अधिकांश पीड़ित बच्चियां होती हैं और बड़ी संख्या में उनकी आयु किशोरावस्था से भी कम होती है।

इन आंकड़ों का सबसे भयावह पक्ष यह नहीं कि अपराध बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि अधिकांश मामलों में अपराधी कोई अजनबी नहीं होता। वह परिवार का परिचित, पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र या ऐसा व्यक्ति होता है जिस पर बच्चा और उसका परिवार भरोसा करता है। यानी खतरा बाहर से कम और भीतर से अधिक है। यह तथ्य हमारी पारंपरिक सुरक्षा की समझ को बदल देता है। हम बच्चों को अनजान लोगों से सावधान रहना सिखाते हैं, लेकिन क्या उन्हें यह भी सिखाते हैं कि किसी परिचित द्वारा अनुचित व्यवहार होने पर वे बिना भय अपनी बात कह सकें?

समाजशास्त्री लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि किसी भी समाज में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध हिंसा केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं होती। वह उस सामाजिक सोच का परिणाम होती है जिसमें शक्ति, प्रभुत्व और स्त्री के प्रति असमान दृष्टि गहराई से मौजूद होती है। जब स्त्री को बराबरी के मनुष्य के बजाय नियंत्रण और उपभोग की वस्तु की तरह देखने वाली मानसिकता संस्कृति, भाषा, मनोरंजन और रोजमर्रा के व्यवहार में सामान्य होने लगती है, तब उसके सबसे भयावह रूप बच्चों के विरुद्ध अपराधों में दिखाई देते हैं। इसलिए केवल अपराधियों को राक्षस कह देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह भी देखना होगा कि ऐसी मानसिकता पैदा कैसे होती है और समाज उसे रोकने में क्यों विफल रहता है।

भारतीय समाज का एक बड़ा विरोधाभास यही है कि एक ओर हम कन्या पूजन करते हैं, स्त्री को शक्ति का स्वरूप बताते हैं, दूसरी ओर बच्चियों के प्रति हिंसा की खबरें लगातार सामने आती रहती हैं। यह विरोधाभास केवल धार्मिक या सांस्कृतिक नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार का प्रश्न है। सम्मान का अर्थ केवल प्रतीकात्मक पूजा नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सुरक्षा, समानता और गरिमा सुनिश्चित करना है। यदि एक बच्ची अपने घर, स्कूल, पड़ोस या सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करती, तो हमारी सांस्कृतिक घोषणाएँ खोखली

सिद्ध होती हैं।

श्रीगंगानगर की घटना ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है–क्या हमारे सार्वजनिक संस्थान बच्चों की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त सतर्क हैं? यदि किसी नाबालिग को संदिग्ध परिस्थितियों में लगातार विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाता है, तो क्या कहीं भी ऐसी व्यवस्था नहीं है जो समय रहते संदेह व्यक्त करे? यह प्रश्न केवल पुलिस का नहीं है। होटल, परिवहन तंत्र, स्थानीय समुदाय, बाल संरक्षण तंत्र और नागरिक समाज–सभी की भूमिका की निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है। किसी भी सभ्य समाज में बच्चों की सुरक्षा केवल कानून की जिम्मेदारी नहीं होती; वह सामाजिक संस्कृति का हिस्सा होती है।

यही कारण है कि इस घटना को केवल एक क्राइम स्टोरी की तरह पढ़ना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारतीय समाज के बदलते चरित्र, संस्थागत जवाबदेही और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता के व्यापक संदर्भ में समझना होगा। क्योंकि जब बचपन असुरक्षित होने लगे, तब संकट केवल कानून का नहीं रहता, वह राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। भारत ने बच्चों की सुरक्षा के लिए वर्ष 2012 में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) लागू किया। इस कानून ने पहली बार बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों की स्पष्ट परिभाषा दी, उनकी पहचान गोपनीय रखने का प्रावधान किया और त्वरित न्याय का लक्ष्य निर्धारित किया। इसके बाद समय-समय पर कानून को और कठोर बनाया गया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल कठोर कानून बना देने से अपराध रुक जाते हैं?

वास्तविकता यह है कि कानून का प्रभाव उसकी कठोरता से नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होता है। देश में आज भी अनेक मामलों में जांच लंबी खिंच जाती है, फोरेंसिक रिपोर्ट आने में देरी होती है, गवाह मुकर जाते हैं, पीड़ित परिवार सामाजिक दबाव और आर्थिक कठिनाइयों से टूट जाता है तथा मुकदमे वर्षों तक अदालतों में लंबित रहते हैं। न्याय में देरी केवल पीड़ित के साथ अन्याय नहीं होती, बल्कि अपराधियों के भीतर यह विश्वास भी पैदा करती है कि दंड से बच निकलने की संभावना बनी हुई है। श्रीगंगानगर की घटना ने एक बार फिर यह प्रश्न उठाया है कि क्या हमारी संस्थाएं बच्चों की सुरक्षा के प्रति पर्याप्त संवेदनशील हैं। यदि कोई नाबालिग कई दिनों तक संदिग्ध परिस्थितियों में विभिन्न स्थानों पर रहती है, तो क्या किसी स्तर पर चेतावनी की घंटी नहीं बजनी चाहिए? होटल, परिवहन व्यवस्था, स्थानीय प्रशासन और नागरिक समाज–सभी की अपनी-अपनी जिम्मेदारी है। विकसित देशों में होटल उद्योग और सार्वजनिक संस्थानों के कर्मचारियों को मानव तस्करी तथा बाल शोषण की पहचान के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। भारत में भी ऐसी व्यवस्था को गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है।

लेकिन इस पूरे विमर्श का सबसे कठिन पक्ष समाज के भीतर छिपा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और विभिन्न अध्ययनों से यह तथ्य सामने आता रहा है कि अधिकांश मामलों में अपराधी कोई अपरिचित व्यक्ति नहीं होता। वह परिवार का सदस्य, रिश्तेदार, पड़ोसी, शिक्षक, मित्र या परिचित होता है। इसका अर्थ यह है कि बच्चों की सुरक्षा का संकट केवल सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है; वह विश्वास के दायरे के भीतर भी मौजूद है। यह स्थिति परिवारों के सामने नई चुनौती खड़ी करती है।

भारतीय परिवारों में यौन शिक्षा को लेकर आज भी असहजता है। माता-पिता बच्चों से इस विषय पर खुलकर बात करने से बचते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चे अनुचित व्यवहार की पहचान ही नहीं कर पाते या पहचान लेने के बाद भी भय, शर्म और अपराधबोध के कारण अपनी बात किसी से नहीं कह पाते। यही मौन अपराधियों की सबसे बड़ी ताकत बन जाता है। विद्यालयों में गुड टच-बैड टच, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और सहायता मांगने की प्रक्रिया पर व्यवस्थित शिक्षा अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है।

डिजिटल युग ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने ज्ञान के नए अवसर दिए हैं, लेकिन अश्लील सामग्री, ऑनलाइन ग्रूमिंग, साइबर ब्लैकमेल और यौन शोषण के नए रास्ते भी खोले हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के दौर में बच्चों की सुरक्षा केवल भौतिक दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है। अभिभावकों और शिक्षकों को डिजिटल दुनिया की चुनौतियों को समझना होगा। निगरानी और विश्वास के बीच संतुलन बनाना आज पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

समाज को भी अपने भीतर झांकना होगा। क्या हम बच्चों के प्रति सचमुच संवेदनशील हैं? क्या किसी बच्चे की असामान्य स्थिति देखकर हम हस्तक्षेप करते हैं, या यह सोचकर आगे बढ़ जाते हैं कि यह किसी और का मामला है? नागरिक जिम्मेदारी का अर्थ केवल मतदान करना या कर देना नहीं है। यदि समाज अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा के प्रति सजग नहीं है, तो लोकतंत्र का नैतिक आधार भी कमजोर पड़ जाता है।

मीडिया की भूमिका पर भी गंभीर विचार की आवश्यकता है। लोकतंत्र में स्वतंत्र पत्रकारिता अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन बच्चों से जुड़े यौन अपराधों की रिपोर्टिंग में संवेदनशीलता सर्वोपरि होनी चाहिए। पीड़ित की पहचान की रक्षा, अपुष्ट सूचनाओं से बचाव और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान–ये केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि पत्रकारिता की नैतिक जिम्मेदारियां भी हैं। दुर्भाग्य से कई बार प्रतिस्पर्धा और सनसनी के कारण इन मूल्यों की उपेक्षा होती है। इससे पीड़ित और उसके परिवार की पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। यह भी ध्यान रखना होगा कि हर ऐसी घटना को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बना देना समस्या का समाधान नहीं है। अपराधी का कोई धर्म, जाति या दल नहीं होता; उसका केवल अपराध होता है। बच्चों की सुरक्षा पर राष्ट्रीय सहमति बननी चाहिए। यह विषय चुनावी बहस का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प का होना चाहिए।

यदि इस संकट का समाधान केवल कठोर दंड में खोजा जाएगा, तो हम समस्या के केवल एक हिस्से को ही संबोधित करेंगे। दंड आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है अपराध की सामाजिक जमीन को कमजोर करना। यह तभी संभव होगा जब बाल सुरक्षा को कानून-व्यवस्था के सीमित दायरे से निकालकर सार्वजनिक नीति और सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बनाया जाए।

सबसे पहले न्याय व्यवस्था को अधिक सक्षम और संवेदनशील बनाना होगा। पॉक्सो के मामलों की जांच के लिए प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों, आधुनिक फोरेंसिक प्रयोगशालाओं और समयबद्ध अभियोजन की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। फास्ट ट्रैक अदालतों का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब वे वास्तव में त्वरित न्याय दें। न्याय में अनावश्यक विलंब केवल पीड़ित का विश्वास ही नहीं तोड़ता, बल्कि कानून के प्रति समाज का भरोसा भी कमजोर करता है।

दूसरा, बाल संरक्षण की संस्थाओं को अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता है। स्कूल, आंगनवाड़ी, बाल कल्याण समितियां, जिला बाल संरक्षण इकाइयां और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा संबंधी नियमित प्रशिक्षण, परामर्श सेवाएं और शिकायत तंत्र विकसित किए जाएं। प्रत्येक विद्यालय में ऐसा वातावरण बने, जहां कोई बच्चा बिना भय अपनी बात कह सके।

तीसरा, परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। भारतीय परिवारों में बच्चों से संवाद का दायरा अक्सर पढ़ाई, अनुशासन और भविष्य तक सीमित रहता है। अब समय आ गया है कि माता-पिता बच्चों से उनके अनुभवों, भय, मित्रों, डिजिटल गतिविधियों और व्यक्तिगत सुरक्षा पर भी खुलकर बातचीत करें। विश्वास का संबंध किसी भी सुरक्षा व्यवस्था की पहली शर्त है। जिस बच्चे को यह भरोसा हो कि उसकी बात सुनी जाएगी और उस पर विश्वास किया जाएगा, वह संकट की स्थिति में चुप नहीं रहेगा।

चौथा, समाज को अपनी संवेदनशीलता पुनः अर्जित करनी होगी। हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सार्वजनिक जीवन में उदासीनता बढ़ती जा रही है। लोग किसी संदिग्ध स्थिति को देखकर भी हस्तक्षेप करने से बचते हैं। यह प्रवृत्ति बदलनी होगी। एक सजग नागरिक केवल कानून का पालन करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह अपने आसपास घट रही असामान्य घटनाओं के प्रति भी जिम्मेदार होता है। बच्चों की सुरक्षा सामुदायिक जिम्मेदारी है, केवल पुलिस की नहीं।

डिजिटल माध्यमों की बढ़ती पहुंच को देखते हुए सरकार, तकनीकी कंपनियों और नागरिक समाज को मिलकर ऑनलाइन बाल सुरक्षा के लिए भी व्यापक अभियान चलाना होगा। इंटरनेट आज बच्चों की शिक्षा का माध्यम भी है और खतरे का रास्ता भी। इसलिए डिजिटल साक्षरता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। मीडिया को भी आत्मसंयम का परिचय देना होगा। किसी भी नाबालिग पीड़ित की गरिमा सर्वोच्च होनी चाहिए। सनसनी, अपुष्ट दावे और भावनात्मक उत्तेजना से अधिक महत्वपूर्ण तथ्य, संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान है। पत्रकारिता का धर्म समाज को जागरूक करना है, भय और उत्तेजना फैलाना नहीं।

श्रीगंगानगर की घटना का अंतिम निर्णय न्यायालय करेगा। दोषी कौन हैं, किसकी क्या भूमिका रही, यह कानून तय करेगा। लेकिन इस घटना ने जो प्रश्न समाज के सामने रखे हैं, उनका उत्तर अदालत नहीं दे सकती। उनका उत्तर हमें देना होगा। हमें यह तय करना होगा कि क्या हम हर भयावह घटना के बाद कुछ दिनों तक आक्रोश व्यक्त कर फिर सामान्य हो जाने वाला समाज बने रहेंगे, या ऐसी परिस्थितियां पैदा करेंगे जिनमें बच्चों के विरुद्ध अपराध करना कठिन हो जाए।

किसी राष्ट्र की सभ्यता का मूल्यांकन उसके सकल घरेलू उत्पाद, राजमार्गों, स्मार्ट शहरों या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं किया जाता। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होता है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों की कितनी रक्षा करता है। बच्चे किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यदि उनका बचपन भय, हिंसा और असुरक्षा में बीते, तो विकास की हर उपलब्धि अपना नैतिक अर्थ खो देती है।

भारत आज विश्वगुरु बनने, विकसित राष्ट्र बनने और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा रखता है। यह लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब देश का हर बच्चा और हर बच्ची भयमुक्त वातावरण में जी सके। सुरक्षित बचपन केवल सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व भी है। संविधान ने प्रत्येक बच्चे को गरिमा, समानता और जीवन का अधिकार दिया है। उन अधिकारों की रक्षा केवल न्यायालयों का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है।

श्रीगंगानगर की घटना को यदि हम केवल एक समाचार बनाकर भूल गए, तो यह हमारी सबसे बड़ी नैतिक पराजय होगी। लेकिन यदि यह घटना हमें अपने सामाजिक व्यवहार, संस्थागत व्यवस्थाओं और सार्वजनिक नीतियों की गंभीर समीक्षा के लिए प्रेरित करती है, तो शायद उन असंख्य बच्चों के भविष्य को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकेगा, जिनकी आवाज आज भी हमारे शोर में दब जाती है।

प्रश्न केवल इतना नहीं है कि अपराधियों को कितनी कठोर सजा मिलेगी। उससे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम ऐसा भारत बना पाएंगे, जहां किसी बच्ची का बचपन भय के साए में न बीते। इसी प्रश्न का उत्तर आने वाले समय में हमारे समाज की वास्तविक पहचान तय करेगा।

संपादकीय

शर्मसार हैं हम

अब आए दिन देश के प्रिंट मीडिया से लेकर अन्य सूचना माध्यमों में यौन अपराधों की विचलित करने वाली घटनाएं सुर्खियों में रहती हैं। यौन लिप्साओं का यह विस्फोट विचलित करने वाला है। कोई निर्भया, किसी के साहस के बूते अपने साथ हुए अन्याय को उजागर कर देती है, वहीं देश की अनेक निर्भयाएं यौन हिंसा व क्रूरता के बावजूद गुमनामी के अंधेरे में त्रास झेलने को अभिशप्त हो जाती हैं। हाल की दो घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में बारह वर्षीय बालिका को चार दिन बंधक बनाकर दो दर्जन लोगों द्वारा दुराचार किया गया। इस मामले में 18 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं और कुछ गिरफ्तारियां बाकी हैं। दूसरी घटना पश्चिम बंगाल की है जहां बारुईपुर में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। शव परीक्षण में पाया गया कि उसके सिर व निजी अंगों पर गंभीर चोटें थी। इतना ही नहीं, दुराचार के बाद उसे बोरे मे बंद करके जिंदा ही तालाब में डुबो दिया गया। दोनों ही घटनाएं विचलित करने वाली हैं, लेकिन श्रीगंगानगर की घटना हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली है। जनाक्रोश के चलते प्रशासन ने न केवल 18 लोगों को गिरफ्तार किया बल्कि उन होटलों को भी ध्वस्त किया गया जहां अलग-अलग जगहों में बच्ची को बंधक बनाकर देह व्यापार कराया गया। निस्संदेह, मोबाइल के बढ़ते हस्तक्षेप से परिवार संस्था की चूलें हिली नजर आती हैं। कथित सोशल मीडिया समाज में विद्रूपताओं को जन्म दे रहा है। श्रीगंगानगर की बारह वर्षीय लड़की शहर से सौ किमी दूर अपने एक इंस्टाग्राम फ्रेंड से मिलने जाती है, जो उससे वहां दुराचार करता है। वहां से देर रात शहर लौटने पर एक रिक्शेवाले के झांसे में आकर होटल पहुंचती है और फिर उसके साथ दुराचार का अंतहीन सिलसिला शुरू हो जाता है। परिजनों के लापता किशोरी के तलाश में थाने पहुंचने के बाद पुलिस हरकत में आती हैं, फिर उसे मुक्त कराया जाता है। निस्संदेह, ये घटनाएं इंसानियत को शर्मसार करने वाली हैं। इस राक्षसी कृत्य से उद्वेलित लोग श्रीगंगानगर की सड़कों पर उतर आए। क्षुब्ध लोगों ने मशाल जुलूस निकालकर कानून के रखवालों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। जनाक्रोश को देखते हुए 18 लोगों की गिरफ्तारी हुई। कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। लेकिन सवाल यह कि भारतीय समाज में हो रहे यौन लिप्साओं के विस्फोट की वजह क्या है? ये नैतिक पतन की पराकाष्ठा क्यों हो रही है? हवस के भूखे भेड़िए न उम्र देखते हैं, न किसी बेटी की बेबसी। उस किशोरी के साथ हुई बर्बरता के बारे में सोचकर भी रूह कांपती है। जो शायद ही जीवनभर इस त्रासदी से उबर पाये।

बिहार में बदलाव की बयार, जाति-धर्म तोड़ न्याय के लिए एक हुआ समाज

उमेश चतुर्वेदी

जाति और धर्म के बिना आज राजनीति की कल्पना बेमानी है, लेकिन बिहार में जातिवाद का असर कुछ ज्यादा ही दिखता है। यहां मानस किस कदर जातिवाद के घेरे में है, इसे समझने के लिए किसी खास जाति के अपराधियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई को देखना होगा। तब उस अपराधी के जाति विशेष द्वारा उसे बेकसूर बताने और कार्रवाई को जातिवादी बदला बताने की होड़ लग जाती है। लेकिन इसी बिहार में हाल ही में हुई एक घटना की प्रतिक्रिया में उभरा जनाक्रोश इसके ठीक उलट है। इसमें जाति और धर्म की सीमाएं टूट गई हैं। भोजपुर पुलिस के कथित एनकाउंटर में मारे गए सवर्ण युवक भरत तिवारी के इंसाफ के लिए उतरे लोगों के बीच कोई जातीय दीवार नजर नहीं आ रही। हालांकि इसे भी जातीय रंग देने की कोशिश की गई, तो उसके खिलाफ उसी दलित समाज के स्त्री और पुरूष मैदान में उतर आए, जिनकी रहनुमाई का दावा करने वाली राजनीति हस्ती ने यह रंग देने का प्रयास किया था।

इससे इनकार नहीं कि भारतीय समाज में ऊंच-नीच का भाव रहा है। फिर भी समाज में सद्भाव, सहयोग और मेलजोल की गहरी परंपरा है। सामाजिक मामलों में कई बार जाति की दीवारें टूटती भी नजर आती हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव और राजनीति का मसला सामने आता है, जातीय सोच पूरी ताकत से उभर आती है। बिहार इस मामले में कुछ ज्यादा ही बदनाम है। ऐसे माहौल में अगर सवर्ण समुदाय के भरत तिवारी की पुलिस के हाथों हुई हत्या के खिलाफ सड़कों पर दलित और पिछड़े समुदाय तक के लोग उतर आएं तो मानना पड़ेगा कि पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था का जीन अब भी देश की रगों में बह रहा है। बस उसे जगाने की जरूरत है। हालांकि भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ को भी जातीय रंग देने की कोशिश भी हुई। हैरत की बात है कि इसके पीछे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी नजर आए। जातिवादी चश्मे से इस घटना को देखते हुए उन्होंने कह दिया कि भरत तिवारी चूंकि ब्राह्मण था, इसीलिए सवर्ण समाज आक्रोशित है। उसकी जगह कोई दलित और पिछड़ा होता तो इस मामले को इतना तूल नहीं दिया जाता। मांझी के इस बयान ने जातिवादी खोल से बाहर निकले जनाक्रोश की आग में घी का काम किया। विरोध में भरत के गांव बिलौटी ही नहीं, आसपड़ोस के दलित और पिछड़े परिवार भी गुस्से से भर उठे। गंगा के कटान से प्रभावित ये लोग मांझी की लानत-मलामत में उतर आए। उन्होंने उलटे मांझी से ही पूछ लिया कि हमारे नेता होने के बावजूद उन्होंने उनकी हालत जानने की कोशिश क्यों नहीं की। लोगों का कहा था कि जिसके खिलाफ वे बोल रहे हैं, साधनहीन होने की बजाय वही व्यक्ति उनके साथ खड़ा रहा।

बिहार में ठीक साढ़े इक्कीस साल पहले इसी तरह जाति और धर्म का बंधन टूटा था। झारखंड के अलग होने के बाद राज्य में पहला विधानसभा चुनाव हो रहा था। इसी दौरान बारह जनवरी 2005 को पटना के पटेल नगर से दिनदहाड़े पंद्रह साल के किसलय का अपहरण कर लिया गया। इस अपहरण के खिलाफ तब बिहार का पूरा समाज उतर आया था। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में उतरे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का बयान तब जन-जन की जुबान पर चढ़ गया था। उन्होंने कहा था, मेरा किसलय लौटा दो। किसलय की वापसी का सवाल जाति और धर्म की सीमाओं को तोड़ समूचे बिहार की आवाज बन गया था। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी की कथित मुठभेड़ में हत्या के बाद एक बार फिर बिहार का समाज ठीक उसी तरह जाति और समुदाय के खांचों को तोड़ सत्य और न्याय के साथ खड़ा नजर आ रहा है।

भोजपुर जिले का जवानिया गांव गंगा के ठीक किनारे है। इस गांव को पिछले साल गंगा की लहरों ने तकरीबन लील लिया। कटान से प्रभावित लोगों को अपने घर-खेत गंवाना पड़ा, तब से ज्यादातर लोगों की स्थिति बदहाल है। प्रभावितों को घर के लिए जमीन और पैसे तो दिए गए, लेकिन जो जगह उन्हें मिली, वह गड्ढे वाली है। बाकी सहूलियतें भी ना के बराबर मिली हैं। इनकी बस्ती में हाल के दिनों तक पानी का चापाकल तक नहीं थे, कुछ थे भी तो उनमें पानी नहीं आ रहा था। इन्हीं बदहाल लोगों की आवाज बनकर भरत तिवारी सक्रिय थे। भरत तिवारी के न रहने के बाद बिलौटी और

जवानिया के उजड़े लोगों का कहना है कि उन्हें भरत तिवारी की ही वजह से थोड़ी-बहुत सुविधाएं मिली हैं। इनके लिए वे ही प्रशासन से लड़ते रहे। कटान पीड़ित जवानिया गांव वालों का दर्द है कि उन्हें पानी से निकालकर फिर से पानी में ही बसा दिया गया है। उन्हें डर है कि फिर बारिश और बाढ़ आई तो उन्हें उजड़ना पड़ सकता है। भरत तिवारी इन्हीं मुद्दों को उठा रहे थे। भरत के गांव वालों का कहना है कि वह थोड़े तुनक मिजाज जरूर थे, लेकिन लोगों के सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते थे। प्रशासन के यहां कटान पीड़ितों की सुनवाई ना होने से भरत गुस्से में थे। गांव वाले मानते हैं कि प्रशासन के प्रति भरत के मन में गुस्सा था। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में एक पुलिस वाले का एनकाउंटर करने की भी बात कही थी। इसके वायरल होने के बाद पुलिस ने भरत के खिलाफ जांच शुरू की थी। गांव पहुंची पुलिस के सामने भरत के माता-पिता ने भी उन्हें डांटा था। पुलिस से भरत की नोकझोक और झूमाझटकी भी हुई थी। इसके बाद 16 जून को एक बयान में पुलिस ने उन्हें मानसिक रूप से अस्थिर बताया था। लेकिन अगले ही दिन यानी सत्रह जून को पुलिस ने उन्हें घेर लिया। तब भरत के हाथ में पिस्तौल थी। उन्होंने जवानियां के गड्ढे भरने के साथ तीन मांगें रखीं थी। जब प्रशासन ने उनकी मांगें मानने का भरोसा दिया तो उन्होंने पिस्तौल फेंक कर सरेंडर कर दिया था। जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस वहां से उन्हें ले गई और बाद में उन पर पंद्रह-बीस फायर करने का आरोप लगाते हुए उनके मुठभेड़ की बात कही थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल करा दिया था, जहां सत्रह जून को उनकी मौत हो गई। लेकिन पुलिस की थ्योरी पर लोगों को भरोसा नहीं हुआ और इलाके का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना है कि जब भरत ने पिस्तौल पुलिस को सौंप दी तो फिर वे गोली कैसे चला सकते हैं।

भरत की शव यात्रा में उमड़ी भीड़ बिहार के नए समाज का आइना कही जा सकती है। हालांकि बिहार सरकार का रवैया पारंपरिक रहा। वह प्रशासन के ही बचाव में नजर आई। लेकिन जनाक्रोश देखते हुए उसे झुकना पड़ा। भरत की हत्या की जांच के लिए पटना हाईकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा की अगुआई में जांच आयोग गठित किया गया है। इसी बीच आरोपी पुलिस वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जिनमें डीएसपी और शाहपुर के थानेदार भी शामिल हैं। स्थानीय स्तर पर सवर्ण के पक्ष में दलित और पिछड़ों के उतरने से जाति और धर्म के आधार पर चाल चलने वाली राजनीति को परेशानी जरूर महसूस हो रही होगी। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि समाज की सोई सकारात्मक आत्माएं ऐसे ही जागती हैं और बदलाव की बुनियाद बनती हैं। बस उसके लिए चिंगारी की जरूरत होती है। उम्मीद की जा सकती है कि भरत की हत्या के बाद उभरा जनाक्रोश प्राचीन भारतीय सामाजिक सोच को उभारने का प्रस्थान बिंदु बनेगा, जिसमें समायोजन होगा और मेलजोल भी।

संक्षिप्त समाचार

26 साल की सबसे बड़ी कटौती, सऊदी अरब ने सस्ता किया कच्चा तेल

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब ने अगस्त के लिए कच्चे तेल की कीमत में 26 साल की सबसे बड़ी कटौती कर दी है। इससे वैश्विक तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह राहत की खबर मानी जा रही है। लेकिन आखिर सऊदी अरब ने इतना बड़ा फैसला क्यों लिया? क्या इससे पेट्रोल-डीजल सस्ता होगा और महंगाई पर कितना असर पड़ेगा? दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में शामिल सऊदी अरब ने कच्चे तेल की कीमत में 26 वर्षों की सबसे बड़ी कटौती कर वैश्विक ऊर्जा बाजार को चौंका दिया है। अगस्त के लिए अरब लाइट क्रूड की कीमत में 11 डॉलर प्रति बैरल की कमी की गई है। इससे पहले जुलाई के लिए भी 6 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की गई थी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से सामान्य होने के बाद तेल की आपूर्ति बढ़ गई है और बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा भारत जैसे देशों को मिल सकता है, जो अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करते हैं।

चीन में भूस्खलन से 33 लोग दबे : 17 को बचाया गया, 16 की तलाश जारी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के पश्चिमी गांसू प्रांत के पहाड़ी इलाके में मंगलवार को हुए भूस्खलन में 33 लोग मलबे में दब गए। सरकारी मीडिया के मुताबिक, अब तक 17 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि 16 लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान जारी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सभी प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, सेंट्रल चीन के हुबेई प्रांत में सोमवार रात आए तेज तूफान और आंधी-बारिश से कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 275 लोग घायल हुए हैं। एक व्यक्ति अब भी लापता है। मौसम विभाग के मुताबिक, कई इलाकों में 149 किमी/घंटा तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। अगले 24 घंटे में 260 मिमी तक बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चीन के मौसम विभाग ने सुपर टाइफून 'बावी' को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। यह तूफान 290 किमी/घंटा तक की रफ्तार वाली हवाओं के साथ प्रशांत महासागर से ताइवान की ओर बढ़ रहा है। अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

ढाका के पास नेशनल सिटिजन पार्टी' की रैली में जोरदार बम धमाका

ढाका, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश से एक बार फिर हिंसा और अशांति की बड़ी खबर सामने आ रही है। राजधानी ढाका के नजदीकी इलाके सावर में सोमवार को एक राजनीतिक रैली के दौरान जोरदार बम धमाका हुआ. जानकारी के मुताबिक, यह धमाका नवनिर्मित राजनीतिक दल 'नेशनल सिटिजन पार्टी' द्वारा आयोजित एक मार्च के दौरान हुआ। धमाके के वक्त रैली को एक महिला नेता संबोधित कर रही थीं, तभी अचानक जनता के बीच एक बम फटा, जिससे वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। इस घटना में कम से कम तीन लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है, हालांकि उनकी वर्तमान स्थिति के बारे में अभी भी पूरी जानकारी नहीं मिली है। घटना का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि मंच से भाषण जारी रहने के दौरान अचानक तेज आवाज के साथ धमाका होता है और धुआं उठने लगता है। धमाके के बाद रैली स्थल पर लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए।

टीटीपी ने पाकिस्तान वायु सेना के ग्रुप कैप्टन की हत्या की जिम्मेदारी ली

इस्लामाबाद, एजेंसी। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानने रविवार दोपहर इस्लामाबाद में पाकिस्तान वायु सेना के ग्रुप कैप्टन आसिम तारिक की हत्या की जिम्मेदारी ली है। गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान 22 वर्षीय साद अब्बासी के रूप में हुई है। टीटीपी ने सोशल मीडिया पर मोबाइल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज जारी किया। इसमें अधिकारी अपनी कार में सीट बेल्ट पहने दिख रहे हैं। यह फुटेज इस्लामाबाद पुलिस के उस दावे का खंडन करता है कि अधिकारी ने सड़क पर एक महिला को अपहरणकर्ता से बचाया था। टीटीपी ने कहा कि उसकी 'स्पेशल टारगेट किलर्स यूनिट' ने यह हत्या की। सूत्रों के अनुसार, तारिक खुफिया निदेशालय से जुड़े थे। इस निदेशालय ने हाल ही में अफगानिस्तान में ड्रोन हमले के लिए निर्देशांक प्रदान किए थे, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों और महिलाओं की मौत हुई थी। वह 'ऑपरेशन बुनियान-उम-मरसूस' में भी शामिल थे। यह ऑपरेशन पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में शुरू किया था। इस्लामाबाद पुलिस ने अब्बासी के खिलाफ हत्या और आतंकवाद के आरोप में मामला दर्ज किया।

गद्दाफी के देश में शांति लाएगा पाकिस्तान? 2 दुश्मनों की दोस्ती कराने में जुटे मुनीर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की कूटनीति को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कराने के बाद, अब पाकिस्तान युद्ध की आग में झुलस रहे लीबिया में भी 'शांति दूत' बनने की कोशिश कर रहा है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने लीबिया के दो धुर विरोधी गुटों यानी पूर्वी और पश्चिमी सत्ता केंद्रों के बीच गुपचुप तरीके से मध्यस्थता शुरू कर दी है। हालांकि इसके पीछे पाकिस्तान का खुद का लालच छिपा है। यह लालच पैसों से जुड़ा है।

लीबिया के दोनों गुटों ने खुद की थी पाकिस्तान से अपील : साल 2011 में नाटो समर्थित विद्रोह के दौरान मुअम्मर गद्दाफी की सत्ता खत्म होने के बाद से ही लीबिया गृहयुद्ध का सामना कर रहा है। तब से यह देश पूर्वी और पश्चिमी प्रतिद्वंद्वी प्रशासनों में बंटा हुआ है। पिछले कुछ महीनों से अमेरिका यहां कूटनीतिक समाधान निकालने की कोशिश कर रहा था।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने मध्यस्थता की यह कोशिशें पिछले साल के अंत में शुरू की थीं। दिलचस्प बात यह है कि लीबिया के दोनों प्रतिद्वंद्वी पक्षों ने खुद इस्लामाबाद से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। अमेरिका 'पूरी तरह वाकिफ', सऊदी अरब का भी मिल रहा बैकअप रॉयटर्स की रिपोर्ट में पाकिस्तानी सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि अमेरिका इस्लामाबाद की इस भूमिका से 'पूरी तरह वाकिफ' है और इसमें शामिल भी है। पाकिस्तान के इस प्रयास को सऊदी अरब का भी समर्थन मिल रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल ही इस्लामाबाद ने सऊदी अरब के साथ एक रक्षा समझौता किया था। लीबिया में पाकिस्तान का यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच हुई हालिया मध्यस्थता के ठीक बाद उठाया गया है। ईरान वाले मामले में भी पाकिस्तान ने अहम भूमिका निभाई थी, जिसके लिए ट्रंप प्रशासन ने उसकी जमकर तारीफ की थी। पिछले महीने पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज, फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने रावलपिंडी में लीबिया के सैन्य प्रमुख सद्दाम हफ्तार से मुलाकात की थी। इसके कुछ ही दिनों बाद हफ्तार ने वाशिंगटन का दौरा किया और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की थी। तब अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने बयान जारी कर लीबियाई नेताओं के प्रयासों का स्वागत करते हुए लीबिया की एकता के लिए अमेरिकी समर्थन दोहराया था। मध्यस्थता के साथ-साथ पाकिस्तानी अधिकारी पूर्वी लीबिया स्थित सेना के साथ रक्षा संबंधों को भी आगे बढ़ा रहे हैं। इस रक्षा साझेदारी में पाकिस्तान द्वारा लीबिया को जे.एफ-17 लड़ाकू विमान बेचे जाने की संभावना भी शामिल है। यानी पाकिस्तान अपने चीन की मदद से बने जहाज बेंचकर लीबिया से पैसे कमाना चाहता है।

अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं : इस पूरे मामले में अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान अन्य क्षेत्रीय हितधारकों के साथ किस हद तक समन्वय कर रहा है। इस 'सीक्रेट' मध्यस्थता रिपोर्ट पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय, सेना की मीडिया विंग (ISPR), पश्चिमी और पूर्वी लीबियाई अधिकारियों के साथ-साथ कतर, तुर्किये, सऊदी अरब व अमेरिका के विदेश मंत्रालयों की तरफ से फिलहाल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान तट के पास टैंकर पर हमला, लगी भीषण आग

मस्कट, एजेंसी। ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य में मंगलवार सुबह एक टैंकर पर हमला हुआ। ब्रिटिश सेना ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स सेंटर ने बताया कि टैंकर को जलडमरूमध्य में ओमान के लिमाह के पास निशाना बनाया गया।वहीं, ईरान के सरकारी टेलीविजन ने दावा किया है कि जहाज ने पहले जारी की गई चेतावनियों को नजरअंदाज किया था, जिसके बाद उस पर कार्रवाई की गई। फिलहाल जहाज की स्थिति, नुकसान या किसी के हताहत होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सेंटर के मुताबिक, यह हमला तब हुआ जब टैंकर जलडमरूमध्य से दक्षिण की ओर गल्फ ऑफ ओमान की तरफ जा रहा था। प्रोजेक्टाइल जहाज के बाईं ओर (पोर्ट साइड) लगा। इस हमले से पर्यावरण पर कोई नुकसान नहीं हुआ है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। इस हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी ने नहीं ली है, हालांकि हाल के दिनों में ओमान के पास के रास्ते से गुजरने वाले कम से कम दो अन्य जहाजों पर हुए हमलों के लिए ईरान पर शक जताया गया है। हालांकि, अमेरिका इस जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलने के लिए ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ना चाहता है। अमेरिका का उद्देश्य ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना और 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध को हमेशा के लिए समाप्त करना है। लेकिन पहले हुए ऐसे हमलों के बाद अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई की थी, जिसके बाद ईरान ने खाड़ी के अरब देशों पर हमले किए। इससे तनाव बढ़ने का खतरा रहता है।

इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिलहाल रुकी हुई है। यह बातचीत ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के दफन होने तक रुकी रहेगी। खामेनेई युद्ध की शुरुआत में मारे गए थे। उनके अंतिम संस्कार में शामिल लोग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मौत की सजा देने की मांग कर रहे हैं। अधिकारी खामेनेई के शव को रात में शिया मदरसा शहर कोम ले गए, जहां मंगलवार को उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

चीन में घूसखोर अफसर को मिली मौत की सजा, 30 साल में जुटाई थी अरबों की संपत्ति

बीजिंग, एजेंसी। चीन की एक अदालत ने रिश्वत लेने के मामले में एक पूर्व स्थानीय अधिकारी को मौत की सजा सुनाई है। अधिकारियों के मुताबिक, उसने करीब 30 साल तक अपने पद का दुरुपयोग कर भारी मात्रा में रिश्वत ली। उन्होंने बताया कि दोषी अधिकारी ने रिश्वत के जरिए 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर या करीब 3 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति जुटाई थी। पूर्व अधिकारी की पहचान यांग यौलिन के रूप में हुई है जो चीन के पूर्वी तट पर स्थित जियांगसू प्रांत की राजधानी नानजिंग में आर्थिक विकास से जुड़ा था। चांगझोउ इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि यांग ने वर्ष 1993 से 2023 के बीच अवैध रूप से 2.21 अरब युआन (करीब 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 30 अरब रुपये) मूल्य की नकदी, संपत्ति और अन्य परिसंपत्तियां रिश्वत के रूप में स्वीकार कीं। कोर्ट के मुताबिक, यांग ने विभिन्न लोगों और कंपनियों से प्रोजेक्ट दिलाने, कारोबारी कामकाज में मदद करने, जमीन आवंटित कराने और फंड उपलब्ध कराने के बदले रिश्वत ली। कोर्ट ने यांग को केवल रिश्वतखोरी का ही नहीं, बल्कि गबन, रिश्वत देने, पद के दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग का भी दोषी ठहराया है। हाल के वर्षों में रिश्वत की रकम के लिहाज से इसे चीन के सबसे बड़े करप्शन केस में से एक माना जा रहा है। कोर्ट ने बताया कि सुनवाई के दौरान अपने अंतिम बयान में यांग ने अपने अपराध स्वीकार किए और अपने किए पर गहरा पछतावा और अपराधबोध व्यक्त किया। कोर्ट की ओर से जारी तस्वीरों में सफेद बालों वाले यांग गहरे रंग की जैकेट पहने हुए 2 वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के बीच खड़े दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि इस केस की सार्वजनिक सुनवाई मार्च और अप्रैल में 2 अलग-अलग दिनों में हुई थी। कोर्ट के मुताबिक, दोनों सुनवाई के दौरान 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि यांग की व्यक्तिगत संपत्ति जब्त की जाएगी। साथ ही अफसरों को निर्देश दिए गए हैं कि रिश्वत के रूप में ली गई पूरी रकम की वसूली की जाए। यांग के खिलाफ कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत हुई। यह अभियान पिछले एक दशक से जारी है।

ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस का नवीनीकरण अमेरिका के पुनरुत्थान को दर्शाता है

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि व्हाइट हाउस का रेस्टोरेशन अमेरिका के बड़े रिन्यूअल का सिंबल है. उन्होंने कहा कि देश की सबसे जानी-मानी बिल्डिंग को देश की ताकत, इतिहास और कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए. रोज गार्डन में ट्रंप ने अपनी बातों का एक बड़ा हिस्सा व्हाइट हाउस के रेनोवेशन पर दिया. और इस काम को बचाने की कोशिश और देश के भविष्य के बारे में एक बयान, दोनों बताया. ट्रंप ने कहा, 'हम व्हाइट हाउस में बहुत सारा प्यार वापस डाल रहे हैं क्योंकि, सच कहूँ तो, इसके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया गया था. राष्ट्रपति ने यह बताते हुए शुरुआत की कि रोज गार्डन में हाल ही में बड़े बदलाव क्यों हुए हैं, उन्होंने कहा कि साइट की दलदली जमीन के कारण असली लॉन काम का नहीं रहा. उन्होंने कहा, 'व्हाइट हाउस एक वेटलैंड पर बना था, और घास हमेशा

बहुत गीली रहती थी,' और कहा कि विजिटर्स के जूते उसमें धंस जाते थे जिसे उन्होंने क्विकसैंड पिट बताया. उन्होंने कहा, 'नई ग्रेनाइट की सड़क को जमीन को बचाने के लिए डिजाइन किया गया था, साथ ही ऑफिशियल सेरेमनी के लिए जगह को ज़्यादा इस्तेमाल करने लायक बनाया गया था.' ट्रंप ने प्रेसिडेंशियल वॉक ऑफ फेम को भी हाईलाइट किया. साथ ही वेस्ट विंग के रास्तों और व्हाइट हाउस के ऐतिहासिक कॉलम पर रेस्टोरेशन का काम भी किया गया. उन्होंने कहा कि वर्कर्स ने ओरिजिनल आर्किटेक्चरल डिटेल्स को ठीक करने के लिए एक सदी से ज़्यादा पुराना पेंट हटा दिया था. ट्रंप ने कहा, 'हमने कॉलम से लगभग 150 साल पुराना पेंट हटा दिया है. आप डिटेल्स भी नहीं देख सकते थे.' राष्ट्रपति ने कहा कि इस प्रोजेक्ट का मकसद सिर्फ व्हाइट हाउस को मॉडर्न बनाना नहीं था, बल्कि अमेरिका के सबसे जरूरी नेशनल लैंडमार्क में से एक को बचाना भी था. उन्होंने कहा, 'यह हर 200 साल में होगा. आपको कोई न कोई ऐसा मिल जाएगा जो इसे वापस लाएगा ट्रंप ने बार-बार व्हाइट हाउस की तुलना विदेशों की ऐतिहासिक इमारतों से की, विंडसर कैसल और चीन के ग्रेट हॉल के दौरे को याद करते हुए. विंडसर कैसल के बारे में बात करते हुए उन्होंने किंग चार्ल्स III के साथ विलियम द कॉन्करर के साथ हुई बातचीत को याद किया. तभी मजाक में कहा कि शायद ब्रिटिश राजा को 'चार्ल्स द कॉन्करर' कहा जाना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के पास दुनिया की दूसरी ताकतों के बराबर या उनसे बेहतर सेरेमोनियल सुविधाएं होनी चाहिए. ट्रंप ने कहा, 'मैं हाल ही में चीन के ग्रेट हॉल में था. उनके पास एक बहुत बड़ा बॉलरूम है. हम एक ऐसा बॉलरूम बनाने जा रहे हैं जो सबसे ऊपर होगा.' पूरे भाषण में ट्रंप ने व्हाइट हाउस को सिर्फ एक घर या काम की जगह से कहीं ज़्यादा बताया. 'प्रेसिडेंट ने नए जन्मे अमेरिकियों के लिए अपने एडमिनिस्ट्रेशन के 'ट्रंप अकाउंट्स' प्रोग्राम को लॉन्च करते हुए यह बात कही, लेकिन बार-बार उन इंस्टीट्यूशन को ठीक करने की थीम पर लौट आए। ट्रंप का लेटेस्ट रेनोवेशन प्रोग्राम जिसमें रोज गार्डन, ग्राउंड और एक प्रस्तावित नए बॉलरूम पर काम शामिल है।

मेलोनी पर ट्रंप के तंज को लेकर इटली ने दिखाया अमेरिकी राष्ट्रपति को आईना

रोम , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच जुबानी जंग एक बार फिर तेज हो गई है। तुर्किये में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से ठीक पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मेलोनी का मजाक उड़ाते हुए एक पोस्ट साझा किया। इसके जवाब में इटली ने कहा कि नेताओं के आने-जाने से देशों के रिश्ते नहीं बदलते। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर मेलोनी की एक संपादित तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे दूरी बनाए रखने का आदेश (रिस्ट्रेनिंग ऑर्डर) चाहिए।' यह पोस्ट ऐसे समय आई है, जब दोनों नेताओं की इस सप्ताह नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात होने की संभावना है।

इटली के नेताओं ने ट्रंप की टिप्पणी पर दिया क्या जवाब : ट्रंप की टिप्पणी पर इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेत्तो ने कहा कि इस पोस्ट पर उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं है। उन्होंने कहा, 'सबसे अहम बात अमेरिका जैसे महत्वपूर्ण सहयोगी देश के साथ रिश्ते बनाए रखना है। लोग आते-जाते रहते हैं, लेकिन रिश्ते बने रहते हैं। इटली के विदेश मंत्री अंतोनियो तायानी ने भी विवाद को ज्यादा तूल नहीं दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि दोनों देशों के संबंध किसी एक व्यक्ति की टिप्पणी से कहीं बड़े हैं।' हालांकि, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्रंप की ताजा टिप्पणी पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

जी-7 सम्मेलन के बाद शुरू हुई थी तल्खी : दोनों नेताओं के बीच तनाव की शुरुआत हाल ही में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन के बाद हुई थी। पिछले महीने ट्रंप ने दावा किया था कि सम्मेलन के दौरान मेलोनी ने उनसे कई बार तस्वीर खिंचवाने का अनुरोध किया था और उन्होंने सिर्फ इसलिए इसकी अनुमति दी क्योंकि उन्हें 'उन पर तरस आ गया था।' ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया था कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का समर्थन नहीं करने के बाद मेलोनी घरेलू राजनीतिक कारणों से अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही हैं। मेलोनी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था, 'ये लगातार और बिना किसी वजह के किए जा रहे हमले पूरी तरह निरर्थक हैं।' उन्होंने ट्रंप को जवाब देते हुए कहा था, 'आपकी दोस्त होने से मेरी लोकप्रियता नहीं बढ़ी है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें।' एक अन्य साक्षात्कार में मेलोनी ने कहा था, 'इटली और मैं कभी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते। मैं अमेरिका विरोधी नहीं हूं, लेकिन मजबूत रिश्ते स्पष्ट बातचीत पर भी टिके होते हैं और मैं साफ बात करने वाली व्यक्ति हूं।' ट्रंप और मेलोनी को लंबे समय तक समान विचारधारा वाला सहयोगी माना जाता रहा है। अवैध प्रवासन, रूढ़िवादी राजनीति और पश्चिमी देशों की सुरक्षा जैसे कई मुद्दों पर दोनों की सोच मिलती रही है।

चीन में कुदरत का कहर: हुबेई में तूफान और बिजली गिरने से 8 की मौत, अब सुपर टाइफून 'बावी' का खतरा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के मध्य हिस्से में स्थित हुबेई प्रांत में प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। सोमवार शाम को आए विनाशकारी आंधी-तूफान और गरज के साथ हुई भारी बारिश ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन और सरकारी मीडिया द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई है। हुबेई के आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने जानकारी दी है कि यह तूफान इतना शक्तिशाली था कि इसने कुछ ही घंटों में पूरे क्षेत्र के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया।

कई शहरों में 149 किमी/घंटा की रफ्तार से चली हवाएं : शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार शाम को महज चार घंटों के भीतर हुबेई के कई प्रमुख शहरों में 149 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से विनाशकारी हवाएं चलीं। इन तेज हवाओं ने हुआंग्शी, हुआंगगांग , एझोउ और जियानिंग जैसे शहरों में भीषण नुकसान पहुंचाया है। सड़कों पर सैकड़ों पेड़ उखड़ गए, बिजली के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंची और कई घरों की छतें उड़ गईं, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन खराब मौसम बाधा बना हुआ है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी जारी की है कि खतरा अभी टला नहीं है और आने वाले समय में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, देश के उन विभिन्न हिस्सों में जहां लगभग 20 करोड़ लोग निवास करते हैं, वहां मूसलाधार बारिश और बवंडर आने की संभावना बनी हुई है। वहीं, दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के गुआंग्शी और पूर्वी प्रांतों जियांग्सू और शेडोंग में अगले 24 घंटों के भीतर 260 मिमी तक की अत्यधिक भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। यह भारी बारिश न केवल शहरी इलाकों में बाढ़ ला सकती है, बल्कि पहाड़ी क्षेत्रों में खतरनाक भूस्खलन भी हो सकता है। एक तरफ जहां चीन की मुख्य भूमि तूफानों से जूझ रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रशांत महासागर में उठा सुपर टाइफून 'बावी' ताइवान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, यह चक्रवात 180 मील प्रति घंटे की प्रचंड और विनाशकारी रफ्तार वाली हवाओं के साथ आगे बढ़ रहा है।

2,000 साल पहले थाईलैंड गए थे भारत के व्यापारी, खुदाई में मिले बहुत बड़े सबूत

बैंकॉक, एजेंसी। आज भारतीयों के बीच एक लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन बना थाईलैंड हजारों साल पहले भी भारत से जुड़ा हुआ था। हाल ही में एक खोज ने यह बात साबित कर दी है। दरअसल थाईलैंड में बीते दिनों इतिहासकारों को एक ऐतिहासिक कामयाबी मिली। यहां पश्चिमी थाईलैंड में चल रही खुदाई के दौरान करीब 2,000 साल पुरानी 2 सोने की अंगूठियां मिली हैं। इन अंगूठियों का संबंध भारत से बताया जा रहा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इनमें से एक अंगूठी पर प्राचीन भारतीय 'ब्राह्मी' लिपि में कुछ लिखा हुआ है। अब वैज्ञानिक इसे दो हजार साल पहले भारत और थाईलैंड के बीच मजबूत व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों का जीता-जागता सबूत बता रहे हैं।

थाईलैंड के फाइन आर्ट्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, ये अंगूठियां पिछले हफ्ते पेत्चाबुरी प्रांत के दोन याई थोंग साइट पर मिली हैं। वैज्ञानिक यहां मानव कंकालों की खुदाई कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक विशेषज्ञों ने जब इन अंगूठियों की शुरुआती जांच की, तो एक के बाद एक इतिहास के कई पन्ने खुलते चले गए।

अंगूठियों पर क्या लिखा है : एक अंगूठी पर ब्राह्मी लिपि में लिखे अक्षरों को डिकोड किया गया तो उस पर 'पुस रखितस' लिखा हुआ मिला। विशेषज्ञों के मुताबिक इसका अर्थ होता है, 'वह व्यक्ति जिसे पुष्य का संरक्षण प्राप्त है।' बता दें कि भारतीय ज्योतिष और खगोल विज्ञान में पुष्य को सबसे शुभ और कल्याणकारी नक्षत्र माना जाता है। वहीं एक अन्य अंगूठी भी मिली है। इस पर कुछ लिखा हुआ नहीं है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों अंगूठियां प्राचीन भारतीय जाति व्यवस्था के 'वैश्य' समुदाय के किसी अमीर व्यापारी की रही होंगी, जो उस दौर में व्यापार के सिलसिले में थाईलैंड आया होगा।

पुरातत्व विभाग के हाथ लगा खजाना : थाईलैंड में यह खुदाई आखिर शुरू क्यों हुई? रिपोर्ट्स के मुताबिक बैंकॉक से लगभग 130 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित इस साइट की खोज इस साल की शुरुआत में ही हुई। यहां स्थानीय ग्रामीणों को एक धान के खेत में प्राचीन चीजें मिलीं। इसके बाद सरकार ने बड़े पैमाने पर खुदाई शुरू करवाई। फरवरी से अब तक यहां 8 मानव कंकाल, कांसे और सोने के गहने और प्राचीन मिट्टी के बर्तन मिल चुके हैं। वैज्ञानिकों ने इस साइट को थाईलैंड के आयरन एज के समय का यानी आज से 1,500 से 2,500 साल पुराना बताया है। अगले महीने खुदाई पूरी होने के बाद इन्हें आम जनता के प्रदर्शन के लिए रखा जाएगा।

राखीगढ़ी के राज भी खुलेंगे : थाईलैंड में मिली बड़ी कामयाबी के बीच भारत में सिंधु घाटी सभ्यता को लेकर एक बड़ी हलचल हुई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने हरियाणा के ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी से खुदाई में मिले मानव कंकालों को वैज्ञानिक और डीएनए विश्लेषण के लिए भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण (को सौंप दिया है। संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक दोनों संस्थानों के बीच हुए एक नए समझौते के तहत अब राखीगढ़ी के कंकालों पर अत्याधुनिक मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च होगी। गौरतलब है कि राखीगढ़ी सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा ज्ञात स्थल है। यहां का ड्रेनेज सिस्टम, बेहतरीन टाउन प्लानिंग और अब इन कंकालों के वैज्ञानिक टेस्ट से प्राचीन भारतीयों के रहन-सहन और उनके जेनेटिक्स को लेकर कई बड़े और खुलासे होने की उम्मीद है।

जानकारी

वजन घटाने में मददगार है 'स्विमिंग' मगर इन 4 बातों का जरूर रखें ध्यान

तैराकी को हमेशा एक मनोरंजक गतिविधि के रूप में माना जाता है, जिसे लोग अपने खाली समय में और कुछ मौज-मस्ती के लिए पसंद करते हैं। वास्तविकता यह है कि यह गतिविधि आपको बहुत सारी कैलोरी जलाने, आपके शरीर को टोन करने और यहां तक कि वजन कम करने में मदद कर सकती है, बशर्ते आप सही तरीके से सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें। तैरना एक कम प्रभाव वाला व्यायाम है जो वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है जैसा कि आप दौड़कर कर सकते हैं और वह भी बिना आपके जोड़ों को चोट पहुंचाए। यह निश्चित रूप से एक मजेदार और स्वस्थ गतिविधि है, जो सभी आयु वर्ग के लोगों द्वारा की जा सकती है। या तो आप अपना वजन कम करने के लिए तैर रहे हैं या अपने शरीर को टोन करने के लिए, यहां 4 चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना है।

सही खानपान

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अगर आप वजन कम करने के लिए जिमिंग या स्विमिंग कर रहे हैं। इसके लिए स्वस्थ भोजन करना भी महत्वपूर्ण है। आप केवल सही व्यायाम करके और सही प्रकार का भोजन खाकर अपना वजन कम कर सकते हैं। पहला, जब आप तैर रहे होते हैं तो बहुत अधिक ऊर्जा की खपत होती है और दूसरी बात यह है कि ठंडा पानी आपकी भूख बढ़ा सकता है। यह आपके स्विमिंग सेशन के बाद आपको उग्र महसूस करवा सकता है। ओवरईटिंग से बचें, वरना आपकी सारी मेहनत बेकार हो जाएगी। खाने में हरी सब्जियां जोड़ें और अपने स्विमिंग सेशन के बाद प्रोटीन शेक पीएं।

सही स्ट्रोक

अलग-अलग तैराकी के विभिन्न स्वास्थ्य लाभ हैं और कैलोरी की काफी मात्रा को जलाते हैं। लेकिन जो सबसे प्रभावी है वह है बटरफ्लाई स्ट्रोक है। अगर सही तरीके से किया जाए तो यह स्ट्रोक 10 मिनट में 150 कैलोरी जलाने में आपकी मदद कर सकता है। अगला सबसे अच्छा स्ट्रोक फ्रीस्टाइल है, जो आपको एक घंटे में 704 कैलोरी जलाने में मदद कर सकता है।

अच्छी गति

यदि आपका मकसद वजन कम करना है, तो निश्चित रूप से, आपको कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। आपकी गति यह निर्धारित करती है कि आप कितनी कैलोरी खोने जा रहे हैं। तो एक राउंड तेज तैरें और फिर अगले में सामान्य रहें। यह आपके वसा जलने की प्रक्रिया को तेज करेगा।

सही समय

हमेशा नाश्ते से पहले सुबह तैरने की कोशिश करें। सुबह तैरना आपके शरीर को एक उपवास की स्थिति में छोड़ देगा और यह संग्रहीत वसा का अधिक कुशलता से उपयोग करने में सक्षम होगा। शरीर वसा को ऊर्जा के रूप में उपयोग करेगा और आप अधिक वजन कम करने में सक्षम होंगे।

भारत में हुए अध्ययनों से पता चला है कि देश के महानगरों और बड़े शहरों जैसे दिल्ली, चेन्नई और बेंगलुरु में फेफड़ों के कैंसर के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। फेफड़े का कैंसर का कई बार क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के साथ संबंध होता है। एम्स के डॉ. नबी दर्या वली के मुताबिक, सीओपीडी फेफड़ों से संबंधित एक ऐसा रोग है, जिसमें मरीज की सांस छोड़ने की क्षमता ठीक से काम नहीं कर पाती, इस स्थिति के कारण मरीज को सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। लंबे समय तक धूम्रपान करने के कारण यह रोग होता है। सीओपीडी से पीड़ित लोगों में फेफड़ों का कैंसर का विकसित होने की संभावना दोगुनी होती है और इन दोनों स्थितियों के एक साथ होने की संभावना भी काफी अधिक होती है। दरअसल, पूरी दुनिया में कैंसर के सबसे आम रूपों में से एक है, फेफड़े का कैंसर। डॉ. वली कहते हैं, फेफड़ों का कैंसर एक आम बीमारी हो गई है और अभी भी दुनिया भर में कैंसर से होने वाली मौतों के मुख्य कारणों में से एक है। फेफड़े के कैंसर वाले अधिकांश मरीजों का इलाज तब शुरू होता है जब रोग शरीर में फैल चुका होता है। यानी उन्नत चरणों में कैंसर का निदान किया जाता है, इसलिए अब नए चिकित्सीय विकल्पों की पहचान नैदानिक अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है।

संकेत और लक्षण

हालांकि सीओपीडी और फेफड़ों के कैंसर के समान लक्षण हैं, जैसे खांसी और सांस लेने में कठिनाई, लेकिन इनमें कुछ अंतर भी हैं। थकान, भूख में कमी, अचानक वजन घटना, खांसी के साथ ही कहीं सीने में दर्द, गला बैठना, फेफड़ों में संक्रमण, खांसी और कफ के साथ खून के अलावा लगातार सूखी खांसी आ रही हो तो तत्काल ध्यान देने की जरूरत हो सकती है। यदि कैंसर फैल गया है, तो किसी को सिरदर्द, सुन्नता (नंबनेस), चक्कर आना, पेट में दर्द, पीलिया और हड्डी में दर्द का अनुभव हो सकता है।

निदान और उपचार

कैंसर के विभिन्न चरणों की पहचान सीटी स्कैन, एमआरआई, पीईटी स्कैन और बोन स्कैन के माध्यम से की जाती है। नैदानिक परीक्षणों में छाती का एक्स-रे, सीटी स्कैन, थूक परीक्षण, ऊतक (टिश्यू) बायोप्सी और ब्रोन्कोस्कोपी शामिल हैं। मरीज सीओपीडी से पीड़ित है या नहीं, फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी का उपयोग किया जाता है। सीओपीडी और कैंसर के शुरुआती चरणों के उपचार के लिए सर्जरी, कीमोथैरेपी और रेडियोथैरेपी जैसे विकल्पों का मिश्रण हो सकता है। इम्यूनोथैरेपी और लक्षित दवाओं जैसी नई थेरेपी भी अच्छी तरह से काम करती हैं।

फेफड़ों के कैंसर को रोकना

डॉ. वली के मुताबिक फेफड़ों से संबंधित रोगों से बचाव रखने के लिए आप ये तरीके अपना सकते हैं- नियमित रूप से व्यायाम करें, हार्ट रेट को बढ़ाने वाली एरौबिक एक्सरसाइज करना सबसे ज्यदा फायदेमंद होता है। पोषक तत्वों से भरपूर भोजन फायदेमंद है। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। इन्फेक्शन से बचने के लिए अपने हाथों को नियमित रूप से धोते रहें। हाथों से अपने मुंह को ना छुएं (जितना कम हो सके छूने की कोशिश करें)। बीमार लोगों से दूर रहें। नियमित रूप से डॉक्टर से जांच करवाते रहें फेफड़ों के रोगों से जुड़े किसी भी संकेत व लक्षण को नजरअंदाज ना करें। धूम्रपान करने वालों को एक बार में धूम्रपान छोड़ देना चाहिए। धूम्रपान करने वाले व्यक्ति और उसके धुएं से दूर रहें, घर पर या बाहर के प्रदूषण या दूषित हवा में सांस ना लें। फेफड़ों को नुकसान न पहुंचे इसके लिए मास्क जैसे कुछ सुरक्षात्मक साधन पहनकर भी बच सकते हैं। रेडॉन गैसे जैसे रडियो एक्टिव पदार्थ कैंसर को बढ़ावा देते हैं और अपने रहने की जगह ऐसे तत्व वातावरण को खराब तो नहीं कर रहे, यह जानने के लिए घर पर ही रेडॉन लेवल पता करना होता है। लंबे समय तक ऐसे पदार्थों से संपर्क सीओपीडी के साथ ही फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा सकता है। किसी प्रकार के केमिकल, धूल या धुएं आदि में सांस ना लें यदि आप में फेफड़ों के कैंसर का अधिक खतरा है, तो डॉक्टर से इस बारे में बात करें और जांच करवाएं।

सेहत

सर्दियों की स्किन प्रॉब्लम दूर करेंगे ये टिप्स

सर्दियों का मौसम आते ही कई तरह की स्किन प्रॉब्लम होनी शुरू हो जाती हैं। ठंड आते स्किन रूखी, बेजान और अजीब सी होने लगती है। कुछ आसान तरीके अपनाकर आप इस मौसम में होने वाली इन समस्याओं को दूर कर सकते हैं।

आइब्रो डैंड्रफ

वैसे डैंड्रफ यानी रूसी बालों की समस्या है। लेकिन सर्दियों में डैंड्रफ भौहों में भी हो सकती है। रात में चेहरा धोते समय आइब्रो पर भी फेसवॉश जरूर लगाएं। इससे यहां की डेड स्किन निकल जाएगी। आपकी भौहों से जब तक डैंड्रफ पूरी तरह खत्म न हो जाए, आइब्रो मेकअप न करें।

नाक की रूखी और फटी स्किन

बाहर की सर्दी और घर के अंदर की गर्मी नाक सूखने लगती है। त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर या सेरामाइड्स युक्त क्रीम लगाएं। इससे आपकी स्किन रूखी नहीं होगी।

रूखे हाथ

सर्दियों में सबसे ज्यादा प्रभाव हाथों पर ही पड़ता है। हाथों में ऑयल ग्लैंड बहुत कम होता है। बार-बार हाथ धोने की वजह से भी हाथों की नमी चली जाती है। इसलिए बाहर निकलने से पहले हमेशा ग्लिसरीन वाली हैंड क्रीम लगाएं। ठंड के महीनों में आपके क्यूटिकल भी फट सकते हैं, इसलिए हाथों में बादाम का तेल या कुसुम का तेल लगाएं।

सूखे और पपड़ीदार पैर

हाथों की तरह पैरों में भी अधिक ऑयल ग्लैंड नहीं होता है और वो जल्दी रूखे दिखने लगते हैं। रूखे पैरों में एक पपड़ीदार स्किन बनने लगती है। ठंड में गर्म पानी से नहाना भी इसकी एक वजह है। हमेशा गुनगुने पानी से नहाएं जिससे आपकी त्वचा की नमी पूरी तरह खत्म न हो। नहाने के बाद बॉडी बटर लगाने से भी त्वचा में नमी रहेगी।

ऑयली स्किन

सर्दियों में त्वचा की सीबम से प्राकृतिक रूप से तेल निलकता है। इसलिए थोड़ा सा ही मॉइश्चराइजर लगाने से त्वचा तैलीय होने लगती है। स्किन का पीएच संतुलन बनाए रखने के लिए हाइड्रेटिंग फॉर्मूला मॉइश्चराइजर ही लगाएं।

फटे होंठ

सर्दियों में हर कोई रूखे और फटे होंठों से परेशान रहता है। सबसे पहले तो अगर आपको अपने होंठ चबाने की आदत है तो इसे तुरंत छोड़ दें। होंठों का रूखापन दूर करने के लिए मॉइस्चराइजिंग तेल में चीनी के दानें मिलाएं और इसे होंठों पर लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 5005

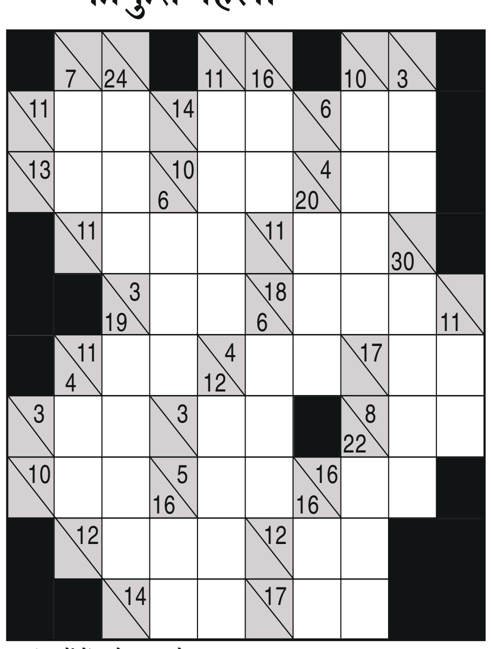

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 5004 का हल

लॉफिंग ज़ोन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

फिल्म वर्ग पहेली- 5005

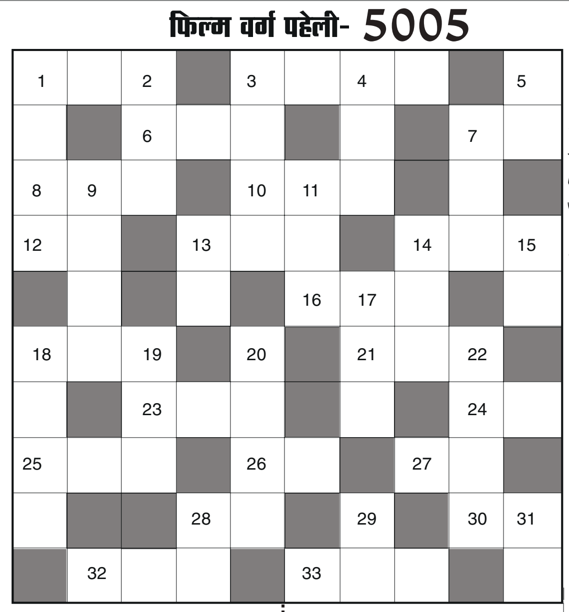

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्वाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5004

5005

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5004

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 5005

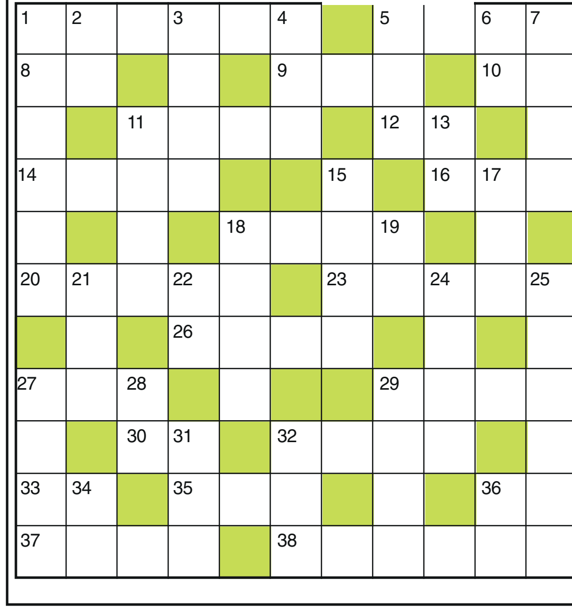

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली - 5004 हल

माउंट आबू में 'संकल्प पत्र' जारी होने के साथ हुआ 'सुधार उत्सव एवं चिंतन शिविर' का समापन

एजेंसी
मुंबई । अयोध्या के श्रीराम मंदिर चंदा चोरी मामले में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए हैं। इस बीच विपक्ष ने ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज पर भी कार्रवाई की मांग की है। विपक्ष का सवाल है कि उन्हें क्यों बचाया जा रहा है? एनसीपी (एसपी) नेता और विधायक रोहित पवार ने कहा, 'चंपत राय और अनिल मिश्रा से क्या होगा? लोगों का पैसा था, लाखों-करोड़ों का दान हुआ है। लेकिन, पहले दिन से ही काफी भ्रष्टाचार हुआ है। ये लोग ट्रस्ट के महत्वपूर्ण सीटों पर थे। हमें नहीं लगता है कि एसआईटी या फिर सीबीआई इस मामले में निष्पक्ष जांच करेगी। हम चाहते हैं कि पूरे मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट से दो लोगों का इस्तीफा मंजूर किया गया। लेकिन, गोविंद देव गिरि महाराज को क्यों छोड़ा जा रहा है? रोहित पवार ने मामले की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि पूरे मामले में पारदर्शी जांच जरूरी है। कांग्रेस नेता असलम शेख ने कहा कि यह चोरी का मामला है। लाखों-करोड़ों हिन्दुओं की आस्था को ठेस पहुंची है। सरकार को ऊपर से लेकर नीचे तक कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों द्वारा ऑडिट की बात उठाते हुए कहा कि लूटने का काम चल रहा था। सिर्फ दो लोगों के इस्तीफे से काम नहीं चलेगा। सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी।

हरियाणा में एक आईएएस, एक एचसीएस अधिकारी का तबादला

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने तत्काल प्रभाव से एक आईएएस तथा एक एचसीएस अधिकारी के तबादले एवं नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। इस संबंध में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा आदेश जारी किए गए हैं। जयदीप कुमार, अतिरिक्त सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग का निदेशक तथा अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का निदेशक भी लगाया गया है। विराट को अतिरिक्त उपायुक्त-सह-जिला नागरिक संसाधन सूचना अधिकारी, अंबाला एवं एपीजेड, अंबाला के विशेष अधिकारी के दायित्वों से मुक्त कर दिया गया है। वे अब केवल मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के ओएसडी के रूप में कार्य करते रहेंगे।

अमृतसर में ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, 25 किलो हेरोइन के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर । पंजाब पुलिस ने ड्रग्स तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर में एक ड्रग तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। अमृतसर की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 25 किलो हेरोइन बरामद की है। पंजाब पुलिस ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए साझा की। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी सीमापार बैठे एक तस्कर के निर्देश पर काम कर रहे थे। आरोपी अलग-अलग जगहों से हेरोइन की खेप इकट्ठा करते थे और उसे पंजाब के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करने की योजना थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में अमृतसर के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। फिलहाल मामले की आगे की जांच जारी है। जांच एजेंसियां इस बात का पता लगाने में जुटी हैं कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग कौन हैं और ड्रग्स की सप्लाई चेन कितनी दूर तक फैली हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान तस्करी से जुड़े आगे और पीछे के लिंक की पहचान की जाएगी, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके और इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। पंजाब पुलिस ने कहा कि वह राज्य में सीमापार से होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए लगातार अभियान चला रही है। पुलिस ने दोहराया कि ड्रग्स के काले कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नितिन नवीन ने भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं से जम्मू-कश्मीर में पार्टी की पहुंच बढ़ाने का किया आह्वान

जम्मू । भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के सांसदों, विधायकों, पूर्व विधायकों और पूर्व डीडीसी सदस्यों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने जनसंपर्क बढ़ाने और जमीनी स्तर पर पार्टी को और मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने जम्मू का अपना दो दिवसीय दौरा पूरा किया। उनके सुबह के कार्यक्रम की शुरुआत केशव भवन में हुई, जहां उन्होंने आरएसएस पदाधिकारियों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और राज्य कोर ग्रुप की बैठक की अध्यक्षता की। केशव भवन में हुई एक बैठक में उन्होंने आरएसएस नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बातचीत की। इसके बाद उन्होंने मौजूदा विधायकों, पूर्व विधायकों, डीडीसी सदस्यों और स्थानीय पंचायत प्रमुखों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। राज्य कोर ग्रुप की बैठक में उन्होंने केंद्रशासित प्रदेश में पार्टी के रणनीतिक, राजनीतिक लक्ष्यों पर केंद्रित चर्चाओं का नेतृत्व किया। उन्होंने एक युवा संवाद में भाग लिया, जिसके दौरान उन्होंने युवा पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत की और उनसे पूरे क्षेत्र के युवाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने का आग्रह किया। नई दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने माता वैष्णो देवी मंदिर जाकर भी अपनी श्रद्धा अर्पित की।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने आरटीओ में अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए

एजेंसी
मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में घोषणा की कि राज्य के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में कथित अनियमितताओं, कर चोरी और अन्य गड़बड़ियों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी। विधायक विजय वडेट्टीवार द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के उत्तर में फडणवीस ने कहा कि इस मामले पर परिवहन मंत्री से चर्चा की गई है और सदन के सदस्यों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लिया गया है। चर्चा के बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने इस मामले पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महंगी लग्जरी गाड़ियों के पंजीकरण से संबंधित कई मामलों में कर चोरी देखी गई है। कुछ वाहन मालिक महाराष्ट्र में रहने और राज्य के बैंकों से ऋण लेने के बावजूद दादरा और नगर हवेली, दमन और

दीव और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में अपने वाहनों का पंजीकरण करा रहे हैं। आरटीओ ने ऐसी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। भविष्य में कर चोरी रोकने के लिए, जीएसटी जांच, बैंक ऋण दस्तावेजों और आवासीय प्रमाणों सहित एक सख्त सत्यापन प्रक्रिया लागू की जाएगी। इसके अलावा सरनाइक ने घोषणा की कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रियंका नारनवारे की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, जो आरटीओ विभाग के खिलाफ शिकायतों, वीडियो फुटेज और अन्य आरोपों की स्वतंत्र रूप से जांच करेगा। समिति में अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवि गायकवाड़ और सतर्कता अधिकारी मंदार जावले भी शामिल हैं। समिति को एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। इस बीच, जनजातीय विकास मंत्री अशोक उइके ने विधानसभा को सूचित किया कि ठाणे के चराई स्थित एमटीएनएल भवन में जनजातीय विकास विभाग में कार्यरत प्रथम श्रेणी के उप निदेशक (अनुसंधान) को रिश्वतखोरी के एक मामले के बाद तत्काल निलंबित कर दिया गया है। सचिव की मंजूरी से विभागीय जांच के लिए आरोप पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया वर्तमान में चल रही है। विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान विधायक राजू तोडसाम द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए उइके उपस्थित थे। विधायक धर्माराव अत्राम भी चर्चा में शामिल हुए। घटना का विस्तृत विवरण देते हुए उइके ने बताया कि भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) को 13 फरवरी, 2026 को एक शिकायत प्राप्त हुई थी।

अब सिर्फ धर्म रक्षा के लिए काम करूंगा: दिग्विजय सिंह

एजेंसी
भोपाल । मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राजनीति नहीं बल्कि धर्म रक्षा के लिए काम करने का ऐलान किया है। दिग्विजय सिंह उज्जैन से अयोध्या तक की पद यात्रा करने वाले हैं, यह घोषणा उन्होंने पिछले दिनों की थी। अब उन्होंने कहा कि वे राजनीति नहीं, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए काम करेंगे।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि वह 80 साल के हो गए हैं, पार्टी ने उन्हें पांच बार विधायक बनाया, दो बार लोकसभा में भेजा और दो बार राज्यसभा में। इस बार उन्होंने पार्टी से कह दिया था कि और किसी को जगह दें। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनकी यह यात्रा धर्म रक्षा के लिए होगी, धर्म रक्षा के लिए काम करेंगे, वह कोई राजनीति नहीं करेंगे। वह किसी तरह का राजनीतिक बयान नहीं देंगे, अपने सोशल मीडिया पर भी कोई राजनीतिक प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं करेंगे। जब दिग्विजय सिंह से पूछा गया कि क्या वे किसी नेता को अपनी उज्जैन से अयोध्या तक की यात्रा में आमंत्रित करेंगे, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह किसी को आमंत्रित नहीं करेंगे।

हां, अयोध्या के कार सेवक संतोष दुबे को जरूर आमंत्रित करेंगे, जिन्हें चार गोलियां लगी थीं। वह मेरे मुख्य अतिथि होंगे। दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह दशहरे के मौके पर उज्जैन से अयोध्या तक की यात्रा करने वाले हैं। वह दावा यही कर रहे हैं कि उनकी यह यात्रा पूरी तरह अराजनीतिक होगी।

मोतिहारी में बिना वैध दस्तावेज के रह रही यूक्रेनी महिला गिरफ्तार, नेपाल भागने की कोशिश नाकाम

एजेंसी
पटना । बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त कार्रवाई में यूक्रेन की एक महिला नागरिक को बिना वैध यात्रा और आव्रजन दस्तावेज के गिरफ्तार किया गया है। महिला पर अवैध रूप से भारत में रहने तथा हरपुर बॉर्डर के रास्ते नेपाल में प्रवेश करने का प्रयास करने का आरोप है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, हरपुर थाने की पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम सैनिक रोड के समीप भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में विशेष जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान एक विदेशी महिला की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर उसे रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान जब उससे भारत में रहने और यात्रा से संबंधित दस्तावेज मांगे गए तो वह पासपोर्ट, वीजा अथवा अन्य कोई वैध आव्रजन दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला बिना किसी वैध अनुमति के भारत में रह रही थी और हरपुर सीमा के रास्ते अवैध रूप से नेपाल जाने

की कोशिश कर रही थी। इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूर्वी चंपारण के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि हरपुर थाना एवं एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में यूक्रेन की महिला नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि महिला के पास भारत में रहने अथवा अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने से जुड़े कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले हैं, इसलिए उसे कानून के अनुसार गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी ने बताया कि महिला से विभिन्न सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि वह भारत में कब और किस रास्ते से दाखिल हुई, यहां किन लोगों के संपर्क में रही और नेपाल जाने के पीछे उसका उद्देश्य क्या था। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस मामले में किसी स्थानीय या अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की भूमिका तो नहीं है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। सीमा क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने निगरानी भी और कड़ी कर दी है।

एसआईटी रिपोर्ट के बाद देंगे जवाब', इस्तीफे के बाद चंपत राय का पहला बयान, रामायण की चौपाई का भी किया जिक्र

एजेंसी
अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने ट्रस्ट के पद से हटने के बाद पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी। उनके नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पत्र सामने आया, जिसमें उन्होंने रामभक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि वह विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों का क्रमवार जवाब देंगे। साथ ही गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस के अयोध्या कांड की चौपाई 'धीरज धरम मित्र अरु नारी। आपद काल परिखिअहिं चारी' शेयर की गई है। चंपत राय ने अपने पत्र में लिखा, 'पिछले 7 जून 2026 से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर के दानपात्र की गणना के समय हुई चोरी के संबंध में अनेक प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं। व्यक्तिगत रूप से मेरे ऊपर भी अनेक लोगों ने निराधार आरोप लगाए हैं। मैंने इस पूरे मामले पर मौन धारण कर लिया है।' उन्होंने कहा, 'मंदिर ट्रस्ट की जुलाई माह की सामान्य बैठक में एसआईटी की प्राथमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जो अब सार्वजनिक भी

हो चुकी है। यह रिपोर्ट 'परम गोपनीय' थी।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आश्वस्त करता हूं कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद फैलाए जा रहे सभी बिंदुओं पर क्रमवार अपना उत्तर दूंगा। तब पूरा सत्य सभी के सामने आ जाएगा।' अपने संगठनात्मक जीवन का उल्लेख करते हुए चंपत राय ने लिखा, 'मुझे वर्ष 1991 के अक्टूबर माह में संगठन द्वारा अयोध्या भेजा गया था। मेरा प्रचारक जीवन 45 वर्षों का है। जहां-जहां मैं रहा, मेरा जीवन एक खुली पुस्तक की तरह रहा है।' पत्र के अंत में उन्होंने लिखा, 'सभी को आदरपूर्वक नमन।' बता दें कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में चंपत राय का महासचिव पद से इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया था। इसके बाद कृष्ण मोहन को नए महासचिव की नियुक्ति होने तक अंतरिम महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बेंगलुरु पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5.70 करोड़ के ड्रग्स जब्त, 11 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी
बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने बड़ी कार्रवाई में लगभग 5.70 करोड़ रुपए कीमत के 35 किग्रा से ज्यादा प्रतिबंधित नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। इसी के साथ पुलिस ने इस मामले में 11 कथित ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दूसरे राज्यों के नौ लोग और दो स्थानीय निवासी शामिल हैं। जारी एक आधिकारिक बयान में पुलिस ने कहा कि उन्होंने ऑपरेशन के दौरान 2 किलो एमडीएमए, 1.767 किलो हाइड्रो गांजा और 32.920 किलो गांजा जब्त किया। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों से 5.90 लाख रुपए नकद, दो आईफोन और एक दोपहिया वाहन भी बरामद किया। ऑपरेशन प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की बिक्री के बारे में मिली जानकारी के आधार पर विद्यारण्यपुरा, जेबी नगर, देवनहल्ली और हेब्बागोडी पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में चलाए गए।पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने आसानी से पैसे कमाने के लिए ड्रग्स बेचना शुरू किया था। उन्होंने जांचकर्ताओं को बताया कि वे दूसरे राज्यों के सप्लायर्स से कम कीमत पर नशीले पदार्थ खरीदते थे और उन्हें कॉलेज के छात्रों सहित आम लोगों को बहुत ज्यादा कीमतों पर बेचते थे।

पुलिस ने कहा कि उन अज्ञात

सप्लायर्स का पता लगाने और पकड़ने की कोशिशें जारी हैं, जिन्होंने आरोपियों को नशीले पदार्थ उपलब्ध कराए थे। मामले की जांच हर संभव पहलू से की जा रही है। वहीं, सभी 11 आरोपियों को संबंधित अदालतों में पेश किया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस बयान के अनुसार, ऑपरेशन्स का नेतृत्व डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (नॉर्थ ईस्ट) जीके. मिथुन कुमार, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (ईस्ट) विक्रम अम्टे और डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी) एम नारायण ने किया।

जब्त किए गए सामान में विद्यारण्यपुरा पुलिस ने 2 किलो एमडीएमए बरामद किया, जिसकी कीमत लगभग 4 करोड़ रुपए है। जेबी नगर पुलिस ने 1.767 किलो हाइड्रो गांजा, 5.90 लाख रुपए नकद, दो आईफोन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया। जब्त सामान की कुल कीमत लगभग 1.37 करोड़ रुपए आंकी गई है।

बयान में कहा गया है कि देवनहल्ली पुलिस ने लगभग 16.70 लाख रुपए कीमत का 16.920 किलो गांजा जब्त किया, जबकि हेब्बागोडी पुलिस ने लगभग 16 लाख रुपए कीमत का 16 किलो गांजा बरामद किया।

एक अन्य घटनाक्रम में बेंगलुरु पुलिस ने अपने मालिक के घर चोरी करने के आरोप में घरेलू सहायक को गिरफ्तार किया है और 262 ग्राम सोने के गहने, 2.366 किलो चांदी के बिस्कुट और चांदी की वस्तुएं, 65,000 रुपए नकद और पांच रेशमी साड़ियां बरामद की हैं। इसकी कुल कीमत 50 लाख रुपए आंकी गई है। जयनगर के 5वें ब्लॉक की रहने वाली शिकायतकर्ता ने 9 अप्रैल को पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी घरेलू सहायिका पर शक था, जो लगभग 18 वर्ष से उनके घर में काम कर रही थी। शिकायत के आधार पर जयनगर पुलिस स्टेशन में घर में चोरी का मामला दर्ज किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने पूछताछ के लिए घरेलू सहायिका को 22 जून को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान, उसने शिकायतकर्ता के घर से सोने के गहने, चांदी की चीजें, चांदी के बिस्कुट और नकदी चोरी करने की बात कबूल कर ली। आरोपी को अदालत में पेश किया गया और चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

हिमाचल में मानसून फिर हुआ सक्रिय, 6 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी
शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। मौसम विज्ञान केंद्र, शिमला ने अगले 48 घंटे प्रदेश के लिए चुनौतीपूर्ण बताते हुए शिमला, मंडी, कांगड़ा, चंबा, सिरमौर और ऊना जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने लोगों और पर्यटकों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा प्रशासन की ओर से जारी एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों के दौरान कई इलाकों में तेज बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। लगातार वर्षा के कारण भूस्खलन, अचानक बाढ़, नालों का जलस्तर बढ़ने, जलभराव और पहाड़ी सड़कों पर फिसलन का खतरा भी बढ़ सकता है। विभाग ने चेतावनी दी है कि संवेदनशील क्षेत्रों में यातायात बाधित हो सकता है। इसके अलावा बिजली और पेयजल सेवाओं पर भी असर पड़ने की आशंका है।

मौसम विज्ञान केंद्र, शिमला के निदेशक शोभित कटियार ने बताया कि प्रदेश में अगले पांच से सात दिनों तक मानसून सक्रिय बना रहेगा। मध्य और निचले पर्वतीय क्षेत्रों में कई स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की जा

सकती है। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और आवश्यकता पड़ने पर समय-समय पर नई चेतावनी जारी की जाएगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में 22 जुलाई तक तथा निचले इलाकों में अगले कई दिनों तक मानसून सक्रिय रहने की संभावना है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला: पुलिस ने तीन आरोपियों को 1 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

बैंक खातों की होगी गहन जांच

एजेंसी
अयोध्या । राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में जुटी अयोध्या पुलिस को तीन आरोपियों की रिमांड मिली है। अदालत ने इस मामले में तीन आरोपियों को एक दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस अब तीनों से पूछताछ कर चोरी की गई राशि, बैंक खातों में हुए लेनदेन और अन्य वित्तीय पहलुओं की जांच करेगी। अदालत ने जिन आरोपियों को पुलिस रिमांड पर भेजा है, उनमें लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के बैंक खातों से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन की पड़ताल के लिए रिमांड जरूरी थी। जांच एजेंसियों को संदेह है कि मंदिर के चढ़ावे का कुछ हिस्सा विभिन्न सामानों की खरीद और अन्य कार्यों में इस्तेमाल किया गया है। ऐसे में बैंक रिकॉर्ड और डिजिटल लेनदेन की जांच से मामले से जुड़े नए तथ्य सामने आ सकते हैं।

जांच के दौरान पुलिस पहले ही आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद कर चुकी है। पुलिस के अनुसार, लवकुश मिश्रा के पास से 14.25 लाख रुपए, अनुकल्प मिश्रा के पास से 16.82 लाख रुपए और करूणेश पांडेय के पास से 18.07 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास करेगी कि इन रकम का स्रोत क्या है और इनका संबंध कथित चढ़ावा चोरी से है या नहीं।

सूत्रों के मुताबिक, रिमांड अवधि के दौरान पुलिस आरोपियों से बैंक खातों में जमा राशि, संपत्तियों की खरीद, नगदी के इस्तेमाल और अन्य संदिग्ध वित्तीय लेनदेन के संबंध में पूछताछ करेगी। करुणेश पांडेय के मामले में उसकी पत्नी के बैंक खाते में जमा 18 लाख रुपए को लेकर भी सवाल उठे हैं। पुलिस इस रकम के स्रोत की भी जांच करेगी।

वहीं, एसआईटी की जांच में अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय और रामाशंकर मिश्रा के खिलाफ प्रथम दृष्टया साक्ष्य मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया था। जांच एजेंसियां अब पुलिस रिमांड के दौरान प्राप्त जानकारी और बैंक रिकॉर्ड के आधार पर मामले की आगे की कड़ियां जोड़ने में जुटी हैं।

पुलिस का मानना है कि पूछताछ के दौरान कुछ और महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं और मामले में अतिरिक्त बरामदगी की भी संभावना है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच फिलहाल जारी है।

सुप्रिया सुले ने NCP (SP) के महायुति में शामिल होने की अफवाहों को किया खारिज

एजेंसी
मुंबई । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले ने अपनी पार्टी के महायुति से गठबंधन की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि इनमें कोई सच्चाई नहीं है। जब मीडियाकर्मियों ने एनसीपी (एसपी) के महायुति की ओर बढ़ने की अटकलों पर सवाल उठाए तो उन्होंने पत्रकारों से बात की। मीडियाकर्मियों ने विशेष रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े और एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल के बीच हुई कथित बातचीत का जिक्र किया। सुले ने इस मुलाकात की राजनीतिक गंभीरता को कम आंकते हुए मजाकिया अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि ऐसी कोई मुलाकात हुई थी या नहीं, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वे और जयंत पाटिल एक ही समिति में काम करते हैं, इसलिए अक्सर मिलते रहते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एक महीने में ही उनकी और उनके सहयोगियों की 21 बार मुलाकात हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कई नेता इस समूह का हिस्सा हैं और वे नियमित रूप से ऐसे कई नेताओं के साथ बैठक करते हैं।

उन्होंने इस मुलाकात को राजनीतिक सौदेबाजी के बजाय एक सामान्य प्रशासनिक कार्य बताया।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी जल्द ही सत्ता में नजर आएगी, तो सुले ने कहा कि उनकी प्राथमिक भूमिका आम जनता की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि लोग पिछले 12 वर्षों से उनके बारे में अटकलें लगा रहे हैं। अगर मौजूदा सरकार ऐसे ही चलती रही, तो एनसीपी और उनके सहयोगियों के पास सत्ता हथियाने के लिए कड़ी लड़ाई लड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उन्होंने आगे कहा कि भगवान ही जाने मौजूदा सरकार आगे क्या करेगी। सुले ने अयोध्या राम मंदिर, किसानों के ऋण माफी और बुनियादी ढांचे की विफलताओं सहित कई मोर्चों पर सत्ताधारी सरकार पर तीखे हमले करते हुए हास्यपूर्ण ढंग से सवालों को टाल दिया। सुले ने अयोध्या के राम मंदिर मामले में भाजपा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन पर तीखा हमला बोला और हाल ही में वायरल हुए वीडियो का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मंदिर से धन और चांदी ले जाते हुए वीडियो सामने आए हैं, जिन्हें भाजपा के अपने चैनलों ने प्रसारित किया है। उन्होंने कहा कि पूरे भारतीय जनता ने अथक परिश्रम और मेहनत से इस मंदिर का निर्माण करवाया है और यह मर्यादा पुरुषोत्तम राम का मंदिर है। उन्होंने पूछा कि अगर वहां भी भ्रष्टाचार हो रहा है, तो फिर क्या कहा जा सकता है? भाजपा द्वारा विपक्ष पर लगाए जाने वाले लगातार आरोपों को निशाना बनाते हुए सुले ने कहा कि भाजपा देश के मूल्यों को आकार देने वाली कांग्रेस और एनसीपी को भ्रष्ट कहती है। उन्होंने कहा कि आज उन्हें भगवान राम को भी न बख्शने का जवाब देना होगा। उन्होंने उन पर किसानों के ऋण माफी के नाम पर धोखाधड़ी करने और भगवान राम को धोखा देने का पाप करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें जनता को जवाब देना होगा। सुले ने मानसून की बारिश के बाद कृषि संकट और हाल ही में हुए बुनियादी ढांचे के कुप्रबंधन को लेकर महायुति सरकार की कड़ी आलोचना की, विशेष रूप से मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के 'मिसिंग लिंक' खंड पर हुए भूस्खलन का जिक्र किया।

बांकीपुर उपचुनाव : भाजपा ने अभिषेक कुमार बंटी को बनाया प्रत्याशी

एजेंसी
पटना। बिहार की प्रतिष्ठित बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने प्रत्याशी की घोषणा कर दी। पार्टी ने युवा नेता अभिषेक कुमार बंटी को चुनाव मैदान में उतारते हुए संगठन में लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ता पर भरोसा जताया है। बांकीपुर सीट को भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता है और इस उपचुनाव पर राज्य की राजनीति की विशेष नजर बनी हुई है। अभिषेक कुमार बंटी को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का करीबी माना जाता है। वह लंबे समय से भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) और पार्टी के संगठनात्मक कार्यों से जुड़े रहे हैं। राजधानी पटना की इस महत्वपूर्ण सीट से उन्हें उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने एक ओर युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने का संदेश दिया है, वहीं संगठन में लंबे समय से कार्य कर रहे समर्पित कार्यकर्ताओं को भी प्रोत्साहित करने का प्रयास किया है। अभिषेक कुमार कायस्थ समाज से आते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में कायस्थ मतदाताओं की उल्लेखनीय संख्या है। ऐसे में भाजपा का यह निर्णय संगठनात्मक मजबूती के साथ-साथ सामाजिक समीकरणों को साधने की रणनीति का भी हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी को उम्मीद है कि अभिषेक का सामाजिक आधार, स्थानीय पहचान और संगठन में सक्रिय भूमिका चुनावी मुकाबले में उसे बढ़त दिलाने में सहायक होगी।

भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में अभिषेक कुमार ने युवाओं के बीच संगठन को मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान चलाने, जनसंपर्क कार्यक्रमों के संचालन तथा विभिन्न राजनीतिक अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने पार्टी के कई संगठनात्मक कार्यक्रमों के सफल संचालन, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय और जनसरोकार के मुद्दों को उठाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन्हीं अनुभवों और संगठन में उनकी सक्रियता को देखते हुए भाजपा नेतृत्व ने उन्हें विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अभिषेक कुमार की उम्मीदवारी का स्वागत करते हुए इसे समर्पित कार्यकर्ताओं के सम्मान का निर्णय बताया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि उनकी संगठनात्मक क्षमता, कार्यकर्ताओं के बीच मजबूत पकड़, जनता से निरंतर संपर्क और विभिन्न सामाजिक वर्गों से संवाद स्थापित करने की योग्यता भाजपा की चुनावी स्थिति को और मजबूत करेगी।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की हार जारी

● इंग्लैंड ने टीम इंडिया को किया 76 पर ढेर

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने भारत को 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच मैच में 125 रनों से हरा दिया और 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में मंगलवार (7 जुलाई) को भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। फिल सॉल्ट ने अर्धशतक जड़ा। भारत के लिए प्रिंस यादव ने अच्छी गेंदबाजी की। 2 विकेट झटके। इसके जवाब में भारत 11.4 ओवर में 76 रन पर ढेर हो गया।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने जबरदस्त गेंदबाजी की। जोफ्रा आर्चर (3 ओवर में 3/29) और जोश टंग (4 ओवर में 4/28) ने पावरप्ले में जबरदस्त आक्रामकता के साथ गेंदबाजी की। जब भारत का स्कोर पांच ओवर में 5 विकेट पर 52 रन हो गया, तभी मैच का नतीजा लगभग तय हो गया था।

सबसे बुरी बात यह रही कि यह हाल के समय में भारत के सबसे खराब बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक था, जिसमें खराब शॉट चयन और लड़ने का जज्बा न होना साफ दिखा। बाकी का समय बस औपचारिकता भर था। पावरप्ले के दौरान शिवम दुबे से पहले नंबर 7 पर हर्षित राणा जैसे 'हिट-एंड-मिस' वाले खिलाड़ी को भेजने पर कई लोगों ने हैरानी भी जताई।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दो छक्के लगाए (एक जोफ्रा आर्चर और एक जोश टंग की गेंद पर) लेकिन उनकी 13 रन की पारी सिर्फ पांच गेंदों में खत्म हो गई। उनके दाहिने कंधे पर आए एक तेज बाउंसर पर उन्होंने हुक शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे जोस बटलर के दस्तानों में चली गई। इससे वैभव सूर्यवंशी को यह अहसास हो गया कि इंटरनेशनल क्रिकेट हमेशा बच्चों का खेल नहीं होता।

अभिषेक शर्मा डीप एक्स्ट्रा कवर पर कैच आउट हो गए। यह वही इलाका है जहां वह पहले भी कई बार आउट हो चुके हैं। इशान किशन ने हुक करके एक छक्का तो लगाया, लेकिन जल्द ही आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर फ्लिक करने की कोशिश की और स्क्वायर के पीछे खड़े फील्डर के हाथों में गेंद मार बैठे। अक्षर पटेल को शॉर्ट बॉल की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें फुलर लेंथ मिली और उसका किनारा लगकर गेंद स्टंप्स के पीछे चली गई।

भारत की सबसे बड़ी हार

दूसरे सबसे कम स्कोर पर आउट

पावरप्ले में पहली बार गंवाए 5 विकेट

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी है। इंग्लैंड ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मंगलावर (7 जुलाई) को 125 रनों से हरा दिया। यह भारतीय टीम की सबसे बड़ी हार है। वह टी20 इंटरनेशनल में पहली बार 100 से ज्यादा रन से हारी। टॉस हारकर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 11.4 ओवर में 76 रन पर आउट हो गई। यह भारत का सबसे न्यूनतम स्कोर है। भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवा दिए। छठे ओवर में ही हर्षित राणा बल्लेबाजी के लिए आ गए। पहली बार ऐसा हुआ कि भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवाए। वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद 5 मैचों से जीत का इंतजार है। उसने 4 मैच गंवाए हैं और 1 मैच बेनतीजा रहा है। भारत ने जीत के लिए कभी इतना लंबा इंतजार नहीं किया।

भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी

- 125 रन से इंग्लैंड ने हराया, ट्रेंटब्रिज, 2026
- 80 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, वेलिंगटन, 2019
- 76 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, अहमदाबाद, 2026
- 51 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, मुल्लनपुर, 2025
- 50 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, विशाखापत्तनम, 2026

(ऊपर दिए गए पांच में से चार दिसंबर 2025 के बाद आए हैं)

पेरिस एफसी ने पूर्व चेल्सी कोच लियाम रोसेन्योर को हेड कोच नियुक्त किया

पेरिस। पूर्व चेल्सी हेड कोच लियाम रोसेन्योर को पेरिस एफसी ने अपनी पुरुष टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया है। कुछ महीनों पहले प्रीमियर लीग ने उन्हें पद से हटाया था, जिसके बाद इंग्लिश कोच को यह जिम्मेदारी मिली है। लीग 1 की इस टीम ने मंगलवार को पुष्टि की है कि 41 वर्षीय रोसेन्योर ने जून 2028 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। वे आधिकारिक तौर पर 9 जुलाई से काम शुरू करेंगे, जब टीम प्री-सीजन ट्रेनिंग के लिए लौटेगी। रोसेन्योर, एंटोनी कोम्बोउरे की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में क्लब को 11वें स्थान पर पहुंचाने से पहले लीग 1 में बने रहने में मदद की थी। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद, क्लब ने कोम्बोउरे के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का फैसला किया, क्योंकि वह एक नया अध्याय शुरू करना चाहता है। अप्रैल में चेल्सी में अपने छोटे से कार्यकाल के खत्म होने के बाद रोसेन्योर फुटबॉल मैनेजमेंट में वापसी कर रहे हैं। पूर्व डिफेंडर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चार महीने से भी कम समय तक रहे और फिर क्लब से अलग हो गए।

पेरिस एफसी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को तैयार करने और फुटबॉल का एक महत्वाकांक्षी, आक्रामक शैली अपनाने के लिए रोसेन्योर की ख्याति ने उन्हें क्लब को अगले चरण में ले जाने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया। क्लब ने एक बयान में कहा, '41 वर्षीय लियाम रोसेन्योर के पास पहले से ही उच्चतम स्तर का काफी अनुभव है। युवा प्रतिभाओं को निखारने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले लियाम रोसेन्योर, पेरिस एफसी की विचारधारा और स्पोर्टिंग प्रोजेक्ट के लिए एकदम सही हैं। महत्वाकांक्षी, आकर्षक और आक्रामक फुटबॉल के प्रति उनका नजरिया क्लब की भविष्य की महत्वाकांक्षाओं से मेल खाता है।' पेरिस एफसी के स्पोर्टिंग डायरेक्टर मार्को नेपे ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए रोसेन्योर को एक आधुनिक कोच बताया जो खिलाड़ियों और टीम दोनों को विकसित करने में सक्षम हैं। नेपे ने कहा, 'लियाम रोसेन्योर में वे सभी गुण हैं जिनकी हमें तलाश थी।

जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में गौतम गंभीर नहीं होंगे भारत के कोच

वीवीएस लक्ष्मण संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे के बाद जिम्बाब्वे दौरे पर 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए सोमवार (6 जुलाई) को श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम का ऐलान हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को एशियन गेम्स में खेलने है। खबर है कि जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर नहीं होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के लॉग रिकॉर्ड के अनुसार जुलाई के अंत में जिम्बाब्वे दौरे और सितंबर में एशियन गेम्स के लिए कोचिंग स्टाफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से होगा। वीवीएस लक्ष्मण के सपोर्ट

स्टाफ की अगुआई करने की उम्मीद है। सीओई में उनके साथी कोच सुनील जोशी और ऋषिकेश कानिटकर के भी उनके साथ जुड़ने की संभावना है।

एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज सीरीज में टकराव

यह व्यवस्था खास तौर पर इसलिए जरूरी है क्योंकि जापान के नागोया में होने वाले एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की घरेलू सीरीज में टकराव होना है। इससे पहले सितंबर के बीच में भारत में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी। इत्तेफाक से अफगानिस्तान उस सीरीज का मेजबान होगा। जिम्बाब्वे दौरे के योजना के मुताबिक, भारतीय टीम के कुछ सदस्य 19 जुलाई को हरारे पहुंचेंगे।

जिम्बाब्वे में 3 मैचों की सीरीज- बाकी खिलाड़ी 19 जुलाई को लॉर्ड्स में तीसरे और आखिरी वनडे के बाद 20 जुलाई को टीम से जुड़ेंगे। टीम 20 से 22 जुलाई तक और फिर 24 जुलाई को आराम करेगी और ट्रेनिंग करेगी।

0-2 से पिछड़ने के बाद अर्जेंटीना की शानदार वापसी

11 मिनट में पलटी बाजी, मेसी बने संकटमोचक

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी ने एक बार फिर अर्जेंटीना के लिये 'संकटमोचक' की भूमिका निभाई और मिस्र के खिलाफ 79वें मिनट तक 2 गोल से पिछड़ रही मौजूदा चैम्पियन टीम को 3-2 से जीत के साथ विश्व कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया। निर्धारित समय में 11 मिनट बाकी रहने तक अर्जेंटीना दो गोल से पिछड़ रहा था और ऐसा लगने लगा था कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद मेसी की फुटबॉल के महासमर से विदाई का समय आ गया है। इसके बाद अर्जेंटीना ने चमत्कारिक वापसी करते हुए तीन गोल दागकर जीत दर्ज की और दुनिया भर में उसके करोड़ों प्रशंसकों ने भी राहत की सांस ली। इसमें से बराबरी का गोल 83वें मिनट में छठा विश्व कप खेल रहे मेसी ने दागा था जिनके अब विश्व कप कैरियर में 21 गोल हो गए हैं। अब अर्जेंटीना का सामना शनिवार (11 जुलाई) को कंसास सिटी में स्विटजरलैंड या कोलंबिया से होगा।

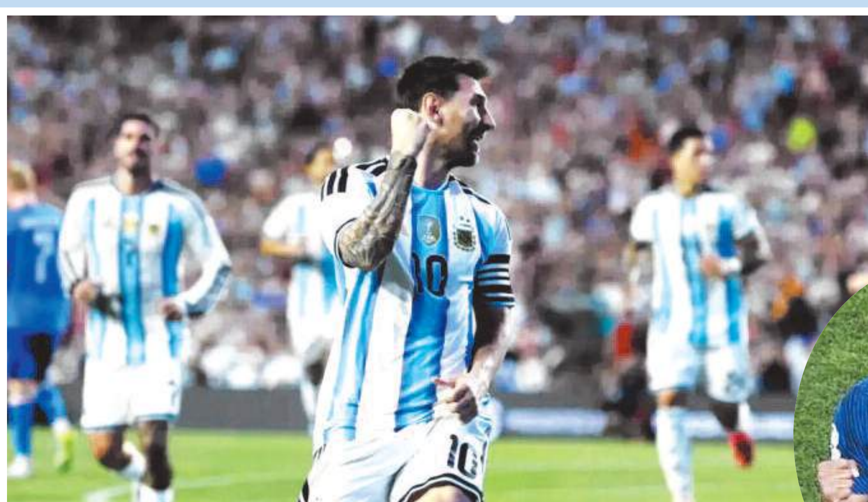

मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके

आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके। उन्होंने 83वें मिनट में इस विश्व कप में आठवां गोल करके टीम को 2-2 से बराबरी पर पहुंचाया। विजयी गोल स्टॉपेज टाइम में एंजो फर्नांडिस ने दागा। वहीं क्रिस्टियन रोमेरो ने 79वें मिनट में अर्जेंटीना के लिये पहला गोल किया था।

मेसी पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए

मिस्र ने यासिर इब्राहिम और मुस्तफा जिको के गोल के दम पर 2-0 से बढ़त बना ली थी। मेसी को पहले हाफ में मौका मिला था, लेकिन उनकी पेनल्टी किक को मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने बचा लिया था। फिर जब स्कोर 1-0 था, तब उनका शॉट गोलपोस्ट से टकरा गया। अर्जेंटीना की नजरें लगातार दूसरी बार खिताब जीतने वाली ब्राजील (1958 और 1962) के बाद पहली टीम बनने पर है।

15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली- मैच से पहले अर्जेंटीना को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन 15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली जब लिसांद्रो मार्तिनेज को चकमा देकर इब्राहिम ने मारवान आतिया के क्रॉस पर गोल दाग दिया। अर्जेंटीना को तुरंत पेनल्टी स्पॉट के साथ बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेसी के शॉट को शोबीर ने बायीं ओर डाइव लगाकर बचा लिया।

एम्बाप्पे के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की जांच शुरू

पराग्वे के सांसद ने परवरिश का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली। विश्व कप में फ्रांस के हाथों पराग्वे की हार के बाद पराग्वे के एक सांसद द्वारा कीलियन एम्बाप्पे के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किये जाने के मामले में फ्रांस के अभियोजकों ने गंभीर सार्वजनिक अपमान और नफरत या हिंसा भड़काने के आरोपों में जांच शुरू कर दी है। फ्रांस के अभियोजकों के कार्यालय ने मंगलवार (7 जून) को बताया कि आनलाइन घृणा से निपटने वाली राष्ट्रीय ईकाई को फ्रेंच फुटबॉल महासंघ से शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की गई है। पराग्वे की लिबरल रेडिकल पार्टी की सीनेटर सेलेस्टी अमारिला ने एक्स पर नस्लीय टिप्पणी की थी। इससे पहले एम्बाप्पे के गोल के दम पर फ्रांस ने पराग्वे को हराया था। अमारिला ने फ्रांस के कप्तान के मूल, परवरिश, शिक्षा और चेहरे मोहरे का मजाक बनाया था। फ्रांस क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है जहां उसका सामना मोरक्को से होगा। एम्बाप्पे ने उन्हें 'घिनौनी महिला' करार देते हुए कहा था कि वह पराग्वे की कांग्रेस में सेवा के लायक नहीं हैं।

अमारिला ने पत्र जारी किया

बाद में अमारिला ने सोशल मीडिया पर एम्बाप्पे के लिए फ्रेंच और स्पेनिश भाषा में एक खुला पत्र जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी समस्या खिलाड़ी से थी, न कि फ्रांस देश से।

अभिषेक नंबर 1

वैभव टॉप-10 से बाहर

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-15 खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत को बेशक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में रन के लिहाज से सबसे बड़ी हार मिली हो, बेशक इस मैच में भारतीय बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से लड़खड़ा गई हो, लेकिन इस मुकाबले के बाद अगर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-15 बल्लेबाजों की बात करें तो अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर हैं।

वहीं इस टी20 सीरीज के दूसरे मैच में डेब्यू करने वाले वैभव सूर्यवंशी टॉप-10 से बाहर हैं।

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 मैच के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक की मदद से 112 रन बनाए हैं जबकि दूसरे नंबर पर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ अब तक कुल 110 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के बैटर जैकब बेथेल इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 89 रन बनाए हैं। वैभव सूर्यवंशी इस लिस्ट में टॉप-10 से बाहर हैं। वैभव ने 2 मैचों में 27 रन बनाकर 12वें नंबर पर हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: देश का मान बढ़ाने टीम इंडिया ग्लास्गो रवाना

नई दिल्ली। भारत फिर दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों में से एक पर अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार है। देश के खिलाड़ी अब स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगे का मान बढ़ाने उतरेंगे। इस मौके पर भारतीय ओलंपिक संघ ने मंगलवार सात जुलाई 2026 को खिलाड़ियों और अधिकारियों के दल को भव्य विदाई दी। साथ ही उन आधिकारिक सेरेमोनियल और प्रतियोगिता किट का भी अनावरण किया, जिसे भारतीय खिलाड़ी ग्लास्गो में पहनेंगे। इस समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह मौजूद रहे। खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, ''हमारे खिलाड़ी नए भारत की खेल प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और आकांक्षाओं के प्रतीक हैं। मैं

खिलाड़ियों की भव्य विदाई, नई किट भी लॉन्च

सभी खिलाड़ियों से कहना चाहता हूं कि वे बिना किसी डर के खेलें, खेल भावना का सम्मान करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।''

23 जुलाई से होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के बारे में मनसुख मांडविया ने कहा, ''ग्लास्गो में हमारे सर्वश्रेष्ठ खेलों में से दस नहीं है, लेकिन खेल तो खेल है। हमें यकीन है कि हमारे खिलाड़ी पूरे उत्साह से खेलेंगे और देश को गौरवान्वित करके विश्व खेल जगत में भारत की छवि और मजबूत करेंगे।'' कार्यक्रम में खेल सचिव हरि रंजन राव, भारतीय दल के चीफ-डि-मिशन रोहित राजपाल और डिप्टी चीफ-डि-मिशन रवि बंगानी भी मौजूद रहे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, ''आज भारतीय खेलों के लिए एक नए गौरवशाली अध्याय की शुरुआत है। भारत की जर्सी पहनने वाले हर खिलाड़ी ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और त्याग के दम पर यह मौका हासिल किया है।

खेलों में मेजबान के तौर पर बढ़ रही भारत की साख: मनसुख मांडविया

इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वैश्विक खेल समुदाय में भारत के बढ़ते कद की बानगी इससे मिलती है कि भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की संख्या बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ अर्से में कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी की है, जिसमें विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है।

मनुसख मांडविया ने कहा, ''खेल आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। एक समय वह भी था जब महासंघ विश्व और अंतरराष्ट्रीय महासंघों से भारत में एशियाई खेल, एशियाई चैंपियनशिपस, विश्व चैंपियनशिप के आयोजन के लिए कहते थे लेकिन उन्हें भारत के सामर्थ्य पर संदेह रहता था।''

हमेशा आकांक्षा के साथ खड़ा हूं

चर्चित एक्टर और रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ने लॉकअप सीजन 2 में हिस्सा लिया है। यहां उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया कि वे और गौरव तलाक ले रहे हैं। आकांक्षा ने यह भी कहा कि वे सालभर से अलग-अलग रहते हैं। पत्नी की तरफ से तलाक की पुष्टि के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार इस पर रिएक्शन दिया है।

तलाक की चर्चाओं के बीच गौरव खन्ना 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच एक्टर आज 30 जून को पहली बार 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट पर नजर आए। गौरव 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट के बाहर पैपराजी को पोज दिए। जैसे ही उन्होंने कैमरे के सामने पोज दिया तो एक फोटोग्राफर ने उनसे पूछा, 'गौरव भाई, क्या हाल हैं'? गौरव ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बस यार, वही ,जो पहले था वही हाल है अभी भी। प्यार अभी भी उतना है, सपोर्ट अभी भी उतना है... मैं तो हमें सपोर्ट करूंगा आकांक्षा को, मेरी बीवी है यार। प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं'? इसके बाद फोटोग्राफर ने पूछा, 'भाई लेकिन कंट्रोवर्सी बहुत ज्यादा हो गई है'। इस पर गौरव ने कहा, 'आकांक्षा को जीवन के लिए शुभकामनाएं। मैं हमेंशा उसके साथ खड़ा हूं और उसको सपोर्ट कर रहा हूं। वो अच्छा खेले और जीत कर आए'।

'लॉकअप सीजन 2' में आकांक्षा के तलाक को लेकर पुष्टि किए जाने के बाद पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा किया है। गौरव ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। कैप्शन में वे प्यार की हिमायत करते दिखे हैं। गौरव ने लिखा है, 'लव ऑलवेज'। गौरव खन्ना के इस पोस्ट पर उनके फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। नेटिजंस लिख रहे हैं, 'हम आपके साथ हैं। आपको खूब सारा प्यार'।

गौरी के साथ आमिर खान के विवाह पर सोमी अली की प्रतिक्रिया

गौरी स्प्रैट के साथ अभिनेता आमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंध गये हैं। उनकी इस शादी को लेकर अब अभिनेत्री सोमी अली की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। सोमी अली की ओर से गौरी स्प्रैट और आमिर के लिए एक दिल को छू लेने वाला मैसेज शेयर किया गया। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती।' उन्होंने आमिर और गौरी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे साथ मिलकर एक खुशहाल और संतोषजनक नया अध्याय शुरू करेंगे। इंस्टाग्राम पर सोमी अली ने उनकी फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'गौरी और आमिर के लिए, प्यार किसी कैलेंडर को नहीं मानता। किसी भी उम्र में अपनी जिंदगी साझा करने के लिए साथी मिलना उतना ही खूबसूरत है जितना कि 20 साल की उम्र में मिलना। खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती। प्यार के लिए खुला दिल जश्न मनाने की चीज है, आलोचना करने की नहीं। उम्र सालों में मापी जाती है, लेकिन प्यार पलों में मापा जाता है।'

सोमी अली ने आगे लिखा, 'अपना साथी पाने के लिए बधाई। कुछ लोग सही इंसान की तलाश में पूरी जिंदगी बिता देते हैं। अगर

वह सफर किसी भी उम्र में शादी तक ले जाता है, तो वह देर नहीं है। वह बिल्कुल सही समय है। नया अध्याय शुरू करने का साहस प्रेरणादायक है। आप दोनों को जीवन भर खुशी, हंसी और साथ मिले। सबसे अच्छी प्रेम कहानियां इस बात से तय नहीं होतीं कि वे कब शुरू होती हैं, बल्कि इस बात से कि उन्हें कितनी गहराई से जिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उम्मीद है कि जो लोग आपकी उम्र को लेकर सवाल उठाते हैं, वे एक दिन समझेंगे कि खुशी की कोई समय-सीमा नहीं होती। उम्र बढ़ना तो तय है; साथ में उम्र बढ़ना एक तोहफा है। सबसे बड़ी उपलब्धि कम उम्र में शादी करना नहीं है, बल्कि ऐसा साथी पाना है जिसके साथ बुढ़ापा बिताया जा सके। ये भावनाएं, प्यार, साथ और जीवन के किसी भी पड़ाव पर खुशी पाने की आजादी का जश्न मनाती हैं।'

हाल ही में, 'प्रीतम एंड पेड्रो' की स्क्रीनिंग के दौरान, आमिर ने गौरी के साथ अपने शादी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह एक निजी समारोह होगा, जिसमें केवल उनके करीबी परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल होंगे। आमिर ने बताया था, 'हम 5 तारीख को शादी कर रहे हैं। यह बहुत छोटी शादी है। हम इसे घर पर ही कर रहे हैं। 5 तारीख हमारे लिए बहुत खास दिन है। इसमें सिर्फ दोनों परिवार और कुछ करीबी दोस्त शामिल होंगे।

पैपराजी कल्चर पर सैफ अली खान ने रखी राय

सैफ अली खान ने भारत में लगातार बढ़ रहे पैपराजी कल्चर पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सेलेब्स के हर समय लोगों की नजर में रहने पर चिंता जताई है। एक्टर का मानना है कि रोजाना तस्वीरें खींचे जाने से फिल्मी सितारों से जुड़ा रहस्य खत्म हो जाता है। उन्होंने पर्सनल बाउंड्रीज का सम्मान करने की अहमियत पर भी जोर दिया।

कम हो जाता है स्टारडम

बरखा दत्त के साथ बातचीत में सैफ ने बताया कि उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में तेजी से आम हो रहे पैपराजी कल्चर से ज्यादा लगाव क्यों नहीं है। उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि इससे स्टारडम काफी हद तक कम हो जाता है क्योंकि आप इन लोगों को रोज देखते रहते हैं। फिर स्क्रीन का वो जादू खत्म हो जाता है।'

घर में घुस गए थे पैपराजी

एक्टर ने बताया कि एक बार कथित तौर पर पैपराजी उनके घर के परिसर में घुस आए थे। इस घटना के बारे में बात करते हुए सैफ ने कहा कि स्थिति हद से ज्यादा बढ़ गई थी। इस बात पर जोर दिया कि स्पष्ट सीमाएं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पैपराजी ने 'सीमा पार कर दी थी। हर किसी को अपनी सीमा में रहना चाहिए।'

अलग है पैपराजी कल्चर

उन्होंने आगे कहा 'मेरी जिंदगी उनके बिना भी ठीक थी। फोटोग्राफर और जर्नलिस्ट की भूमिकाएं बिल्कुल अलग होती हैं और उन्हें एक जैसा नहीं माना जाना चाहिए। सैफ ने आगे साफ किया कि भले ही वह पत्रकारिता का सम्मान करते हैं, लेकिन पैपराजी कल्चर पूरी तरह से अलग चीज है। एक्टर के अनुसार, पब्लिक फिगर होने के बावजूद प्राइवेसी बनाए रखना जरूरी है।

करियर की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक है सतलुज

करीब 3 साल तक यह फिल्म अलग-अलग कारणों से चर्चा में रही। कभी रिलीज में देरी, कभी नाम बदलने की बात और कभी सेंसर से जुड़ी परेशानियां- इन सबके बीच यह फिल्म अटकी रही। अब आखिरकार यह दर्शकों तक पहुंच गई है। यह सोशल ड्रामा फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की जिंदगी से प्रेरित है। दिलजीत के लिए यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं थी, बल्कि एक ऐसा अनुभव था जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया। दिलजीत दोसांझ ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक रूप से काफी प्रभावित किया। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे करियर की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने हम सब से भावनात्मक और शारीरिक रूप से बहुत कुछ ले लिया। लंबे शूटिंग के दिन, कठिन हालात और इंटेंस सीन थे। लेकिन सबसे ज्यादा असर इस कहानी के विषय का पड़ा, जो मेरे साथ लंबे समय तक बना रहा।'

दिलजीत ने आगे बताया कि आमतौर पर वह एक फिल्म खत्म होते ही तुरंत अगली फिल्म में लग जाते हैं और ब्रेक लेना पसंद नहीं करते। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर मैं फिल्म खत्म होते ही आगे बढ़ जाता हूं, लेकिन इस फिल्म के बाद मुझे एक हफ्ते का ब्रेक लेना पड़ा। जसवंत सिंह खालरा का किरदार निभाने के दौरान जो कुछ मैंने महसूस किया, उसे समझने और उससे बाहर निकलने में समय लगा। वो सीन, वो इमोशंस मेरे साथ बने रहे, इसलिए थोड़ा वक्त लेना जरूरी था।'

फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की कामयाबी से खुश हैं। उन्होंने लंबे वक्त के बाद इस फिल्म में वापसी की है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, बहुत कम महिला-प्रधान फिल्मों को ऐसी कमर्शियल सफलता मिलती है। हाल ही में सामंथा ने कहा कि फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है।

पुरुष कलाकारों पर होती है मेहनत

बातचीत में जब सामंथा से पूछा गया कि क्या महिला स्टार्स को ज्यादा फीस के लिए संघर्ष करना पड़ता है? इस पर सामंथा ने कहा 'यह एक बार में एक कदम उठाने जैसा है। मैंने हमेशा यही कहा है, पुरुष सुपरस्टार एक दिन में नहीं बनते। बड़े-से-बड़े पुरुष सुपरस्टार बनाने में समय और मेहनत लगी है। हर फिल्म के साथ, हर डायरेक्टर ने उन्हें भगवान जैसा दर्जा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसमें समय लगा है।' उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि महिला स्टार्स को उतनी मेहनत और समय नहीं दिया जाता। अगर डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स किसी एक्ट्रेस को सुपरस्टार बनाने में उतनी ही मेहनत करें, तो यह मुमकिन हो जाएगा। हमें बस उस समय और इन्वेस्टमेंट की जरूरत है।'

बिना सोचे-समझे कुछ नहीं कहता

अली फजल को इंडिया में भले दर्शक 'मिर्जापुर' के गुड्डू भैया के रूप में जानते हों, मगर अली ने हॉलीवुड में भी अच्छा-खासा काम किया है। इन दिनों वेब सीरीज 'राख' में अपनी भूमिका के लिए तारीफ बटोरने वाले अली जल्द ही कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे। आमिर खान की 'बंटवारा 1947' के अलावा वह फिल्म 'मिर्जापुर' और 'लस्ट स्टोरीज' में भी नजर आएंगे।

'बंटवारा 1947' में बड़ा रोल नहीं, पर अहम

'बंटवारा 1947' में अपने रोल पर अली फजल कहते हैं, ' 'बंटवारा' में मेरा बहुत बड़ा रोल नहीं है, लेकिन मेरे लिए किरदार के आकार से ज्यादा अहमियत उस टीम और कहानी की होती है, जिसका मैं हिस्सा बनता हूं। सनी देओल जैसे दिग्गज कलाकारों और शानदार टीम के साथ काम करना अपने आप में बड़ा अनुभव है। आमिर खान सर इसे बना रहे हैं और मुझे इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार है। सच तो ये है कि मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार तक सीमित नहीं रखना चाहता। फिल्म मिर्जापुर में चिरपरिचित चेहरों के साथ एक सिनेमैटिक अनुभव मिलेगा।'

आज से तकरीबन दो साल पहले अली और रिचा ने जुनेरा नाम प्यारी बेटी को जन्म दिया। अली खुद को खुशकिस्मत मानते हैं, बेटी को पाकर। वह कहते हैं, 'बेटी को पाकर नसीब वाला महसूस करता हूं । बस रोज, दुआ करता हूं कि एक पैरेंट के रूप में बेटी का ध्यान रख पाऊं, उसकी जरूरतें पूरी कर पाऊं। मुझमें जमीन-आसमान का बदलाव आया है। लोग जब पूछते हैं कि एक पिता के रूप में क्या देना चाहेंगे? तो मैं मुझे लगता है कि ये तो इतिहास की सबसे पुरानी चीज है। हम बच्चों को क्या दे सकते हैं? जो भी देना है, वो तो हमारा फर्ज है। हम हजारों सालों से ये करते आए हैं। मुझे लगता है कि हमें बात का बतंगड़ नहीं बनाना चाहिए। हमें काम करना चाहिए, बच्चे पालने चाहिए, उन्हें एजुकेट करना जरूरी है। बाकी तो दुनिया चल ही रही है।'

जरूरी नहीं हर समय हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए

अली ने आगे कहा, 'हालांकि, एक अभिनेता के तौर पर हमारी जिम्मेदारी जरूर बनती है, क्योंकि हम भी समाज का हिस्सा हैं। हम समाज को देखते हैं, उससे सीखते हैं और फिर उसी का एक रूप अपने सिनेमा और कहानियों के माध्यम से दर्शकों के सामने रखते हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि हर समय और हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए। पहले सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए लोगों से ऐसी अपेक्षाएं भी कम थीं। आज सोशल मीडिया के दौर में अक्सर यह उम्मीद की जाती है कि हर विषय पर कलाकार अपनी राय रखें। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि आखिरकार हर व्यक्ति का अपना तरीका होता है। मेरे लिए मेरा काम ही मेरी सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।'

सभी जानते हैं कि अली फजल की पत्नी रिचा चड्ढा मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने में कभी पीछे नहीं रही हैं, मगर अली उनकी तरह मुखर नहीं हैं। इस पर वह कहते हैं, 'मेरा मानना है कि इंसान चाहे तो कुछ भी बन सकता है, और अगर मैं चाहूं तो हर मुद्दे पर बोलना भी शुरू कर सकता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने काम के जरिए ज्यादा प्रभावी ढंग से अपनी बात कह पाता हूं। शायद मैं अभी उस मुकाम पर नहीं हूं कि बिना पूरी जानकारी और समझ के किसी भी विषय पर खुलकर टिप्पणी करूं।

इंसानी स्वभाव को समझने की कोशिश

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रूप से कई तरह का काम करने के बाद अली एक इंसान और एकत्र के रूप में बदलाव महसूस करते हैं। वह कहते हैं, 'मेरे लिए हर किरदार इंसानी स्वभाव को बेहतर ढंग से समझने का एक अवसर होता है। मैं हमेशा यह जानने की कोशिश करता हूं कि क्या मैं एक आम इंसान के मन और उसकी परिस्थितियों के भीतर उतर सकता हूं। जब आप ऐसा करते हैं, तो अहसास होता है कि हर कहानी के पीछे एक सच्चा इंसान है, जिसकी अपनी जद्दोजहद और कई परतें हैं।

उत्तम औषधि है काजू

मेवे का प्रयोग उत्तम औषधि के रूप में किया जाता है। क्योंकि मेवा स्वाद की नहीं बल्कि सेहत की दृष्टि से भी उतनी ही फायदेमंद हैं। काजू में मैग्नीशियम पाया जाता हैं जो उच्च रक्तचाप को कम करने में और दिल के दौररे को रोकने में मदद करता है। काजू कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी संतुलित रखता है। काजू में प्रोटीन की मात्रा काफी होती है जो बॉडी व हड्डियों को मजबूत बनाती है। चाहे मिठाई में काजू कतली हो या फिर दूसरे पकवानों में काजू का इस्तेमाल। काजू किसी भी आम डिश को शाही बना सकता है। अब जब काजू हमें इतना पसंद ही है तो इससे होने वाले लाभ के बारे में भी जान लेना चाहिए। काजू में प्रोटीन, खनिज लवण, लौह, फाइबर, फोलेट, मेग्नीशियम, फॉस्फोरस, सेलेनियम, और तांबा का अच्छा स्त्रोत है। काजू का तेल, स्कर्वी मस्सा और रिंगवर्म के उपचार के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आप प्रतिदिन 7 – 10 काजू का सेवन कर सकते हैं। काजू खाने से मसूडों और दांतों को स्वस्थ रखता है। काजू में मोनो सैचुरेटड फैट होता है जो की दिल को स्वस्थ रखता है ओर दिल की बीमारियों के खतरे को कम करते में मदद करता है। काजू में एंटी ओक्सिडेंट भी होते हैं जो कैंसर से बचाव करता है। काजू पाचन शाक्ति को बढाता है। इससे भूख भी कहीं अधिक लगती है। आंतों में भरी गैस कम किया जा सकता है। काजू में पाए जानवाले फाइटो–केमिक्लस कैंसर और दूसरे बीमारियों से सुरक्षा करते हैं। जिन महिलाओं को मेनोपॉज है उन्हें तनाव, स्ट्रेस होनो एक आम सा समस्या है। उन महिलाओं को रोजाना एक काजू खाना चाहिए। काजू में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। काजू में अधिक एनर्जी होती है और इसमें अधिक मात्रा में फाइबर होता है। इसलिए इसको खाने से शरीर का वजन संतुलित रहता है।

खीरे में हैं सेहत व सौंन्दर्य के अनगिनत गुण

खीरा सेहत के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। ये सेहत के साथ–साथ सौंदर्य में बहुत फायदेमंद होता है। कम फेट व कैलोरी से भरपूर खीरे का सेवन आपको कई रोगो से बचाने में सहायता करता है। खीरे को आप कई तरह से खा सकते हैं, जैसे सलाद, जूस, सैंडवीच, या यूं ही नमक छिडक कर भी खा सकते हैं। खीरे के स्वास्थ्यवद्र्धक और सौन्दर्यवद्र्धक गुण दोनों अनगिनत होते हैं जैसे आयुर्वेद के अनुसार खीरा, पित्त, रक्त पित्त दूर करने वाला तथा रक्तविकार और मूत्र कच्छ नाशक रूचिकर फल है। खीरे के प्रयोग से पेट तथा जिगर की जलन शांत होती है। खीरे का नियमित सेवन से मासिक धर्म में होने वाली समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है। खीरा एक ऐसी सब्जी है जिसमें कोलेस्ट्रोल बिल्कुल नहीं होता। यह हृदय रोगी के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। एक अध्ययन के अनुसार खीरा में जो स्टे्रराल नाम का योगिक होता है वह कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है। खीरे में कैलोरी कम और फाइबर उच्च मात्रा में होता है। इसलिए मीडे डे में भूख लगने पर खीरा खाने से पेट देर तक भरा हुआ रहता है। आयुर्वेद के मुताबिक पेट में गर्मी होने के वजह से मुंह से बदबू निकलता है, खीरा पेट को शीतलता प्रदान करने में मदद करता है।

गर्भाशय में रसौली के लक्षण जान

इस तरह करें घरेलू उपचार

बिगड़ते लाइफस्टाइल में महिलाओं में कई समस्याएं देखने को मिलती है, इन्हीं में से एक फाइब्रॉइड यानी रसौली। फाइब्रॉइड या रसौली की गांठें महिलाओं के गर्भाशय में या उसके आसपास बनती है। इस बीमारी के ज्यादातर लक्षण न होने के कारण महिलाओं को इसका पता नहीं चल पाता। एक शोध के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं रसौली का शिकार होती है। वैसे तो अक्सर यह समस्या 30 से 50 की उम्र में देखने को मिलती है लेकिन गलत खान-पान के कारण यह समस्या इससे कम उम्र में हो जाती है। मोटापे से ग्रस्त महिलाओं का एस्ट्रोजन हार्मोन स्तर ज्यादा होने के कारण उन्हें इसका खतरा सबसे अधिक होता है। इस बीमारी के कुछ सामान्य लक्षणों से इसकी पहचान करके आप इससे बच सकते है। तो आइए जानते है फाइब्रॉइड के लक्षण और इसे दूर करने के कुछ घरेलू उपाय।

फाइब्रॉइड या रसौली के लक्षण

पीरियड्स के दौरान भारी ब्लीडिंग
अनियमित पीरियड्स
पेट के नीचे के हिस्से में दर्द
प्राइवेट पार्ट से खून आना
कमजोरी महसूस होना
प्राइवेट पार्ट से बदबूदार डिस्चार्ज
पेट में अचानक दर्द कब्ज
पेशाब रुक–रुककर आना

फाइब्रॉइड या रसौली के घरेलू उपाय

केस्टर ऑयल

दिन में 2 बार केस्टर ऑयल और अदरक के रस को मिला कर लें। सुबह और रात में सोने से पहले इसका सेवन इस बीमारी को दूर करता है।

लहसुन

रसौली की समस्या होने पर खाली पेट रोज 1 लहसुन का सेवन करें। लगातार 2 महीने तक इसका सेवन इस समस्या को जड़ से खत्म कर देता है।

बरडॉक रूट

यह जड़ी–बूटी एस्ट्रोजन को डिटॉक्स कर गर्भाशय फाइब्रॉइड को कम करने में मदद करती है। एंटी–इंफ्लेमेंटरी गुण से भरपूर इस जड़ी–बूटी का सेवन इस समस्या और कैंसर के खतरे को कम करता है।

सेब का सिरका

गर्म पानी के साथ सुबह शाम सेब का सिरका पीने से फाइब्रॉइड की समस्या दूर होती है। इसके अलावा इसका सेवन फाइब्रॉइड से होने वाले पेट दर्द को भी दूर करता है।

चेस्टबेरी

यह हर्ब हार्मोन संतुलन करके एस्ट्रोजन के कम स्तर को बनाए रखने और सूजन को कम करने में मदद करता है। चेस्टबेरी हर्ब से बने मिश्रण की 25–30 बूंदों को दिन में दो से चार बार लेने से आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

हल्दी

एंटीबॉयोटिक गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकाल देता है। यह फायब्रॉइड की ग्रोथ को रोक कर कैंसर का खतरा कम करता है।

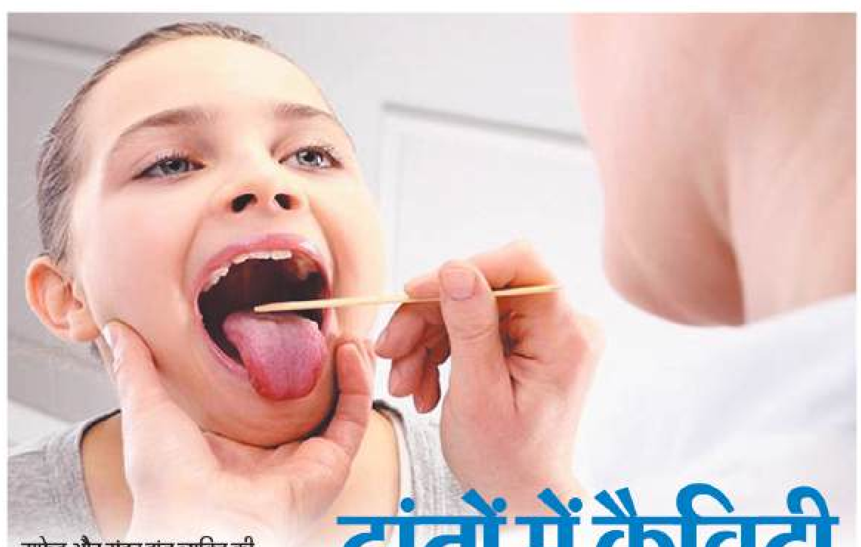

दांतों में कैविटी की समस्या को

इन तरीकों से करें दूर

सफेद और सुंदर दांत व्यक्ति की खूबसूरती को और बढ़ादेते हैं। इनके बिना खाना खाने का कोई मजा नहीं आता। ऐसे में दांतों की सही देखभाल करना बहुत ही जरूरी होता है। कुछ लोग के गलत खान-पान या सही तरीके से दांतों की देखभाल न करने पर इनमें कैविटी यानी कीड़ा लग जाता है। यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। कई बार कीड़ा लगने से इतना दर्द होता है कि उसको सहन करना बहुत मुश्किल हो जता है। इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए कई लोग दवाइयां और ट्रीटमेंट का सहारा भी लेते हैं। जो की बहुत मंहगा है। ऐसे में आप नैचुरल तरीके से भी दांतों में लगे कैविटी को आसानी से हटा सकते हैं। तो आइए जानते हैं उन तरीकों के बारे में।

क्या है कैविटी

शक्करयुक्त खाद्य पदार्थो यानि बिस्किट्स, चॉकलेट्स, आलू, केला को खाने से मुंह में अमल बनने लगते हैं। इससे दांतों में धीर–धीरे छोटे–छोटे से छिद्र बन जाते हैं। बाद में इन्हीं छिद्रों में कैविटी या कीड़ा लगत जाता है। इसके अलावा दांतों में संक्रमण होने पर भी कैविटी बन सकती है। इसका इलाज न करावाने पर दांतों के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। पीड़ित व्यक्ति को दांत खोने पड़ सकते हैं।

ऐसे करे कैविटी से बचाव

मिठाई, कैंडी और चॉकलेट खाना कम करें।
शक्करायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें।
ज्यादा मिठ्ठा फल न खाएं।
सोडा न पीएं। इसमें 12 से 40 ग्राम चीनी की मात्रा होती है जो कि दांतों के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं होती ।खाने के बाद कुल्ला करें।
तेल और मसालेदार भोजन न खाएं।
ज्यादा गर्म या ठंडा खाना खाने से बचें।

कैविटी लगे दातों का घरेलू इलाज

नारियल या सूरजमुखी का तेल

कीड़ा लगे दांतों में तेल भरना सबसे बेस्ट घरेलू तकनीक है। इसके लिए आप नारियल तेल या सूरजमुखी का तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 चम्मच तेल को अपने मुंह में कम से कम 20 मिनट तक रखें। इसके बाद कुल्ला करें और ब्रश कर लें। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपको खुद ही फर्क दिखाई देने लगेगा।

फ्लोराइड

यह एक तरह का प्राकृतिक खनिज पदार्थ है। यह दांतों में किसी भी प्रकार का रोग नहीं होने देता है। दातों को सुरक्षित रखने के लिए उस पानी का इस्तेमाल करें जिस में फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा हो। इसके साथ ही टूथ पेस्ट से रोजाना दो बार ब्रश करें।

हींग

हींग का इस्तेमाल करने से भी दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं। हींग के पाउडर को पानी में डालकर उबा लें। इसके ठंड़ा होने पर इस पानी से कुल्ला करें। रोजाना ऐसा करने से दांत के कीड़े खत्म हो जाएंगे। इसके साथ ही दांतों में होने वाले दर्द से भी छुटकारा मिलेगा।

प्याज के बीज

दांतों के कीड़े को नष्ट करने के लिए प्याज के बीजों का इस्तेमाल करें। इसके बीजों को चबाने से कीड़े जल्द ही खत्म हो जाते हैं। आप चाहें तो प्याज को बारिक काट कर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। एक कटोरे बारिक कटा प्याज डालकर उसमे इसमें थोड़ा–सा तेल डालकर कम आंच पर गर्म करें। इससे निकलने वाले धुएं को मुंह में लेने से भी कीड़े मर जाते हैं।

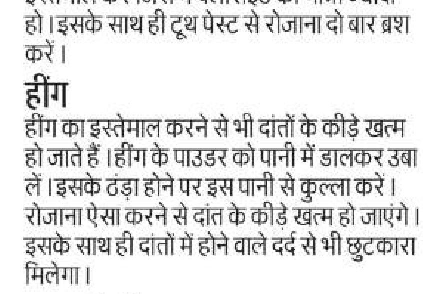

खट्टे-मीठे बेर में समाएं कई गुण

आयुर्वेद के अनुसार बेर दिल की सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी है। बेर खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है, जिससे दिल से जुछी बीमारियां होने की आशंका कम हो जाती है। बरे खाने से बार–बार प्यार लगने की शिकायत भी दूर होती है। खट्टे–मीठे बेर में पोटैशियम, कॉपर, आयरन, फॉस्फोरस और खनिज पदार्थ आदि भी होते हैं। इन सभी तत्वों से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है और शरीर में रोगों से लडने की क्षमता बढती है। गर्मियों में पौधे सुषुप्तावस्था में प्रवेश कर जाते हैं व उस समय पत्तियां अपने आप ही झड जाती हैं तब पानी की आवश्यकता नहीं के बारबर होती है। इस तरह बेर अधिक तापमान तो सहन कर लेता है लेकिन शीत ऋतु में पडने वाले पाले के प्रति अतित संवेदनशील होता है। क्योंकि इसमें कम पानी व सूखे से लडने की विशेष क्षमता होती है। जिस तरह नींबू और संतरे में विटामिन सी प्रचुर मात्रा पाई जाती हैं उसी तरह बेर में भी। बेर में अन्य फलों के मुकाबले विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा मात्रा में होते हैं। इसके सेवन से त्वचा बढती उम्र तक जवां बनी रहती हैं। इसमें विटामिन सी की मात्रा खट्टे फलों से 20 गुना तक अधिक होती है। बेर की गुठली को घिसकर आंखों में काजल की तरह लगाने से कनीनिका प्रदाह ठीक हो जाता है। आंखों से बहने वाला पानी भी बंद हो जाता है। बेर के पत्तों को पानी में काफी समय तक उबालकर काढा बनाकर छानकर पीने से शरीर की बढती चर्बी कंट्रोल हो जाती है। चेचक में बेर के पत्तों का रस भैंस के दूध के साथ रोगी को देने से रोग का वेग कम होता है। बेर में 6 ग्राम पत्तों के चूर्ण को 2ग्राम गुड के साथ मिलाकर रोगी को खिलाने से भी 2–3 दिन में चेचक खत्म होने लगता है।